C M Y K

आज का विचार

जिन्दगी की यात्रा भी विचित्र है, बिना कुछ लिए झगड़ते हैं, अंत में सब छोड़कर चले जाते हैं।

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-42 अंक-255 ■ पृष्ठ-8+4 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

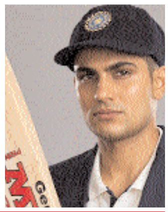

रेल महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने झलवाराझ्रशहडोल रेलखंड का किया निरीक्षण

अम्बिकापुर, सोमवार 7 जुलाई , 2025

शुभमन गिल की शतकीय पारी की बदौलत जीत की दहलीज पर भारत

पहला कॉलम

चुनाव आयोग के खिलाफ टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा, इस आदेश को दी चुनौती

नई दिल्ली ,06 जुलाई (ए)। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने चुनाव आयोग के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। महुआ मोइत्रा के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें बिहार में मतदाता सूची की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी विशेष पुनरीक्षण की बात कही गई है। याचिका में मांग की गई है कि सुप्रीम कोर्ट इस आदेश पर तत्काल रोक लगाए और श्वष्टद्ब को निर्देश दे कि वो देश के बाकी राज्यों में भी ऐसा कोई आदेश ना जारी करे। महुआ मोइत्रा का आरोप है कि यह आदेश मनमाना, असंवैधानिक और गरीबों, महिलाओं और प्रवासी मतदाताओं को वोटिंग प्रक्रिया से बाहर करने वाला है।

हालही में महुआ मोइत्रा उस वक्त चर्चा में रही थीं, जब उन्होंने पूर्व बीजद सांसद और सीनियर वकील पिनाकी मिश्रा के साथ बर्लिन में शादी की थी। इसके अलावा वह तब भी चर्चा में थीं, जब कल्याण बनर्जी ने महुआ मोइत्रा पर व्यक्तिगत टिप्पणी करते हुए बहुत कुछ ऐसा कह दिया जो विवादास्पद है। बनर्जी ने कहा कि महुआ मोइत्रा नई-नई शादी कर हनीमून पर गईं थीं और जल्द ही अपने हनीमून से लौटी हैं और आते ही उन्होंने मेरे ऊपर हमला बोल दिया है। उन्होंने महुआ पर एक परिवार को तोड़ने का भी आरोप लगाया। महुआ मोइत्रा एक भारतीय राजनेता और अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख नेता हैं। वे पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद हैं।

कुछ अलग

रेप, मर्डर और 11 साल बाद कातिल का कबूलनामा, मैं ही लगाता था लाशों को ठिकाने

बेंगलुरु ,06 जुलाई (ए)। कर्नाटक के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल धर्मस्थल से एक ऐसी खौफनाक खबर सामने आई है, जिसने पूरे राज्य में सनसनी फैला दी है। यहां एक पूर्व सफाई कर्मचारी ने खुद पुलिस के सामने आकर एक ऐसा गुनाह कबूल किया है, जिसे सुनकर किसी की भी रूह कांप जाए। शख्स ने दावा किया है कि उसे 1998 से 2014 तक, यानी करीब 16 सालों तक, रेप की शिकार लड़कियों और महिलाओं की लाशों को जलाने और ठिकाने लगाने के लिए मजबूर किया गया।

लगभग 11 साल तक इस खौफनाक सच को अपने सीने में दफन रखने के बाद, यह शख्स खुद पुलिस के पास पहुंचा। उसने बताया कि वह दसियों साल से पछतावे की आग में जल रहा था और अब वह चाहता है कि उन मासूम पीड़ितों को न्याय मिले जिनकी लाशें उसने ठिकाने लगाई थीं।

जमीन बेचना है

राजपुर रोड असोला में मिडिल स्कूल के सामने 41.5 डिसमिल जमीन प्रीकास्ट बाउन्ड्री किया हुआ तत्काल बेचना है।

सम्पर्क करें -
राकेश अग्रवाल
मो. 9977088562

खरी-खरी

'मैं यूपी से हूं, लेकिन खून महाराष्ट्र के लिए बहाया', भाषा विवाद में 26/11 के हीरो एक्स कमांडो का राज ठाकरे को करारा जवाब

- मुंबई में हिंदी बनाम मराठी विवाद गहराया
- राज ठाकरे समर्थकों पर हिंसा के आरोप
- एक्स मार्कोस तेवतिया ने दिया करारा जवाब

मुंबई। देश में भाषा को लेकर विवाद छिड़ गया है। पहले तमिलनाडु में हिंदी वर्सेज तमिल का विवाद खड़ा किया गया। उसके बाद कर्नाटक में कन्नड़ न बोल पाने पर कई आम लोगों से झगड़ा किया गया। ताजा विवाद महाराष्ट्र के मुंबई में देखने को मिल रहा है।

यहां महाराष्ट्र नव निर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने हिंदी वर्सेज मराठी का मुद्दा खड़ा कर दिया है। उनके कार्यकर्ता हिंदी बोलने वाले को पीट रहे हैं, जिसके वीडियो वायरल हो रहे हैं। उनको एक्स मार्कोस (मरीन कमांडो फोर्स) प्रवीण कुमार तेवतिया ने करारा जवाब दिया है।

२६/११ आतंकी हमले के दौरान ताज होटल में कई आम लोगों को बचाने वाले इस कमांडो ने राज ठाकरे से सवाल पूछा कि मुंबई में आतंकी हमला हुआ, तब मैंने अपना खून बहाकर ताज होटल को बचाया। उस दौरान आपका कहां थे? सोशल मीडिया पर उनका यह पोस्ट काफी वायरल हो रहा है। इसके साथ उन्होंने एक फोटो भी पोस्ट की है, जिसमें वह वर्दी पहने दिख रहे हैं। उनकी बुलैटप्रूफ जैकेट पर यूपी लिखा है। एक बंदूक भी दिख रही है।

क्या कहा तेवतिया ने?

उन्होंने पोस्ट में लिखा कि २६/११ आतंकी हमले के दौरान मैंने मुंबई को बचाने के लिए अपना खून बहाया था। मैं यूपी का रहने वाला हूं। महाराष्ट्र को आतंकी हमलों से बचाता हूं।

मैंने ताज होटल में आम लोगों की जिंदगियां बचाई। उस दौरान राज ठाकरे के तथाकथित योद्धा कहां थे? देश को बांटने की कोशिश मत करो। प्यार के लिए किसी भाषा की आवश्यकता नहीं होती।

सुरक्षा बलों को मिली बड़ी सफलता, पुंछ में ध्वस्त हुआ आतंकी ठिकाना; 3 हथगोले और असॉल्ट राइफल की 14 गोलियां बरामद

पुंछ ,06 जुलाई (ए)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सुरक्षा बलों ने एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों ने बताया कि सुरनकोट के जंगलों में पुलिस और सेना के संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान यह ठिकाना मिला। इस दौरान किसी भी व्यक्ति की गिरफ्तारी नहीं हुई है। सुरक्षा बलों ने ठिकाने से तीन हथगोले, एके असॉल्ट राइफल की 14 गोलियां, पिस्तौल की 6 गोलियां और अन्य सामग्री बरामद की है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकवादी गतिविधियों से जुड़ी अवैध कमाई से अर्जित संपत्ति को कुर्क किया है। पुलिस के अनुसार, खानयार पुलिस थाने में दर्ज एक मामले के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि श्रीनगर पुलिस ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत एक आवासीय संपत्ति को कुर्क किया है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग डेढ़ करोड़ रुपये है। यह संपत्ति खानयार इलाके के शालबाग में स्थित है और मोहम्मद यूसुफ शाह के नाम पर दर्ज है, जबकि वर्तमान में उनके बेटे मसूद हुसैन शाह के कब्जे में है। जम्मू-कश्मीर राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने मादक पदार्थ-आतंकवाद मामले में पाकिस्तान स्थित हिजबुल मुजाहिदीन प्रमुख सैयद मोहम्मद यूसुफ शाह उर्फ सैयद सलाहुद्दीन सहित 11 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। एसआईए, जम्मू ने यह मामला 2022 में दर्ज किया था। जांच में मादक पदार्थों की तस्करी और आतंकवादी गतिविधियों के लिए धन जुटाने में मदद करने वाले एक सुव्यवस्थित नेटवर्क का पता चला। आरोप पत्र में सलाहुद्दीन के अलावा बडगाम के खान साहिब इलाके के हिजबुल आतंकवादी बशारत अहमद भट का नाम भी शामिल है।

बिहार के डीजीपी विनय कुमार का दावा, 'गोपाल खेमका की हत्या के पीछे का सच जल्द आएगा सामने

पटना ,06 जुलाई (ए)। बिहार की राजधानी पटना में शुक्रवार देर रात हुए व्यवसायी गोपाल खेमका हत्याकांड मामले में बिहार पुलिस ने त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी है। बिहार के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) विनय कुमार ने रविवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से खास बातचीत में दावा किया कि अगले एक-दो दिनों में इस हत्याकांड की पूरी तस्वीर साफ हो जाएगी।

डीजीपी विनय कुमार ने बताया कि पटना और वैशाली जिलों में रात भर पुलिस की कई टीमें अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी करती रहीं। इस दौरान दर्जन भर से ज्यादा संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है, जिनसे फिलहाल पूछताछ जारी है। गोपाल खेमका पर गोली चलाने वाले हमलावर को घटनास्थल के अलावा शहर के अन्य हिस्सों में लगे सीसीटीवी में भी ट्रैक किया गया है। हमलावर की मोटरसाइकिल की पहचान कर ली गई है, लेकिन हेलमेट पहनने के कारण उसके चेहरे की स्पष्ट पहचान नहीं हो पाई है। विनय कुमार ने आश्वस्त किया कि एक-दो दिनों में इस हत्याकांड की पूरी कहानी सामने आ जाएगी। शनिवार को उन्होंने कहा, यह बेहद दुखद घटना है। मामले की जांच के लिए एसटीएफ की पूरी टीम को लगाया गया है और हमें उम्मीद है कि जल्द ही मामले का खुलासा हो जाएगा।

पीएम मोदी ने दलाई लामा को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं, बताया- प्रेम और करुणा के प्रतीक

नई दिल्ली ,06 जुलाई (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दलाई लामा को उनके 90वें जन्मदिन पर बधाई दी और उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी आयु की प्रार्थना की।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, मैं 1.4 अरब भारतीयों के साथ परम पावन दलाई लामा को उनके 90वें जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं। वह प्रेम, करुणा, धैर्य और नैतिक अनुशासन के स्थायी प्रतीक रहे हैं। उनका संदेश सभी धर्मों में सम्मान और प्रशंसा की प्रेरणा रहा है। हम उनकी अच्छी सेहत और लंबी उम्र की प्रार्थना करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी इस वक्त ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में हैं, जहां वे 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने और राजकीय यात्रा पर हैं।

यह शुभकामनाएं उस समय आई हैं जब दलाई लामा के उत्तराधिकारी को लेकर विवाद चल रहा है। चीन ने भारत से कहा है कि वह इस मामले में 'सावधानीझ् बरते। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि भारत को अपने शब्दों और कार्यों में सावधानी रखनी चाहिए और चीन के अंदरूनी मामलों, खासकर तिब्बत से जुड़े मुद्दों में दखल नहीं देना चाहिए।

हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में रहने वाले दलाई लामा को बीजिंग एक अलगाववादी मानता है। चीन को दलाई लामा का अंतरराष्ट्रीय नेताओं से मिलना या किसी सरकारी कार्यक्रम में जाना पसंद नहीं है।

साल 2021 में, प्रधानमंत्री मोदी ने दलाई लामा को उनके 86वें जन्मदिन पर सार्वजनिक रूप से शुभकामनाएं देकर एक बड़ा बदलाव किया। इससे पहले की सरकारें आम तौर पर दलाई लामा से दूरी बनाए रखती थीं ताकि चीन नाराज न हो। लेकिन 2021 में प्रधानमंत्री मोदी ने खुले तौर पर उन्हें शुभकामनाएं देकर इस पुराने रवैये से साफ तौर पर अलग रास्ता अपनाया, जो भारत की रणनीति में एक अहम बदलाव था। 14वें दलाई लामा को अमेरिकी विदेश मंत्री ने 'बेजुबानों की आवाजझ् कहते हुए बधाई दी। अपने 90वें जन्मदिन से पहले, नोबेल शांति पुरस्कार विजेता ने कहा था, 'दलाई लामा की प्रथा भविष्य में जारी रहेगी। मेरे मरने के बाद उत्तराधिकारी का चयन तिब्बती बौद्ध परंपराओं के अनुसार होगा।

तिहाड़ जेल में सजा काट रहा खूंखार सीरियल किलर फरार, प्रशासन में मचा हड़कंप

नई दिल्ली ,06 जुलाई (ए)। देश की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली तिहाड़ जेल में बंद कुख्यात सीरियल किलर सोहराब के फरार होने की खबर से सनसनी फैल गई है। तीन दिन की पैरोल पर बाहर आया सोहराब, अवधि पूरी होने के बावजूद वापस जेल नहीं लौटा। इस घटना के बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया है और लखनऊ पुलिस के साथ मिलकर उसकी सरगर्मी से तलाश की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, सोहराब को तीन दिनों के लिए पैरोल पर रिहा किया गया था। उसे लखनऊ में अपनी पत्नी से मुलाकात करने के बाद वापस दिल्ली की तिहाड़ जेल लौटना था, लेकिन वह निर्धारित समय पर नहीं पहुंचा। जब सोहराब वापस नहीं आया, तो जेल प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए और उन्होंने फौरन उसकी तलाश शुरू कर दी। तिहाड़ जेल प्रशासन ने तुरंत लखनऊ पुलिस से संपर्क साधा है और सोहराब की धरपकड़ के लिए अभियान तेज कर दिया है। सोहराब एक बेहद खतरनाक अपराधी है, जिसका लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। उस पर कई सनसनीखेज हत्याओं को अंजाम देने का आरोप है। समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान उसने जेल में बंद रहते हुए ही लखनऊ के सआदतगंज में पूर्व सांसद शफीकुर्रहमान बर्क के नाती की हत्या की साजिश रची और उसे अंजाम तक पहुंचाया था।

अमरनाथ यात्रा : अब तक 21,000 से ज्यादा श्रद्धालुओं ने किए बाबा बफानी के दर्शन

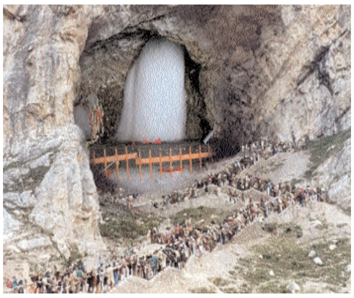

श्रीनगर ,06 जुलाई (ए)। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पिछले तीन दिनों में करीब 48,000 श्रद्धालुओं ने अमरनाथ यात्रा की। रविवार को 7,208 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था जम्मू से कश्मीर के लिए रवाना हुआ।

अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को 21,000 से अधिक यात्रियों ने पवित्र गुफा मंदिर के दर्शन किए। उन्होंने बताया कि रविवार को 7,208 यात्रियों का एक और जत्था दो सुरक्षा काफिलों में जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुआ।

उन्होंने कहा, पहला सुरक्षा काफिला तीर्थयात्रियों को उत्तरी कश्मीर के बालटाल बेस कैंप ले जा रहा है, जबकि दूसरा सुरक्षा काफिला यात्रियों को दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप ले जा रहा है।

वार्षिक तीर्थयात्रा के मामलों का प्रबंधन करने वाले श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अधिकारियों ने बताया कि जम्मू के 'भगवती नगर यात्री निवासझ् आने वाले यात्रियों के अलावा, कई यात्री मौके पर पंजीकरण के लिए सीधे बालटाल और नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप में रिपोर्ट कर रहे हैं।

शनिवार को जम्मू संभाग के रामबन जिले के चंद्रकोट में घाटी जाने वाले यात्री काफिले में पांच वाहनों के आपस में टकरा जाने से 36 यात्री मामूली रूप से घायल हो गए।

अधिकारियों ने इस वर्ष की अमरनाथ यात्रा को बहु-स्तरीय सुरक्षा प्रदान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद ये पहली अमरनाथ यात्रा है। पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने पहलगाम की बैसरन घाटी में 26 मासूम लोगों की हत्या कर दी थी।

सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी और स्थानीय पुलिस की मौजूदा ताकत को बढ़ाने के लिए सीएपीएफ की अतिरिक्त 180 कंपनियों को तैनात किया गया है।

दो बेस कैंपों के रास्ते में सभी ट्रांजिट कैंपों और जम्मू में 'भगवती नगर यात्री निवासझ् से गुफा मंदिर तक के पूरे मार्ग पर सुरक्षा बलों की पैनी नजर है। स्थानीय लोगों ने भी इस वर्ष की अमरनाथ यात्रा में पूरा सहयोग दिया है, जैसा कि उन्होंने पहले भी किया है।

पहलगाम आतंकी हमले से कश्मीरियों को गहरा सदमा पहुंचाने का एक शक्तिशाली संकेत देने के लिए, स्थानीय लोगों ने यात्रियों के पहले जत्थे का माला और तख्तियों के साथ स्वागत किया, जब तीर्थयात्री काजीगुंड में घाटी में प्रवेश करने के लिए नवयुग सुरंग को पार कर रहे थे।

3 जुलाई को शुरू हुई यात्रा 38 दिनों के बाद 9 अगस्त को समाप्त होगी।

यात्री कश्मीर हिमालय में समुद्र तल से 3888 मीटर ऊपर स्थित पवित्र गुफा मंदिर तक या तो पारंपरिक पहलगाम मार्ग से या छोटे बालटाल मार्ग से पहुंचते हैं।

पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने के लिए चंदनवारी, शेषनाग और पंचतरणी से गुजरना पड़ता है, जो पैदल 46 किमी की दूरी तय करता है। इस यात्रा में तीर्थयात्री को गुफा मंदिर तक पहुंचने में चार दिन लगते हैं।

छोटे बालटाल मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने के लिए 14 किमी की पैदल यात्रा करनी पड़ती है और यात्रा करने के बाद उसी दिन बेस कैंप वापस लौटना पड़ता है। सुरक्षा कारणों से, इस वर्ष यात्रियों के लिए कोई हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध नहीं है।

गुफा मंदिर में एक बर्फ की संरचना है जो चंद्रमा के चरणों के साथ घटती-बढ़ती रहती है। भक्तों का मानना है कि बर्फ की संरचना भगवान शिव की पौराणिक शक्तियों का प्रतीक है।

तेज डायग्नोस्टिक / ब्लड बैंक (सेंटर)
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल
बाबूपारा, जोड़ा तालाब के सामने अम्बिकापुर

आयुष्मान योजना द्वारा भर्ती, सर्जरी, उपचार एवं जॉच की सम्पूर्ण सुविधा उपलब्ध

दर्द के इलाज :-
. सुईनुमा उपकरण / दूरबिन द्वारा स्लिप डिस्क को निकालना
. स्लिप डिस्क / साइटिका का ओजोन द्वारा इलाज
. RFA मशीन एवं सुईनुमा उपकरण द्वारा साइटिका एवं कमर दर्द का इलाज
. कमर दर्द, गर्दन, पीठ का दर्द एवं हाथ का दर्द
. जोड़ों का दर्द, टेनिस एल्बो, एड़ी का दर्द
. दर्द की नसों को पहचान कर उसका इलाज
. (PLDD) लेजर मशीन द्वारा स्लिप डिस्क का इलाज
. Burger Disease कैंसर का दर्द CRPS

13 जुलाई 2025 माह के दुसरे रविवार

डॉ. बी. मिंज
MBBS,MD, FIPM (Fellowship inPain Management) Interventional Pain Physician
Trained in Advance Pain Management Procedure From
Balaji Action Hospital , Delhi Daradia Pain Management Centere, Kolkata

अग्रिम पंजीयन हेतु सम्पर्क करें
07774222555,9425583780,9826183780,
8224007799, 8718003300, 6262639090

आयुष्मान योजना द्वारा भर्ती,सर्जरी, उपचार एवं जॉच की सुविधा उपलब्ध

पहला कालम

पानी निकासी नही होने से घरों और दुकानों में घुस रहा पानी

बतौली (अम्बिकावाणी समाचार)। थाना चौक बतौली से चिरंगा जाने वाली सड़क के किनारे नाली और पुल नही बनने से बरसात की पानी घरो और दुकानों में घुस रहा है जिससे नुकसान के साथ-साथ परेशानी भी हो रही है।

एक साल पहले थाना चौक से चिरंगा तक दो लेंन सड़क का निर्माण लोक निर्माण विभाग द्वारा ठेकेदार के माध्यम से निर्माण कराया गया था।थाना चौक में नाली और निकासी के लिए पुलिया के निर्माण नही होने से राष्ट्रीय राज्यमार्ग ४३ से लगे थाना चौक के पास पानी का घंटो जमाव हो जाता है।

अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग सीतापुर प्रकाश सिन्हा ने कहा कि थाना चौक के पास कुछ घर वालों ने नाली और पुलिया के निर्माण का विरोध किया जिससे निर्माण नही हो सका। फिर से सुधार करने का प्रयास करेंगे।

भाजपा प्रशिक्षण वर्ग में शामिल होने मैनपाट पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। छत्तीसगढ़ के भाजपा सांसद और विधायकों का ७,८ एवं ९ जुलाई को मैनपाट में आयोजित त्रिदिवसीय प्रशिक्षण वर्ग की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। तिब्बती एक नंबर कैंप का तिब्बती कमेटी हॉल सज कर तैयार है, भाजपा के झंडे बैनरों से मैनपाट क्षेत्र सजी हुई है। भाजपा के प्रशिक्षणार्थी सांसद, विधायक एवं मंत्रियो का आना प्रारंभ हो चुका है, इसी क्रम में आज भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, क्षेत्रिय संगठन मंत्री अजय जामवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, संभाग प्रभारी राजा पाण्डेय सहित अन्य अतिथि आज मैनपाट पहुंचे।

घुंनघुट्टा डेम लबालब,खोलने पड़े पांच गेट,इधर रेंड नदी उफान पर

कॉलोनी के बाइस सौ आवासों में पेयजल आपूर्ति ठप्प

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। जून माह और फिर जुलाई में क्षेत्र में हो रही झमाझम बारिश से नदी तालाब उफान पर हैं ।शनिवार शाम से लगातार हो रही तेज बारिश के बाद आज घुंनघुट्टा डेम के पांच गेट को एहतियातन खोलना पड़ा है। गेट खोलने के बाद रेंड और घुंनघुट्टा नदी पूरी तरह उफान पर आ गई है ।रेंड नदी के उफान पर आने के बाद गोरखनाथपुर स्थित एसईसीएल के फिल्टर प्लांट में लगे हैवी मोटर और स्विच को डूबने से बचाने के लिए चैन पुली में बांध कर उन्हें ऊंचाई में रखा गया है ।जिस कारण एसईसीएल कॉलोनी के करीब बाइस सौ से अधिक आवासों में पेयजल आपूर्ति ठप्प हो गई है ।फिल्टर प्लांट के

कर्मियों ने बताया कि नदी का जल स्तर कम होने के बाद मोटर को यथा स्थान रखने के बाद ही कॉलोनी में पेयजल आपूर्ति बहाल हो पाएगी ।देर रात से हुई मूसलाधार बारिश के बाद लोग नदी का जलस्तर देखने बड़ी संख्या में रेंड नदी पहुंचे थे ।लगातार बारिश से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के लिए बड़ी मुसीबत साबित हो रही है ।बारिश में पक्के घरों में सीलन वही कच्चे घरों में रहने वालों के लिए मुसीबत का सबब बनी है। लगातार बारिश से कॉलोनी के कई आवासों के छत से पानी का रिसाव हो रहा है जो कॉलोनीवासियों के लिए आफत साबित हो रहा है।

रेहर एनीकेट पर मंडरा रहा खतरा

रेंड नदी पर ग्राम सतपता में वर्ष २०१६,१७ में २७ करोड़ की लागत से बने रेहर एनीकट पर भी लगातार बारिश से खतरा मंडरा रहा है ।बता दें कि घटिया निर्माण के कारण रेहर एनीकट निर्माण वर्ष के पहली बारिश में ही उसके पिलर क्षतिग्रस्त हो गए थे बाद में मरम्मत और लीपापोती कर एनीकेट को किसी तरह खड़ा कर गेट लगा दिया गया ।अभी दो वर्ष पूर्व एनीकेट का कई पिलर तेज बारिश में बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया जिस कारण एनीकट का स्लैब जगह जगह धंस गया,खतरा को देख इस मार्ग से आवाजाही रोकने सिंचाई विभाग ने पेड़ कटवा कर रख दिया ।विभाग के एक रिटायर एसडीओ ने बताया कि इस एनीकट का मरम्मत अब संभव नहीं है लेकिन विभाग के अधिकारी पैसे फूंकने और कमीशन के चक्कर में इसके मरम्मत का प्रपोजल तैयार कर सरकार के पास भेजा है ।बता दें कि शुरूआत में ही भ्रष्ट अधिकारियों के संरक्षण में इस एनीकट का निर्माण हुआ और पूरा एनीकेट कमीशनखोरी की भेंट चढ़ गया ।अब लगातार हो रही बारिश में यह कब ढह जाए कुछ भी नहीं कहा जा सकता है।

हसन हुसैन की शहादत में निकला मातमी जुलूस

प्रतापपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। नगर मे निकली मुस्लिम समुदाय के द्वारा हसन हुसैन की शहादत में मातमी जुलूस एक से एक ताजिया नगर में निकली ।गई। विभिन्न कमेटियों के द्वारा एक एक से एक ताजिया बनाई गई थी बहुत सी खूबसूरती तरीके से डिजाइनिंग की गई थी जो हसन हुसैन की शहादत में लोगों ने ताजियादारी का माध्यम से नगर के राजघराना चौक, कदम्पारा चौक,बस स्टैंड सहित नगर भ्रमण करते हुए भरी संख्या में मुस्लिम समुदाय के महिला पुरुष बच्चे ने बढ़ चढ़कर मातमी जुलूस में शामिल रहे।

जन भागीदारी समिति के नवनियुक्त अध्यक्ष गुलाब मोहन तिवारी ने किया पदभार ग्रहण

प्रतापपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। शासकीय कालिदास महाविद्यालय प्रतापपुर में जन भागीदारी समिति के नवनियुक्त अध्यक्ष गुलाब मोहन तिवारी का पदभार ग्रहण कार्यक्रम प्रतापपुर विधायक श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते के गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ।

शासकीय कालिदास महाविद्यालय प्रतापपुर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीमती शकुंतला सिंह विधायक प्रतापपुर जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री गुलाब मोहन तिवारी महाविद्यालय के प्राचार्य रजनीश सिंह एवं उपस्थित अतिथियों द्वारा मां सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारीके छायाचित्र के समक्ष धूप दीप प्रज्वलित किया गया ।

महाविद्यालय के प्राचार्य एवं कर्मचारियों द्वारा विधायक श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते एवं उनके साथ आए अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया महाविद्यालय के प्राचार्य श्री रजनीश सिंह के द्वारा स्वागत उद्बोधन के साथ महाविद्यालय की उपलब्धि के बारे में बताया गया या महाविद्यालय सूरजपुर जिला में दूसरे स्थान पर है साथ ही अपने

शायराना अंदाज में महाविद्यालय के विकास के लिए किये जाने वाले कार्यों की ओर अतिथियों का ध्यान आकर्षित कराया गया।

भाजपा मंडल अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने महाविद्यालय में अखंड अध्यनरत छात्र-छात्राओं एवं क्षेत्र की जनताकी ओर से महाविद्यालय मार्ग के पुनर्निर्माण के लिए विधायक जी को धन्यवाद ज्ञापित किया भाजपा जिला उपाध्यक्ष लाल संतोष सिंह ने महाविद्यालय जन भागीदारी समिति के नवनियुक्त अध्यक्ष गुलाब मोहन तिवारी को बधाई एवं नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं देते हुए महाविद्यालय में रखी हुई स्वामी विवेकानंद जी के मूर्ति को यथाशीघ्र स्थापित कराए जाने का आग्रह किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि शकुंतला सिंह पोर्ते मैं अपने उद्बोधन में कहा शासकीय कालिदास महाविद्यालय में आने की मेरे भी बहुत दिनों से इच्छा और मैं यहां के छात्र छात्राओं से सीधे बात करना चाहती थी पर आज महाविद्यालय में परीक्षा चल रही है अगले कार्यक्रम में सबसे मुलाकात होगा महाविद्यालय के प्राचार्य जी ने बताया कि प्रतापपुर महाविद्यालय का सूरजपुर जिला में दूसरा स्थान है जो गौरव की बात है महाविद्यालय में जो भी कमियां होगी अब जन भागीदारी समिति के नए अध्यक्ष की नियुक्ति हो गई है महाविद्यालय के प्राचार्य और अध्यक्ष मिलकर उन सभी कर्मियों के लिए प्रयास करेंगे मैं हर संभव इस महाविद्यालय को शासन स्तर से समुचित सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास करुंगी। इस दौरान नगर पंचायत प्रतापपुर के अध्यक्ष श्रीमती मानती सिंह नगर पंचायत उपाध्यक्ष अजीत शरण सिंह व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्य समिति सदस्य अंबिका जायसवाल भाजपा मंडल अध्यक्ष गोविंदपुर संजय मरावी विधायक प्रतिनिधि विश्वजीत सोनी मंडल मंत्री कृष्णा सोनी मंडल महामंत्री प्रतापपुर अवधेश पाण्डेय श्रीमती लक्ष्मी गुप्ता महिला मोर्चा महामंत्री श्रीमती राधा सिंह भारतीय जनता युवा मोर्चा मंडल सह प्रभारी विक्रम प्रताप सिंह युवा मोर्चा अध्यक्ष विक्रम नामदेव अमलेश्वर सिंह पूर्व पार्षद अरविंद जैसवाल पूर्व पार्षद योगेंद्र सिंह पार्षद श्रीमती नीलम श्रीवास्तव श्रीमती सीता पैकरा लालमन पैकरा सौरभ मानिकपुरी विजय जायसवाल प्रफुल्ल गुप्ता राम रतन गुप्ता अजय जायसवाल अशोक जायसवाल सोनपुर अशोक जायसवाल मसगा धर्मेंद्र श्रीवास्तवजुल्फिकार कादरी अजय सिंह संतोष आर्यन दुबे महाविद्यालय के प्रोफेसर कर्मचारी गण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

मैनपाट में तिब्बतियों ने धूमधाम से मनाया बुद्धिस्ट धर्मगुरु दलाई लामा का 90वां जन्मदिन

अंबिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। बुद्धिस्ट धर्मगुरु दलाई लामा का ६ जुलाई को ९०वां जन्मदिवस है। यह पूरे विश्व में धूमधाम से मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में मैनपाट के बौद्ध मंदिर में तिब्बती शरणार्थियों द्वारा केक काटकर दलाई लामा का जन्मदिन सेलिब्रेट किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत पूजा-पाठ से हुई। इसके बाद बच्चों ने नृत्य की प्रस्तुति दी। दिनभर अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। इस संबंध में तिब्बती शरणार्थियों का कहना है कि धर्मगुरु दलाई लामा का जन्मदिन इस बार इसलिए भी खास है कि यह उनका ९०वां जन्मदिवस है। छत्तीसगढ़ के शिमला मैनपाट को मिनी तिब्बत के नाम से भी जाना जाता है। यहां तिब्बती शरणार्थी वर्षों से कैंप बनाकर रह रहे हैं। यहां स्थित बौद्ध मंदिर को देखने दूर-दराज से टुरिस्ट आते हैं।

इसी कड़ी में मैनपाट के बौद्ध मंदिर में भी धर्मगुरु दलाई लामा का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर भाजपा के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल, प्रदेश संगठन मंत्री पवन साय, सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो सहित अन्य भी मौजूद रहे।

केक काटकर किया सेलिब्रेट धर्मगुरु दलाई लामा का जन्मदिन मनाने काफी संख्या में तिब्बती समाज बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक बौद्ध मंदिर में एकत्र हुए। इस दौरान केक काटकर धर्मगुरु का बर्थडे सेलिब्रेट किया गया। इस दौरान तिब्बती समाज के बच्चों ने प्रार्थना कर उनकी लंबी उम्र की कामना की। हम आपको बता दें कि तिब्बती शरणार्थियों द्वारा हर वर्ष धर्मगुरु दलाई लामा का जन्मदिन पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है।

28 जुलाई को पठानकोट कैंट से दक्षिण भारत की पावन यात्रा पर रवाना होगी भारत गौरव ट्रेन

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। दक्षिण भारत के प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों की यात्रा की चाह रखने वाले श्रद्धालुओं के लिए भारत गौरव ट्रेन चलाने का फैसला लिया गया है। यह विशेष रेलगाड़ी आगामी २८ जुलाई को दक्षिण भारत की दिव्य यात्रा पर रवाना हो रही है। १३ दिवसीय यह भव्य यात्रा पठानकोट कैंट स्टेशन से शुरू होगी और यात्रियों को तिरुपति, रामेश्वरम, मदुरै, कन्याकुमारी और मल्लिकार्जुन जैसे दक्षिण भारत के प्रमुख तीर्थ स्थलों के दर्शन कराएगी। जो आध्यात्मिक अनुभव, सुविधा और किफायती दरों का अनूठा संगम होगी।

इस ट्रेन की शुरूआत पठानकोट कैंट स्टेशन से होगी। इसके प्रमुख बोर्डिंग पॉइंट में जालंधर सिटी, लुधियाना, चंडीगढ़, अंबाला कैंट, कुरुक्षेत्र, करनाल, पानीपत, सोनीपत, हजरत निजामुद्दीन, मथुरा, आगरा कैंट और ग्वालियर शामिल हैं। कुल मिलाकर यह यात्रा १२ रात और १३ दिनों की होगी, जिसकी वापसी ९ अगस्त को तय की गई है।

यात्रा के लिए तीन श्रेणियों में सीटें- स्लीपर क्लास (६४० सीटें), ३एसी स्टैंडर्ड (७० सीटें), और २एसी कम्फर्ट (५० सीटें) उपलब्ध हैं । वहीं किराया भी काफी किफायती रखा गया है। स्लीपर क्लास ?३०,१३५, ३एसी ?४३,३७० और २एसी ?५७,४७० प्रति व्यक्ति । इस पैकेज में ट्रेन टिकट के साथ-साथ दैनिक भोजन, आरामदायक आवास, दर्शनीय स्थलों की यात्रा के लिए एसी/नॉन-एसी बस, टूर एस्कॉर्ट, सुरक्षा एवं प्राथमिक चिकित्सकीय सुविधा आदि शामिल हैं।

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने वाली इस यात्रा में शामिल होकर श्रद्धालु न केवल दक्षिण भारत के प्रमुख मंदिरों के दर्शन कर पाएंगे, बल्कि यात्रा के दौरान भारतीय रेल की ओर से सुनिश्चित की गई सुविधाएं और व्यवस्थाएं उन्हें एक सहज और भावपूर्ण अनुभव भी प्रदान करेंगी।

नौ दिनों तक मौसी के घर रहने के बाद वापस लौटे महाप्रभु

प्रतापपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। नगर में पहली बार श्री जगन्नाथ रथयात्रा यात्रा के बाद ९ दिन अपने मौसी के घर रहने के बाद आज नगर में रथ यात्रा निकली गई जिसमें जिसमें भारी संख्या में नगर के भक्तों ने भाग लिया श्री जगन्नाथ प्रभु का रथ यात्रा पूरे विधि विधान से पूजन करने के बाद स्थानीय मां समलेश्वरी मंदिर प्रांगण से झूमते नाचते हुआ जय जगन्नाथ के नारों ।के साथ रथ यात्रा संपन्न हुआ जिसमें भारी संख्या में महिला पुरुष बच्चों ने रथ की रस्सी खींचे और प्रसाद वितरण किया गया

बंग समाज कल्याण समिति ने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर मदद का दिया भरोसा

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। ग्राम पंचायत मदनपुर बंगालीपारा में हाल ही में घटित एक दर्दनाक हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। गुरुवार की सुबह संतोष विश्वास पिता चित्तो विश्वास जो अपने घर के विद्युत पोल से आए कनेक्शन को ठीक करने का प्रयास कर रहे थे, अचानक करंट की चपेट में आ गए। यह प्रयास उसकी जिंदगी का आखिरी साबित हुआ। मौके पर ही उसकी मौत हो गई थी। यह हृदय विदारक घटना न केवल परिवार के लिए बल्कि पूरे गांव के लिए एक बड़ा आघात साबित हुई। हादसे के बाद शनिवार को बंग

समाज कल्याण समिति के प्रांतीय एवं जिला पदाधिकारियों ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना देते हुए हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। समिति ने न सिर्फ संवेदना प्रकट की बल्कि बिजली विभाग से तत्काल संपर्क कर उचित मुआवजा दिलाने की मांग भी रखी। जब पीड़ित परिवार को सबसे ज्यादा सहारे की जरूरत थी, तब समाज की भूमिका सच्चे मायने में सामने आई। मृतक संतोष विश्वास के पीछे दो छोटे बच्चे हैं, जिनकी शिक्षा और परवरिश को लेकर चिंता लाजमी थी। इस मानवीय पहलू को समझते हुए बंग समाज कल्याण समिति ने एक बच्चे की शिक्षा का पूरा खर्च उठाने का संकल्प लिया, जो समाज में सामूहिक जिम्मेदारी और संवेदनशीलता की मिशाल है ।साथ ही यह भी तय किया गया कि जरूरत पड़ने पर समाज एकजुट होकर पीड़ित परिवार के लिए हर संभव सहयोग करेगा। इस दौरान समिति के प्रांतीय अध्यक्ष रामू घोष, संरक्षक दिलीप धर, सुशांत घोष, संदीप सरकार, अजित समद्दार, जिलाध्यक्ष पवन बर्मन, समीर मंडल, जगदीश, विजय राय, गोपाल हालदार, सुमंत, सूरज दास, तारक, अमल दास, सुखदेव मंडल व अन्य उपस्थित थे।

रेल महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने झलवारा शहडोल रेलखंड का किया निरीक्षण

संरचनात्मक गुणवत्ता, संरक्षा मानकों एवं यात्री सुविधाओं को परखा

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। रेलवे महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने गत दिवस बिलासपुर मंडल अंतर्गत झलवाराझशहडोल रेलखंड का व्यापक संरक्षा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान रेल संरक्षा, परिचालन प्रणाली, स्टेशन विकास कार्यों एवं यात्री सुविधाओं की समग्र समीक्षा की गई । इस अवसर पर मुख्यालय के प्रधान विभागाध्यक्ष, अधिकारीगण मंडल रेल प्रबंधक, बिलासपुर राजमल खोईवाल सहित मंडल के वरिष्ठ अधिकारी एवं पर्यवेक्षकगण उपस्थित रहे।

इस दौरान महाप्रबंधक के द्वारा न्यू कटनी जंक्शन से झलवारा के मध्य विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया गया । झलवारा स्टेशन पर महाप्रबंधक ने यात्री सुविधाओं एवं संरक्षा मानकों का जायजा लिया। इसके उपरांत उन्होंने विलायतकलाँ रोडझचंदिया रोड खंड में कर्व नंबर २२, एसईजे नंबर १७ तथा रेलवे मेजर ब्रिज क्रमांक १९६ का गहन निरीक्षण कर गर्डर, ट्रैक और अन्य संरचनात्मक पहलुओं की समीक्षा की। चंदिया रोड स्टेशन पर साइडिंग निरीक्षण के साथ अधिकारियों से आवश्यक चर्चा की ।

उन्होंने उमरिया स्टेशन में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत

पुनर्विकसित संरचनाओं, वेटिंग हॉल, प्लेटफॉर्म, यार्ड एवं पॉइंट्स का निरीक्षण किया गया। इंजीनियरिंग ट्रैक मशीन विभाग द्वारा स्मॉल ट्रैक मशीन के उपयोग का प्रदर्शन भी किया गया, जिसे महाप्रबंधक ने सराहा। इसी क्रम में उन्होंने नवनिर्मित रेलवे सुरक्षा बल बाहरी चौकी का उद्घाटन किया तथा समपार संख्या बीके-९० का निरीक्षण कर गेटमैन की कार्यप्रणाली का मूल्यांकन किया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं मीडिया से भी यात्री सुविधाओं को लेकर संवाद किया गया।

महाप्रबंधक द्वारा नौरोजाबाद स्टेशन पर टीएसएस एवं विद्युत उपकरणों का निरीक्षण किया गया, वहीं मुदरिया स्टेशन में साइडिंग अधिकारियों से संवाद कर संरक्षा बिंदुओं पर चर्चा की गई। इसके बाद घुंघुटीझबधवाबारा खंड में रेलवे ब्रिज क्रमांक १३२ एवं डीटीएमझ८एके गैंग टीम के साथ बातचीत कर कार्य स्थलों की चुनौतियों, संरक्षा सावधानियों एवं संसाधनों की जानकारी ली गई। उन्होंने टीम के कार्य की सराहना की और उनकी भूमिकाओं को प्रेरणादायक बताया।

संरक्षा निरीक्षण के अंतिम चरण में महाप्रबंधक द्वारा शहडोल स्टेशन में स्टेशन, क्रू लॉबी एवं रनिंग रूम, उप-रेलवे चिकित्सालय, रेलवे स्कूल आदि का निरीक्षण किए । उन्होंने क्रू लॉबी व रनिंग रूम के निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों से संरक्षा के संबंध में पूछताछ की एवं रेल परिचालन में अहम भूमिका अदा करने वाले लोको पायलट एवं अन्य रेलकर्मियों से मुलाकात की एवं उन्हें उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं का जायजा लिए । साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों, डीआरयूसीसी/जेडआरयूसीसी के प्रतिनिधियों, संगठनों एवं मीडिया से विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की । इस समग्र निरीक्षण के माध्यम से रेलखंड की संरचनात्मक गुणवत्ता, संरक्षा, यात्री सेवा, वाणिज्यिक उपयोग और विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति का मूल्यांकन किया गया, जिससे भविष्य की योजनाओं एवं सुधारात्मक कार्यों को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकेगा।

छोटी खबरें

स्व. डॉ. मुखर्जी को नमन करते हुए भाजपा नेता अंजय शुक्ला ने दी श्रद्धांजलि

रायपुर। महान शिक्षाविद्, प्रखर राष्ट्रवादी नेता और भारतीय जनमानस में राष्ट्रीय चेतना का संचार करने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर आज शहर जिला भाजपा द्वारा पार्टी कार्यालय में उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य व बेटी बचाओ-बेटी पढ़ावो के प्रदेश संयोजक अंजय शुक्ला ने भी स्व. डॉ. मुखर्जी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उनका पुण्य स्मरण किया,उन्होंने अपने संकल्प से भारतीय राष्ट्रवाद और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को सशक्त आधार प्रदान किया।

दादागुरुदेव इक्तिसा जाप हेतु पाली में खरतरगच्छाधिपति श्री जिनमणिप्रभ सूरि ने वाशक्षेप व आशीर्वाद दिया

रायपुर। पाली में विराजमान खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वर जी म सा ने चमत्कारी श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी भैरव सोसायटी में 21 जुलाई से 10 अगस्त तक आयोजित 21 दिवसीय दादागुरुदेव इक्तिसा जाप के लिए वासक्षेप प्रदान किया। ट्रस्ट के महासचिव महेन्द्र कोचर ने पाली राजस्थान में वासक्षेप व आशिर्वाद ग्रहण किया। 10 अगस्त को गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर दादागुरुदेव की बड़ी पूजा कर छत्तीसगढ़ की सुख समृद्धि, अच्छी फसल व पर्यावरण हेतु मंगल प्रार्थना की जावेगी। उक्ताशय की जानकारी श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष सन्तोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने दी। सर्वप्रथम चारों दादागुरुदेव की वेदी प्रतिमाओं के सम्मुख अष्ट प्रकारी पूजा का विधान होगा। अध्यक्ष सन्तोष बैद, वर्धमान चोपड़ा, दीप्ती बैद, विवेक बैद, निर्मल पारख, मंजू कोठारी द्वारा बड़ी पूजा का विधान सम्पन्न किया जाएगा। महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि कुशल नाम है कितना प्यारा , जन जन की आंखों का तारा , जब कोई नही आता मेरे दादा आते हैं , मेरे दुःख के दिनों में वो बड़े काम आते हैं , भजनों से गुरुपूर्णिमा के अवसर पर गुरुभक्ति होगी। चमत्कारी श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी भैरव सोसायटी में 21 जुलाई से 21 दिवसीय इक्तिसा जाप आरम्भ होगा। 21 दिवसीय दादागुरुदेव इक्तिसा जाप के लिए 21 जुलाई को प्रातः 9 बजे मूर्ति , अखण्ड दीपक व कलश स्थापना विधिकारक श्री विमल गोलछा द्वारा विधिपूर्वक कराई जाएगी। चमत्कारी श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी , भैरव सोसायटी में प्रतिदिन रात्रि 8 से 9 बजे तक इक्तिसा जाप 21 जुलाई से 10 अगस्त तक होगा।

जिले में पर्याप्त उर्वरकों का भण्डारण-वितरण कार्य प्रगति पर

रायपुर। जिले में मानसून सक्रिय होने के पश्चात से खरीफ कृषि कार्य में तेजी आई है तथा बुआई हेतु मौसम अनुकुल होने से कृषक भाई खरीफ फसल बुआई कार्य कर रहे हैं। कृषकों की मांग अनुसार उर्वरकों का प्राथमिक सहकारी समितियों एवं निजी प्रतिष्ठानों में भण्डारण एवं वितरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के निदेर्शों के अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा कृषकों की मांग अनुसार सहकारी समितियों में खाद व बीज की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। उप संचालक कृषि ने बताया कि जिले में उर्वरक यूरिया-27600 मि.टन, सिंगल सुपर फास्फेट-18310 मि.टन, पोटाश-5700 मि.टन, डी.ए.पी.-5267 मि.टन, 12:32:16-3666 मि.टन व अन्य 17484 मि.टन कुल 78027 मि.टन का लक्ष्य के विरूद्ध यूरिया-20729 मि.टन, सिंगल सुपर फास्फेट-14253 मि.टन, पोटाश-5293 मि.टन, डी.ए.पी.-7085 मि.टन, 12:32:16-1002 मि.टन व अन्य 4877 मि.टन कुल 53238 मि.टन का भण्डारण कर यूरिया-17640 मि.टन, सिंगल सुपर फास्फेट-8646 मि.टन, पोटाश-3985 मि.टन.

तीन माह का चावल अब तक अधूरा

राशन वितरण में नान गोदाम और ट्रांसपोर्टर की मनमानी, हितग्राही हो रहे परेशान

शासन की योजना फेल, जिला प्रशासन की अनदेखी पर उठे सवाल

कोरबा अम्बिकावाणी – राज्य शासन द्वारा चावल उत्सव के तहत प्रदेशभर में हितग्राहियों को एक साथ तीन माह का राशन उपलब्ध कराने की योजना चलाई जा रही है। लेकिन कोरबा जिले के पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड में यह योजना अव्यवस्थाओं की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। यहां बड़ी संख्या में ऐसे हितग्राही हैं जिन्हें अब तक तीन माह का चावल नहीं मिल पाया है।

स्थानीय शासकीय उचित मूल्य की दुकानों के संचालकों से लेकर हितग्राहियों तक, सभी ने शिकायत की है कि समय पर नान (छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम) गोदाम से चावल नहीं पहुंच पा रहा है। नातीजतान वितरण कार्य ठप पड़ा है और हितग्राही बिना राशन के लौटने को मजबूर हैं। बताया जा रहा है कि पिछले माह १४-१५ तारीख को प्रत्येक सोसाइटी को पुरानी मशीन के स्थान पर नई मशीनें उपलब्ध कराई गई थीं। इसी कारण शासन ने राशन वितरण की अंतिम तिथि ७ जुलाई तक बढ़ा दी थी। इसके बावजूद भी अब तक राशन वितरण अधूरा है।

संपर्क करने पर सोसाइटी संघ की अध्यक्ष कुमारी चन्द्रकला पोर्ते ने बताया कि मुख्य समस्या ट्रांसपोर्टर की लापरवाही से उत्पन्न हो रही है। उन्होंने बताया कि ट्रांसपोर्टर राहुल कुछ के पास पर्याप्त वाहन नहीं हैं और न ही चावल उतारने के लिए हमाल (लेबर) की व्यवस्था है। ट्रांसपोर्टर चावल तो भेज रहा है, लेकिन दुकानदारों को खुद मजदूर ढूंढ़कर चावल उतरवाना पड़ रहा है, जिससे भारी दिक्कतें उत्पन्न हो रही हैं। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि इस बार बारिश की वजह से भी सामग्री का लोड-अनलोड बाधित हो रहा है, जिससे गाड़ियों में रखा चावल चोरी हो रहा है। परिणामस्वरूप कई पंचायतों में केवल दो माह का ही चावल वितरण किया गया है। जनता में इस अव्यवस्था को लेकर आक्रोश है। हितग्राहियों का कहना है कि यह योजना भले ही कागजों पर सफल दिख रही हो, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और है। शासन की मंशा अच्छी है लेकिन नान गोदाम, ट्रांसपोर्टर और स्थानीय प्रशासन की उदासीनता की वजह से योजना बुरी तरह प्रभावित हो रही है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब ट्रांसपोर्टर के पास संसाधन नहीं हैं, तो फिर उसे जिम्मेदारी क्यों दी गई? और क्या जिला प्रशासन इस लापरवाही को जानबूझकर नजरअंदाज कर रहा है? अब देखने वाली बात होगी कि शासन इस गंभीर लापरवाही पर क्या कार्रवाई करता है और कब तक हितग्राहियों को उनका हक का राशन मिल पाता है। फिलहाल चावल उत्सव हितग्राहियों के लिए परेशानी का उत्सव बन गया है।

सरकार की योजना बनी किसानों की ताकत, छबिलाल को सुलभ दरों पर मिला खाद और बीज

खरीफ की तैयारी में नहीं कोई रुकावट, समिति से समय पर मिली राहत

कोरबा अम्बिकावाणी - बरसात की पहली फुहारों के साथ खेतों में हरियाली की आस भी लौट आई है। मिट्टी जीवनदायिनी बनी है और किसान अपने सपनों को साकार करने खेतों में जुट गए हैं। इस नए उमंग और उत्साह के पीछे सरकार की वे योजनाएं हैं, जो समय पर और जमीन पर क्रियान्वित हो रही हैं। छत्तीसगढ़ शासन एवं कृषि विभाग के संयुक्त प्रयास से प्रदेशभर के किसानों को अब खेती के लिए आवश्यक बीज और उर्वरक न्यूनतम मूल्य पर सहकारी समितियों के माध्यम से उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे खरीफ फसलों की बुवाई में तेजी आई है और उत्पादन में भी बढ़ोतरी की उम्मीद जगी है। इसी योजना का लाभ उठाया कोरबा जिले के चोरभट्टी गांव के किसान छबिलाल ने, बरसात के ठीक बाद जब खेतों में बुवाई का समय आया, तब वे शासकीय सहकारी समिति, करतला पहुँचे। वहाँ से उन्होंने खरीफ फसल के लिए उन्नत धान बीज, यूरिया, डीएपी और अन्य आवश्यक उर्वरक प्राप्त किए। छबिलाल बताते हैं सहकारी समिति में बहुत अच्छा प्रबंध है। किसी प्रकार की भीड़ नहीं थी, स्टाफ ने सहयोगपूर्वक सभी सामग्री उपलब्ध कराई। पहले प्राइवेट दुकानों से महंगे दामों में खाद-बीज लेना पड़ता था, अब सरकार की इस योजना से काफी राहत मिली है। छबिलाल जैसे किसान, जिनकी आय पूरी तरह कृषि पर निर्भर है, इस पहल से बेहद खुश हैं। सरकार ने खरीफ सीजन को ध्यान में रखते हुए जिले की सभी सहकारी समितियों में बीज और उर्वरकों का पर्याप्त भंडारण पहले ही सुनिश्चित कर लिया है। साथ ही वितरण की प्रक्रिया को पारदर्शी और सरल बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। सहकारी समिति, करतला के कर्मचारियों ने बताया हमारा प्रयास है कि कोई भी किसान खाद और बीज की कमी के कारण खेती से वंचित न रहे। पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और वितरण पर सतत निगरानी रखी जा रही है। सरकारी योजना का यह प्रभाव छोटे और सीमांत किसानों में विशेष रूप से देखने को मिल रहा है, जो अब सहकारी समितियों के माध्यम से उन्नत तकनीकों और समुचित पोषण के साथ फसल उत्पादन की ओर अग्रसर हैं। इससे न केवल उनकी आमदनी बढ़ेगी, बल्कि क्षेत्र की कृषि अर्थव्यवस्था भी सशक्त होगी।

छबिलाल ने सरकार और कृषि विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा मैं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी और छत्तीसगढ़ शासन का दिल से धन्यवाद करता हूँ कि उन्होंने हम जैसे किसानों की जरूरतों को समय पर समझा और हमें यह सुविधा दी। अब हमें सिर्फ मेहनत करनी है, बाकी सरकार ने खेती को आसान बना दिया है।

राज्यपाल डेका ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद कर दिए सफलता के मंत्र

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका आज महासमुंद जिले के विकासखंड पिथौरा अंतर्गत ग्राम गोडबहल के शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल पहुंचे। यहां वे अध्यापक की भूमिका में नजर आए और कक्षा 9वीं, 10वीं, 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, समय प्रबंधन और कड़ी मेहनत का महत्व समझाते हुए जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

राज्यपाल ने बच्चों को सरल भाषा में सी.वी. रमन इफेक्ट के बारे में जानकारी दी और बताया कि शिक्षा में भाषा कभी भी बाधा नहीं होती। उन्होंने कहा कि स्कूल केवल पढ़ाई का स्थान नहीं है, बल्कि यह बौद्धिक विकास का केंद्र है। बातचीत के दौरान उन्होंने '3 इडियट्स' फिल्म का उदाहरण देते हुए विद्यार्थियों से फिल्म के सकारात्मक संदेश को अपनाने की सलाह दी। राज्यपाल श्री डेका ने विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति (हृश्वक्क) के प्रमुख बिंदुओं से भी अवगत कराया और कहा कि यह नीति विद्यार्थियों को उनकी रुचि और क्षमताओं के अनुसार सीखने के अवसर प्रदान करती है। अपने संवाद के दौरान राज्यपाल ने जानकारी दी कि टॉपर्स विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए पुरस्कार प्रदान किया जा रहा।उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

इस आत्मीय संवाद में कक्षा 12वीं की छात्रा कु. दिव्या ने राज्यपाल से अपने लक्ष्य साझा करते हुए कहा कि वह यूपीएससी परीक्षा के माध्यम से आईएएस बनना चाहती हैं। राज्यपाल श्री डेका ने उन्हें यूपीएससी की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए और धैर्य तथा कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। इसी तरह विद्या राजपूत ने भी यूपीएससी की तैयारी हेतु मार्गदर्शन प्राप्त किया, जिन्हें भी राज्यपाल ने विशेष टिप्स और हौसला प्रदान किया। संवाद के दौरान कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह मौजूद रहे।

पत्रकारों पर झूठा आरोप लगाने वाले भाजपा पार्षद दिलीप दास के खिलाफ पत्रकारों ने थाने में की शिकायत, कानूनी कार्रवाई की मांग

कोरबा अम्बिकावाणी - नगर पालिका परिषद बांकीमोंगरा के भाजपा पार्षद व पीआईसी सदस्य दिलीप दाश द्वारा पत्रकारों पर झूठा आरोप लगाने और मानसिक प्रताड़ना देने का मामला गरमा गया है। पत्रकारों ने कुसमुंडा थाना पहुंचकर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग को लेकर लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायतकताओंं में प्रमुख रूप से विकास सोनी (एनए छत्तीसगढ़ न्यूज रिपोर्टर व छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ बांकीमोंगरा इकाई उपाध्यक्ष), ओम प्रकाश पटेल (सीजी ई-खबर पोर्टल प्रमुख संपादक व सर्व पत्रकार एकता महासंघ छत्तीसगढ़ जिला सचिव), अमर भारद्वाज (डीएम इंडिया न्यूज कोरबा जिला ब्यूरो प्रमुख) सहित और अन्य पत्रकार शामिल रहे। सभी पत्रकारों ने एकजुट होकर थाना पहुंच कर दिलीप दास के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। दरअसल, ४ जुलाई २०२५ को भाजपा पार्षद दिलीप दाश ने एक लिखित शिकायत में आरोप लगाया था कि विकास सोनी(ह्व छत्तीसगढ़ न्यूज), ओम प्रकाश पटेल (ष्टत्र ई खबर)व अमर भारद्वाज (ष्टरू इण्डिया न्यूज) पत्रकारो के खिलाफ झूठी खबरें चला कर पैसे वसूलने का प्रयास कर रहे हैं। उनका आरोप था कि इन पत्रकारों ने गलत मंशा से उनके खिलाफ खबरें प्रसारित कीं। लेकिन पत्रकारों का दावा है कि उन्होंने २ जुलाई २०२५ को वार्ड क्रमांक २५, गेवरा बस्ती में हो रहे घटिया सीसी रोड निर्माण को लेकर ग्राउंड रिपोर्टिंग की थी। रिपोर्ट में सड़क निर्माण में घटिया सामग्री, मानकों की अनदेखी, सड़क की मोटाई में भारी अंतर और वाइब्रेटर मशीन के इस्तेमाल न किए जाने जैसे गंभीर मुद्दे उजागर किए गए थे।

विकास सोनी (एनए छत्तीसगढ़ न्यूज रिपोर्टर) व ओम प्रकाश पटेल (ष्टत्र ई खबर प्रमुख संपादक) ने जब जांच किया कि ठेका किसका है तो उसमें उमेश राठौर का नाम लिखा था जब यह बात सामने आई कि काम कर रहे मजदूर दिलीप दाश का नाम ले रहे हैं तो इसमें उमेश राठौर का नाम कैसे लिखा है इसकी जांच के लिए उमेश राठौर को कॉल किया गया तब पता चला कि फर्म उमेश राठौर का है मगर उस फर्म को उपयोग कर दिलीप दाश वार्ड नं. २३ में ष्टष्ट रोड का कार्य करवा रहा है। जिसका रिकार्डिंग भी उपलब्ध है। स्थानीय नागरिकों और मजदूरों के बयानों के साथ वीडियो फुटेज, फोटो और अन्य सबूत भी समाचार में प्रकाशित किए गए थे। रिपोर्ट में ठेकेदार के तौर पर दिलीप दाश का नाम सामने आया था, जो वार्ड क्रमांक २३ के पार्षद भी हैं। इस पर दिलीप दाश ने उल्टा पत्रकारों पर ही झूठा आरोप लगाया।

पत्रकारों का कहना

पत्रकारों का साफ कहना है कि उन्होंने जनता के हक में सच्चाई उजागर की है, इसके जवाब में उन पर झूठे आरोप लगाकर उनकी छवि धूमिल करने और मानसिक प्रताड़ना देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने थाना में दिए आवेदन में मांग की है कि दिलीप दास के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में कोई भी जनप्रतिनिधि सच दिखाने वाले पत्रकारों को दबाने की कोशिश न कर सके।

क्या बोले सर्व पत्रकार एकता महासंघ छत्तीसगढ़ व छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रतिनिधि स्थानीय पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि अगर प्रशासन इस मामले में त्वरित कार्रवाई नहीं करता, तो पत्रकार संगठन आंदोलन की राह अपनाएगा।

इस मामले ने बांकीमोंगरा की राजनीति और पत्रकारिता जगत में हलचल मचा दी है। अब देखना है कि पुलिस व प्रशासन इस गंभीर मामले में क्या कदम उठाते हैं।

अम्बिकावाणी
अम्बिकापुर, सोमवार 7 जुलाई, 2025

हमारे वचन चाहे कितने भी श्रेष्ठ क्यों न हों परन्तु दुनिया हमें हमारे कर्मों के द्वारा पहचानती है।
0 ब्रम्हकुमारी

संपादकीय

शाब्दिक जोड़ घटाव पर विवाद

भारत में संविधान को अत्यंत पवित्र माना जाता है, और इसकी प्रस्तावना तक में कोई शाब्दिक जोड़ घटाव पर भी विवाद हो सकता है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मानें तो संविधान की प्रस्तावना परिवर्तनशील नहीं है, लेकिन भारत में आपातकाल के दौरान इसे बदल दिया गया।

उपराष्ट्रपति ने एक पुस्तक विमोचन समारोह में इस कार्य को संविधान निमार्ताओं की बुद्धिमत्ता के साथ विश्वासघात और नासूर की संज्ञा दी। ज्ञात हो कि 1976 में कांग्रेस सरकार ने प्रस्तावना में 42वें संविधान (संशोधन) के जरिए 'समाजवादीझ, 'धर्मनिरपेक्षझ और 'अखंडताझ शब्द जोड़े थे।

उपराष्ट्रपति के अनुसार जोड़े गए शब्द उथल-पुथल पैदा कर सकते हैं। यह सनातन की भावना का अपमान है। उपराष्ट्रपति के अनुसार, भारत के अलावा किसी दूसरे देश में संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं किया गया। भारत में यह काम तब किया गया जब विपक्ष के प्रमुख नेता जेल में थे और इसका कोई औचित्य नहीं था। सबसे अहम बात जो उन्होंने की वह यह कि हमें इस पर विचार करना चाहिए। धनखड़ की यह टिप्पणी ऐसे वक्त में आई है जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नेता दत्तात्रेय होसबोले ने इसी हफ्ते संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए 'समाजवादीझ और 'धर्मनिरपेक्षझ शब्दों की समीक्षा का आह्वान किया है। आरएसएस का कहना है कि ये शब्द कभी भी अंबेडकर द्वारा तैयार संविधान का हिस्सा नहीं थे। होसबोले के बयान से राजनीतिक विवाद की स्थिति पैदा हो गई है। संघ का तर्क है कि होसबोले का मंतव्य संविधान की 'मूल भावना को बहाल करने के बारे में है। यहां सवाल उठता है कि 42वें संविधान संशोधन के लगभग 59 साल बाद इस बारे में विवाद का क्या मतलब है? संविधान की प्रस्तावना इसकी मूल भावना को कतई कमजोर नहीं कर सकती। देखा जाए तो सरकार जनता की भलाई के रास्ते पर ही तो चलती है। कोई राजनीतिक विचारधारा इन शब्दों से सहमत हो या न हो लेकिन काम तो इन्हीं सिद्धांतों के आधार पर ही करती है। वर्तमान भाजपा गठबंधन सरकार की नीति भी तो सबकी भलाई और उन्नति ही है। यह वक्त विवाद खड़ा करने नहीं अपितु संविधान पर ईमानदारी से अमल करने का है। जिन शब्दों के जोड़ने से आज तक कुछ नहीं बिगड़ा, वो हटाए जाने की सूरत में काफी कुछ बिगाड़ सकते हैं।

लोकतंत्र में संविधान किसी देश की आत्मा का दस्तावेज होता है। इसमें दर्ज एक-एक शब्द सरकार के लिए अपनी जनता के साथ व्यवहार के तौर-तरीके तय करने वाला होता है।

युद्ध की दिशा अचानक ईरान की ओर

इजरायल और फिलस्तीन के बीच युद्ध का दौर एक सदी से भी पुराना है। पिछले वर्ष भी यह जारी था। इजरायल बराबर गाजा पर हमले कर रहा था। अचानक इस युद्ध की दिशा मुड़ जाती है। इजरायल फिलस्तीन से टकराव को छोड़ कर अचानक ईरान की ओर मुड़ जाता है। फिर 13 जून को ईरान पर जबर्दस्त हवाई हमला करता है। सवाल उठता है कि यह इतना अचानक क्यों? विचारणीय बात यह है कि इजरायल क्यों इतनी खूंरेजी पर आमादा हो गया।

उसकी एयर स्ट्राइक का पहला निशाना ईरान के परमाणु क्षेत्र और परमाणु वैज्ञानिक थे। सेनाधिकारियों के अलावा ईरान के कई परमाणु वैज्ञानिक भी मारे गए। तो क्या इजरायली हमले का मकसद ईरान का परमाणु अनुसंधान रोकना है। अगर ईरान परमाणु हथियार बनाने के अनुसंधान में लगा है, तो इससे इजरायल का क्या नुकसान है?

इस सवाल का जवाब तलाश करने के लिए हम एक बार फिर लौटते हैं इजरायल-फिलस्तीन युद्ध की ओर। इस युद्ध का जनक ब्रिटेन था। उसने ही इजरायली और फिलिस्तीन के मुसलमानों के बीच जंग शुरू कराई। इजरायल में रहने वाले यहूदी मतावलंबी मुसलमानों से वैर मानते हैं। छोटा-सा इजरायल इसी कारण सारे मुस्लिम देशों से वैरभाव रखता है। ईरान भी उनमें एक है, और उसका पड़ोसी मुल्क है। अगर ईरान परमाणु शक्ति संपन्न हो जाता है तो निश्चित रूप से इजरायल के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। जाहिर है कि ऐसे में इजरायल उसे हर हाल में इस कोशिश से विफल करना चाहेगा।

इजरायल ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को क्षति पहुंचाने के लिए कई बार गुप्त हमले किए। इनमें ईरानी परमाणु कार्यक्रम के जनक मोहसिन फखरीजादेह की हत्या तक करा डाली लेकिन ईरान का परमाणु कार्यक्रम रु का नहीं। इजरायल बराबर प्रयास करता रहा। संयुक्त राष्ट्र में हिज्बुल्लाह-हमास विरोधी अभियानों का तो समर्थन किया गया था, लेकिन ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला कर उसे तबाह करने के प्रयासों पर वीटो के जरिए रोक लगा दी गई। ऐसे में इजरायल को इंतजार था सही वक्त का और वह वक्त मिला उसे अमेरिका की सत्ता पर दोबारा डोनाल्ड ट्रंप के आने पर। अमेरिका भी ईरान पर परमाणु संधि के लिए दबाव डाल रहा है। इजरायल के हमले से दोनों के लक्ष्य सधते प्रतीत हो रहे हैं।

इस संधि के लिए ही ईरान पर दबाव बनाने के लिए इजरायल ने हमला बोला है। दरअसल, यह टकराव सिर्फ ईरान और इजरायल का नहीं है। बेशक, मोर्चे पर ये दोनों देश हैं, लेकिन इनकी सरपरस्ती अलग-अलग देश कर रहे हैं। जब से ट्रंप अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति बने हैं, उनका सबसे बड़ा लक्ष्य दुनिया का सबसे बड़ा चौधरी बनने का है। रूस-यूक्रेन टकराव हो, भारत-पाक टकराव या अब ईरान-इजरायल टकराव, हर जगह चौधरी बनना चाहते हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने में उन्हें कोई सफलता नहीं मिली। कारण भी साफ है। रूस अमेरिका से कमजोर नहीं है, और रूस के राष्ट्रपति ब्लादीमिर पुतिन न तो अलग यूक्रेन को मान्यता देंगे और न ही इस बारे में ट्रंप की कोई बात मानेंगे। रही भारत-पाक टकराव के बाद सीजफायर की बात उसमें भी वह अब तक 17 बार दावे कर चुके हैं कि उनके कहने पर ही दोनों देशों के बीच सीजफायर हुआ।

इसके उलट ट्रंप को पाकिस्तान से इसलिए प्यार है कि पाकिस्तान को अड्डा बना कर ही अमेरिका ने अफगानिस्तान से रूस का वर्चस्व समाप्त कराया। अब चीन और भारत, दोनों को दबा कर ट्रंप एशिया महाद्वीप में अपनी धाक कायम रखना चाहते हैं। जहां तक इजरायल और ईरान की बात है, वहां भी चौधरी बनने के लिए ट्रंप ने साफ-साफ कहा है कि हमने जो भारत-पाकिस्तान में कराया वही ईरान-इजरायल टकराव में भी कराएंगे। इजरायली हमले का मकसद ईरान का परमाणु कार्यक्रम रोकना है, और इसे शह दी है ट्रंप ने। इजरायल के हमले में ईरान की जो क्षति हुई है, वह इस बात का ताजा सबूत है। 13 जून को इजरायल ने ईरान के खिलाफ 'ऑपरेशन राइजिंग लॉयनझ शुरू किया और इसके तहत ईरान में कई जगहों पर बड़े हमले किए। हमलों के बाद इजरायली सेना ने बयान जारी कर ईरान को अपने अस्तित्व के लिए खतरा बताते हुए कहा कि खुफिया जानकारी के अनुसार वो परमाणु हथियार हासिल करने के बेहद करीब है। ईरान छह साइटों पर परमाणु अनुसंधान कार्यक्रम चला रहा है। इन साइटों पर यूरेनियम संवर्धन का काम चल रहा है।

इसमें उसकी मदद रूस और पाकिस्तान कर रहे हैं। इतना यूरेनियम उसके पास हो गया है कि वह कम से कम नौ परमाणु बम तैयार कर सकता है। अभी तक वह इतने बम तैयार कर पाया या नहीं, इस बारे में स्थिति साफ नहीं है, हालांकि ट्रंप का दावा है कि ईरान के पास अभी परमाणु हथियार नहीं हैं। जंग के इन छह दिनों में इजरायल ने नतांज और बोशहर पर हमले किए। सिर्फ नतांज को कुछ हद तक क्षति पहुंचा सका। बाकी सभी जगह यूरेनियम संवर्धन का काम जारी है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई ने भी आंशिक क्षति की बात स्वीकार की है। बड़ा सवाल यह है कि क्या इजरायल ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोक पाएगा। इसका जवाब देने के पहले ईरान की उन छह साइटों की सुरक्षा व्यवस्था जान लेते हैं, जहां यूरेनियम संवर्धन का काम हो रहा है। ईरान ने इनकी सुरक्षा की ऐसी व्यवस्था की है कि इजरायल के लिए इसे भेद पाना मुश्किल है।

अगर उसके लिए यह संभव होता तो जाने कब इन साइटों को तबाह कर चुका होता। इन साइटों को तबाह करने की ताकत अमेरिका में है। लेकिन अगर वह सीधे जंग में कूदा तो स्थितियां और विकट हो जाएंगी। हालांकि ट्रंप कह चुके हैं कि जरूरत पड़ी तो जंग में भी शिरकत करेंगे, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि ट्रंप ऐसा करते हैं, तो यूक्रेन से युद्ध में लगे रहने के बाद भी रूस ईरान की ओर से मैदान में आ जाएगा। चीन ने जंग के बीच गुप्त रूप से ईरान को हथियार सप्लाई कर अपना रु ख पहले ही साफ कर दिया है। पाकिस्तान कितना भी कमजोर हो, लेकिन है तो ईरान के साथ ही।

हिंसक पशु भी अपने अनुशासन की सीमा में रहना जानता है

विनीत नारायण

शेर बहुत हिंसक प्राणी है यह हम सब जानते हैं। पिछले हफ्ते हम केन्या के विश्व प्रसिद्ध मसाई मारा वन्य अभ्यारण्य में खुली जीप में घूमते रहे। सबसे रोमांचक क्षण वो थे जब हमारी जीप के तीन तरफ चार-पांच बब्बर शेर और शेरनी बैठे थे। उनसे हमारी दूरी मात्र 10 फीट थी। वो हमें निहार रहे थे और हम उन्हें। वो तो बेफिक्र होकर अपने जिस्म चाट रहे थे और हमारी रूह कांप रही थी कि कहीं हमला न कर दें। हालांकि फारेस्ट गार्ड ने आस्त किया कि ऐसा कुछ नहीं होगा।

हम न सिर्फ उन्हें आधे घंटे तक एकटक निहारते रहे, बल्कि जब वो उठ कर चल दिए तो हम भी धीमी गति से उनका पीछा करते हुए चलते रहे। उन्होंने फिर भी कोई उत्तेजना नहीं दिखाई। कमाल है कि जंगल का सबसे हिंसक पशु भी अपने अनुशासन की सीमा में रहना जानता है, और अपने को सभ्य समाज मानने वाले हम कितने हिंसक हैं कि वाणी से, क्रिया से और विचारों से हमेशा अपने समाज और पर्यावरण के प्रति हिंसा करते रहते हैं। चाहे हमारे ये क्रियाएं आत्मघाती ही क्यों न हों। केन्या के उस सुनसान जंगल में बैठे-बैठे सोशल मीडिया पर समाचार मिला कि डोनाल्ड ट्रंप भी अब इजरायल और ईरान के युद्ध में कूदने का मन बना रहे हैं। उधर, यूक्रेन और रूस का युद्ध बरसों से लगातार तबाही मचा ही रहा है, और इधर अब यह नया मोर्चा तैयार हो रहा है। क्या ये विश्व युद्ध की ओर बढ़ते कदम नहीं हैं? वैसे तो मानव समाज जब से संगठित हुआ होगा तब से युद्ध उसके जीवन का अंग बने होंगे। इतिहास आज तक हुए लाखों युद्धों की गाथाओं से भरा पड़ा है। फिर भी मेरे मन में ये दार्शनिक प्रश्न आ रहा है कि इन युद्धों की शुरू आत करने वाले इतने जंगली क्यों होते हैं? क्या उन्हें नहीं दिखता कि युद्ध की विभीषिका में कितने बच्चे अनाथ हो जाते हैं, महिलाएं विधवा हो जाती हैं, बने-बनाए घर-मकान, विशाल भवन आदि सब ध्वस्त हो जाते हैं, युद्ध के गोले-बारूद से पर्यावरण जहरीला हो जाता है, अर्थव्यवस्थाएं लडखड़ा जाती हैं, विकास अवरुद्ध हो जाता है, और आम जनता तबाह हो जाती है। फिर हर युद्ध के बाद युद्ध विराम होता है, और शांति वार्ताएं होती हैं।

अगर हर युद्ध की परिणति शांति वार्ता ही होनी थी तो फिर ये सब विध्वंस क्यों किया गया? हुक्मरानों से यह सवाल पूछने वाला कोई नहीं होता। सवाल पूछना तो दूर प्रायः आम जनता तो अपनी तबाही के लिए जिम्मेदार नेता की ही मुरीद हो जाती है। युद्ध के उन्माद में उसे मसीहा मान लेती है। जैसा जर्मनी की जनता ने किया। जो हिटलर की आत्महत्या के आखिर क्षण तक यही मानती रही कि वो उन्हें हर बला से बचा लेगा। एक अहमक के फितूर ने जर्मनी को तबाह कर दिया।

प्रायः हर देश में ऐसी मानसिकता वाले लोगों की कमी नहीं है, जो शस्त्र निमार्ता लॉबी और भ्रष्ट, अहंकारी और आत्ममुग्ध, अति महत्त्वाकांक्षी अपने नेताओं के प्रोपोगैंडा के प्रभाव में आकर अपना अच्छा-बुरा देखने की क्षमता ही खो बैठती है। ट्रंप के समर्थक मतदाताओं का भी अमेरिका के चुनाव से पहले यही हाल था। मैं कभी सैन्य विज्ञान का विद्यार्थी नहीं रहा। इसलिए युद्धों के कारण की सैद्धांतिक व्याख्या करने का दुस्साहस नहीं करूंगा पर एक संवेदनशील आम नागरिक होने के नाते यह सोचने और पूछने का हक तो रखता ही हूं कि आखिर ये युद्ध किसके हित में होते हैं?

उस जनता के हित में तो बिल्कुल नहीं होते जिसके खून-पसीने की कमाई पर वसूले गए टैक्स के अरबों रु पये ऐसे युद्धों में फूंक दिए जाते हैं। सफेद हाथी की तरह बैठा सयुंक्त राष्ट्र (संघ) आज तक एक भी युद्ध नहीं रोक पाया। क्या कोई पुतिन, ट्रंप या तालिबानी नेता उसकी सुनने को तैयार है? फिर भी सयुंक्त राष्ट्र के नाम पर दुनिया में दशकों से नौटंकी चल रही है। आज इस लेख में समाधान प्रस्तुत करने वाला कोई विचार मेरे पास नहीं हैं। पर एक फिक्र जरूर खाए जा रही है कि आज दुनिया एक अजीब दौर से गुजर रही है जहां अशांति तथा असुरक्षा और पर्यावरण का विनाश तेजी से बढ़ रहा है और मानवीय संवेदनशीलता उतनी ही तेजी से घट रही है। डोनाल्ड ट्रंप को ही लें जिनके स्वागत में हमने पलक-पांवड़े बिछाए थे, वो अपने देश में घुसे अवैध भारतीयों को हथकड़ी और बेडि?यों में बांध कर वापस भेज रहे हैं जबकि दूसरे देशों के ऐसे लोगों को ससम्मान भेज जा रहा है। ट्रंप वहां रह रहे भारतीयों के वीजा खत्म करने की धमकी दे रहे हैं। इससे डर कर कितने सफल युवा अमेरिका के अपने सपने को चूर-चूर होते देख घर लौट रहे हैं। दरअसल, ये हुक्मरान आम जनता को चैन से जीने नहीं देना चाहते। उसे हमेशा डरा-दबा कर रखना चाहते हैं।

इन सबसे तो जंगल का राजा शेर कहीं ज्यादा अमन पसंद है, जो अपना पेट भरने के बाद अकारण किसी पर हमला नहीं करता। हम तो उससे कहीं ज्यादा हिंसक हो चुके हैं। फिर भी ठहर कर सही और गलत पर सोचने का समय नहीं है आज हमारे पास। आज जब सूचना क्रांति ने पूरी दुनिया के लोगों को इस तरह जोड़ दिया है कि सैकंडों में सूचनाएं दुनिया के एक कोने से दूसरे कोने तक पहुंच जाती हैं, तब क्या युद्ध और पर्यावरण के विनाश को रोकने के लिए हर देश की जागरूक जनता सोशल मीडिया पर संगठित होकर ऐसे हुक्मरानों पर दबाव नहीं बना सकती जो इस विनाश के कारण बन रहे हैं? दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में कई देशों में विरोध के स्वरों को दबाने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। पहले ऐसा केवल तानाशाह या सैन्य सरकारों में होता था पर अब कुछ देशों की लोकतांत्रिक सरकारें भी विरोध के स्वरों को दबाने में हिचकती नहीं हैं। इसके दुष्परिणाम न केवल उस देश की जनता को भोगने पड़ते हैं, बल्कि वो हुक्मरान भी जमीनी सच्चाई से कट जाते हैं, और चाटुकारों से घिर कर आत्मघाती कदम उठा लेते हैं,

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी: एक राष्ट्र, एक संविधान के महान सेनानी

कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जो अपने विचारों, संघर्षों और बलिदानों से समय की धारा को मोड? का संकल्प रखते हैं। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे ही युगपुरुष थे, जिनकी राष्ट्रभक्ति, दूरदृष्टि और दृढ़ संकल्प ने भारत की एकता-अखंडता को सुदृढ़ किया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे ही एक युगद्रष्टा थे, जिनका जीवन भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए समर्पित था। वे केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि शिक्षाविद, समाज सुधारक और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रबल प्रवक्ता थे। 6 जुलाई को उनका जन्मदिवस केवल एक स्मरण तिथि नहीं, बल्कि राष्ट्रनिष्ठा, त्याग और सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

देश की स्वतंत्रता के पश्चात जम्मू-कश्मीर को लेकर जो परिस्थितियाँ निर्मित हुईं, वे राष्ट्र की एकता के लिए चुनौती बन गईं थी। अनुच्छेद 370 और 35ए जैसे प्रावधानों ने जम्मू-कश्मीर को भारत से पृथक करने का प्रयास किया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने इस वैचारिक विभाजन का डटकर विरोध किया। उनका स्पष्ट मत था कि एक देश में दो प्रधान, दो विधान और दो निशान नहीं चल सकते। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि उनका जीवन दर्शन था। उन्होंने कहा था कि जब कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है, तो वहाँ भी भारत के समान संविधान और शासन होना चाहिए। अपने इस सिद्धांत को सत्य सिद्ध करने के लिए उन्होंने अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। उनका बलिदान व्यर्थ नहीं गया, वर्षों बाद उनका सपना साकार हुआ जब 2019 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अनुच्छेद 370 और 35ए को निरस्त किया गया। यह कदम केवल एक संवैधानिक सुधार नहीं था, बल्कि यह भारत की एकता और अखंडता को मजबूत करने का ऐतिहासिक संकल्प था। इस निर्णय के पीछे डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रवाद की विचारधारा स्पष्ट रूप से झलकती है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय राजनीति में एक स्पष्ट और सशक्त राष्ट्रीय विचारधारा प्रस्तुत की। जब पंडित जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में वैचारिक प्रतिबद्धताएँ राष्ट्रहित से टकराने लगीं, तब उन्होंने मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया। यह केवल पद का त्याग नहीं था, बल्कि राष्ट्रहित के लिए एक साहसिक और कर्त्तव्य निष्ठ कदम था। इसके बाद उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना की, जो भविष्य में भारतीय जनता पार्टी के रूप में विकसित होकर देश की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति बनी। डॉ. मुखर्जी का सबसे बड़ा संघर्ष जम्मू-कश्मीर की 'परमिट प्रणाली' के खिलाफ था। यह व्यवस्था कश्मीर में भारतीय नागरिकों की स्वतंत्र आवाजाही को सीमित करती थी, जिससे भारत के अंदरूनी हिस्सों को एक-दूसरे से जोड?ा मुश्किल हो रहा था। 1953 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर की यात्रा करने का साहस दिखाया, जिसके पश्चात उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। श्रीनगर की जेल में रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मृत्यु 23 जून 1953 को हुई। अत्यंत पीड़ादायक है कि न उन्हें समुचित चिकित्सा व्यवस्था प्रदान की गई और न ही उनकी मौत की निष्पक्ष जांच की गई। उनकी माता श्रीमती योगमाया देवी ने इसे 'मेडिकल मर्डरझ करार दिया, पर सत्ता तंत्र मौन रहा। -हेमन्त खण्डेलवाल

अम्बिकावाणी-वर्गपहेली 1365

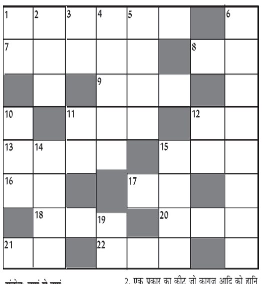

संकेत: बाएं से दाएं

1. 11 अगस्त 1908 को इस महान क्रांतिकारी फांसी दी गई (7)
7. दमन करने वाला (5)
8. अंतरिक्ष, आकाश, आसमान (2)
9. नृत्य करवाना (3)
11. पार्श्व, पहलू, पक्ष (3)
12. जल, आब, नीर, पानी (2)
13. विवाह के समय होने वाली एक रस्म, शशि कपूर-आशापारेख अभिनीत एक फिल्म (1968)(4)
15. स्वभाव, लत, व्यसन (3)
16. निर्णीत, फैसला किया हुआ, ठहराया हुआ (2)
17. तौल की एक सूक्ष्म ईकाई ता आइ रत्ती के बराबर होती है (2)
18. विलक्षण वस्तु या करतब, चमत्कार, पराकाष्ठा (3)
20. पंडवानी शैली की प्रसिद्ध लोकगायिका (सिर्फ नाम)(3)
21. करने वाला, रचने वाला, साधक (2)
22. यथेष्ट, आवश्यकता से अधिक, अत्यधिक ज्यादा (3)

ऊपर से नीचे

1. स्वयं, आप (2)
2. एक प्रकार का कीट जो कागज आदि को हानि पहुंचाता है (3)
3. जंघा, जांघ (2)
4. चक्राकर बंदूक यह कहलाती है (5)
5. बातचीत, वार्तालाप (4)
6. संत तुलसीदास की प्रसिद्ध धार्मिक कृति (8)
10. बल, शक्ति, पॉवर (3)
11. जो भाग्य में लिखा हुआ हो (2)
12. अभियोग, तर्क, दार्शनिक प्रणाली (2)
14. न्यायाधीश, जज, न्याय करने वाला (4)
15. प्रत्याशतीत, कल्पनातीत, स्वप्नातीत, अकल्पनीय (4)
19. रदपट, अधर, ओंठ, ओष्ठ (2)

वर्ग पहेली 1364 का हल

प	द	मा		चं	ब	ल	
रि	वा	ज		ग	ल	त	
व		रा		ला	वा		वा
र्त			मु			गै	र
न	ई	दु	नि	या			दा
	द	र्ज		द	ह	श	त
चौ	गा	न		गा	य		
रा	ह		बा	र			पौ

एकदा

पाकिस्तान की चाल फिर विफल

शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में भारत ने पाकिस्तान को एक बार फिर बेनकाब करते हुए भारत पर ही आरोप मढ़ने की उसकी चाल को विफल कर डाला।

आतंकवाद के खिलाफ अपने कड़े रुख पर कायम रहते हुए भारत ने पहलगाम आतंकी हमले को नजरअंदाज करने और सीमा पार से होने वाले पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के प्रति भारत कीचिंताओं को अनदेखा करने पर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया।

एससीओ रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन में रक्षा मंत्री राजनाथसिंह ने पहलगाम आतंकी हमले को वक्तव्य में शामिल करने की मांग की, जबकि पाकिस्तानी पक्ष ने बलूचिस्तान में चरमपंथी गतिविधियों पर टिप्पणी डलवाने पर जोर दिया, जो साफ-साफ भारत पर आरोप मढ? का प्रयास था।

पाकिस्तान की इस हरकत के कारण सम्मेलन संयुक्त वक्तव्य के बिना ही समाप्त हो गया। वक्तव्य के मसौदे में पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र ही नहीं था और न ही सीमा पार से होने वाले आतंकवाद पर भारत के रुख को दशार्या गया था। ये सारी चालें सम्मेलन के अत्यंत महत्त्वपूर्ण मुद्दे पर भारत के रुख को कमजोर करने के लिए चली जा रही थी, मामले को भांपते ही रक्षामंत्री ने पाक के धुर्रे उड़ा दिए।

राजनाथ ने आतंकवाद का प्रायोजक ठहराते हुए जवाबदेह ठहराने की अपील की।

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

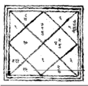

चौघड़िया

09:03 से 10:43 तक-चंचल
10:43 से 12:23 तक- लाभ
12:23 से 14.04 तक- अमृत
20:24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज आपको ऑफिस में किसी बड़े प्रोजेक्ट पर काम करने का अवसर मिलेगा, जिससे आपको बढि?ा लाभ होगा। महिलाएं आज छोटे - मोटे बिजनेस की शुरूआत कर सकती है, जिससे वो आत्मनिर्भर बनेगी।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए खास रहने वाला है। आज आप टीवी डिबेट में शामिल होंगें और अपने विरोधियों को हराने की पूरी कोशिश करेंगें। संगीत से जुड़े हुए लोगो को म्यूजिक इंडस्ट्री में परफोर्म करने का अच्छा अवसर मिलेगा, उनके सपने पूरे होंगें।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए मिला - जुला रहेगा। व्यापारिक दृष्टिकोण से आज आपको बढि?ा धन लाभ होगा, किसी पुराने क्लाइंट से आपके रिश्ते ख?ाब हो सकते है। आज आप जीवनसाथी के साथ शॉपिंग करने मार्केट जायेंगें, लेकिन आप अपने बजट का भी थोड़ा ध्यान रखें।

कर्क राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपको व्यापार में धन लाभ होगा, लेकिन खर्च की अधिकता रहेगी थोडा ध्यान रखें। आज आप घर के काम में व्यस्त रहेंगे, जिसके बाद आपको थकान हो सकती है।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आपको राजनीति में आगे बढ? के लिए किसी विशेष व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होगा। आज आपकी हेल्थ ठीक रहेगी, जिससे आज दिनचर्या से जुड़े सारे काम आप खुद करेंगें।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आपको व्यापार में बड़ा धन लाभ होगा, जिससे आप अपने बिजनेस को और बड़ा बनायेंगे। आज महिलाओं को थोडा आराम मिलेगा,

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए लाभ देने वाला होगा। रोजगार में आपको तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे, आप उनका लाभ अवश्य उठाएंगे। आज आप ऑफिस में अपने सहकर्मी के साथ गरिमापूर्ण व्यवहार करे। आज अविवाहित व्यक्तियों को एक अच्छे रिश्ते का ऑफर मिलेगा।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए मिला - जुला रहेगा। आज आप किसी स्टार्टअप को शुरू करने का मन बना सकते है, जिसमें आपको अच्छा लाभ होगा। आज आपकी किसी उलझन का समाधान होगा, दिमाग शांत रहेगा। आज आपके शारीरिक कष्टों का निवारण होगा,

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। आज आप किसी शुभ काम की शुरूआत कर सकते है, जिससे आपके घर में धन - धान्य की बढ़ोत्तरी होगी। आज आपको व्यापारिक दृष्टी से बढ़िया लाभ होगा। आज आप नए रोजगार की शुरूआत कर सकते है ,

मकर राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आप अपने दिन की शुरूआत एक नयी उर्जा के साथ करेंगें , जो पूरा दिन आपको एक्टिव रखेगी। आज आपको किसी व्यक्ति से धन लाभ होगा।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। सोने - चांदी का बिजनेस करने वालों को आज बड़ा धन लाभ होगा। आज आप किसी सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल हो सकते है , जंहा आपको मान - सम्मान की प्राप्ति होगी। आज आपकी मुलाकात किसी राजनितिक व्यक्ति से होगी ,

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। टेक्सटाइल का बिजनेस करने वालों को आज बड़ा आर्डर मिलने की संभावना बन रही है, जिससे उनके बिजनेस को बढ़िया ग्रोथ मिलेगी।

औषधीय गुणों से भरपूर

हल्दी एक जिन्जीबरेशी कुल का पौधा है। इसका उपयोग विभिन्न प्रकार की औषधियों, मसाला, रंग सामग्री, उबटन एवं विभिन्न धर्मानुष्ठानों में किया जाता है। हल्दी की उत्पत्ति स्थान भारत ही माना जाता है। भारत, विश्व में हल्दी का सबसे बड़ा उत्पादक एवं उपभोक्ता देश है।

जलवायु

हल्दी की फसल के लिये गर्म एवं तर जलवायु की आवश्यकता होती है। हल्दी की बुवाई, अंकुरण एवं जमाव के समय अपेक्षाकृत कम वर्षा एवं पौधों में वृद्धि के समय अधिक वर्षा उपयुक्त रहती है। इसकी खेती हेतु 20–25 डिग्री सेंटीग्रेड और वार्षिक वर्षा 1500 मिमी आवश्यक है।

उन्नत किस्में

प्रजाति, सुवर्णा, सुगुणा, सुदर्शना, कृष्णा, सुगंधम रोमा20.7, सुरोमा, रंगा 29.0, रश्मि 31.3

खेत की तैयारी

खेत की गहरी जुताई करके खेत की अच्छी तैयारी कर लें ताकि मिट्टी भुरभुरी हो सके जिससे गांठों का विकास अच्छा हो सके। 50 सेमी की दूरी पर मेढ़ बनायी जाती है।

बुवाई का समय

जलवायु, किस्म एवं सिंचाई की सुविधानुसार इसकी बुवाई 15 मई से 15 जून के मध्य की जा सकती है।

बीज मात्रा

बीज की मात्रा, बुवाई की विधि एवं गांठों के आकार पर निर्भर करती है। हल्दी की बुवाई हेतु 20–25 क्विंटल/ हेक्टेयर गांठों की आवश्यकता होती है।

बीजोपचार

मैंकोजेब 3 ग्राम/ लीटर या रिडोमिल 3 ग्राम/ लीटर पानी के घोल में कंदों को 30 मिनट तक डुबोकर रखें। सुखाने के बाद बुवाई के काम में लें।

बुवाई

बुवाई हेतु हल्दी की सुविकसित गांठों वाले कंदों का प्रयोग करते हैं। बुवाई मेढ़ बनाकर करते हैं। कतार से कतार की दूरी 50–60 सेंमी तथा पौधे से पौधे की दूरी 25 सेमी रखें।

खाद एवं उर्वरक

खेत की तैयारी के समय 40 टन/ हेक्टेयर गोबर की सड़ी खाद का प्रयोग करें। हल्दी हेतु 130 किग्रा, यूरिया, 313 किग्रा फास्फोरस 130 किग्रा पोटाश प्रति हैक्टेयर की आवश्यकता होती है। फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा बुवाई के समय दें। तथा नत्रजन की आधी मात्रा बुवाई के 40 दिन बाद एवं शेष आधी मात्रा 90 दिन बाद खेत में डालें। बुवाई के तुरंत बाद सूखे पत्तों से खेत में पलवार बिछा दें।

सिंचाई एवं निंदाई गुड़ाई

पहली सिंचाई बुवाई के तुरंत बाद तथा इसके बाद आवश्यकतानुसार सिंचाई की जा सकती है। खेत में आवश्यकतानुसार 40 दिन व 90 दिन पर निंदाई गुड़ाई करके पौधों पर मिट्टी चढ़ायें

खुदाई एवं उपज

हल्दी की फसल 7 से 9 महीने में जब पत्तियां पीली होकर सूखने लगें तो खोदने लायक हो जाती है। खुदाई करते समय ध्यान रखें कि प्रकंद न कटें, न छीलें और न ही भूमि में रहें। कटाई के समय खेत में नमी न हो तो हल्दी सिंचाई कर दें। प्रकंदों को निकालने के बाद ऊपर की पत्तियां आदि काट कर अलग कर देते हैं व प्रकंदों को पानी से धोकर साफ कर देते हैं। प्रकंदों की औसत उपज 200 से 300 क्विंटल/ हेक्टेयर प्राप्त हो जाती है। इसकी सूखी हल्की किस्म के अनुसार 15–30 प्रतिशत तक प्राप्त होती है।

हल्दी का प्रक्रियाकरण

हल्दी को उबालना

प्रकंद पुंज से गांठों को अलग करके उनको 1 घंटे तक पानी में उबाला जाता है। उबालते समय सोडियम बाईकार्बोनेट या सोडियम कार्बोनेट 100 ग्राम प्रति 100 लीटर पानी में उपयोग किया जाता है। उबालने के लिए गैल्बनाइज्ड तांबा या लोहे की कड़ाई या मिट्टी के पात्रों का प्रयोग किया जा सकता है।

सुखाना

उबले हुए कंदों को घास की चटाई या दरी आदि पर 5–7 सेमी मोटी परत बनाकर 10–15 दिनों तक धूप में सुखाया जाता है। किस्म के अनुसार सूखने पर हल्की 15–30 प्रतिशत रह जाती है।

हल्दी की पॉलीशिंग

सूखने के बाद प्राप्त हल्दी ज्यादा लुभावनी नहीं लगती है अतः इसके बाहरी आवरण को चमकाया जाता है। हल्दी की पांलिशिंग हेतु मानवीय विधि के तहत कंक्रीट के फर्श पर इनको रगड़ा जाता है। हल्दी की पॉलिशिंग हेतु घुमावदार ड्रम प्रयोग किये जाते हैं। इसके लिए हस्त चलित या मशीनों से चलाये जाने वाले ड्रम/ पॉलिशर भी प्रचलन में है। इन ड्रमों को घुमाने से हल्दी की गांठे आपस में घर्षण करती है जिससे पॉलिश की प्रक्रिया पूर्ण होती है।

हल्दी की रंगाई

हल्दी का अच्छा मूल्य लेने के लिए अच्छा रंग आवश्यक है, इसके लिए पॉलिशिंग के आखिरी चरण में हल्दी की सूखी गांठों में 2 किग्रा/ क्विंटल की दर से हल्दी पावडर मिलाया जाता है। तैयार हल्दी को बोरे में भरकर नमी रहित गोदाम में रख देते हैं।

बीज प्रकंदों का भण्डारण

बीज प्रकंदों का भंडारण हवादार कमरों में पत्तों से ढंककर करते हैं। बीज राइजोम को गड्ढ़ों में लकड़ी का बुरादा, रेत आदि रखकर भी भण्डारण किया जा सकता है। इन गड्ढों को लकड़ी के फंटों से ढ़क देते हैं। स्केल ग्रसित प्रकंदों को 15 मिनट तक क्विनॉलफॉस 2 मिली/ लीटर पानी तथा कवक ग्रसित राइजोम को मैंकोजैब या रिडोमिल 3 ग्राम/ लीटर पानी के घोल से उपचारित करने के बाद भण्डारण करते हैं।

गाय की प्रसव के बाद देखभाल

प्रसव क्रिया के निम्नलिखित लक्षण होते हैं

प्राथमिक लक्षण

प्रसव के 3-4 दिन पहले अयन तथा थनों पर सूजन दिखाई देती है तथा ऊपर की त्वचा गुलाबी दिखाई देती है। उसमें खीस भरा होता है जिससे अयन सख्त दिखता है। पूंछ की दोनों मांसपेशियाँ ढ़ीली पड़ जाती हैं और पुट्ठे पर गढ्ढे बन जाते हैं। गाय बेचैन रहती है तथा एकान्त में रहना पसंद करती है। उसके योनीद्वार पर सूजन दिखाई देती है तथा उससे सफेद चिपचिपा पदार्थ (म्युकस) बाहर आता दिखाई देता हैं। यह सब लक्षण दिखाई देने शुरू होते ही गाय को एक अलग बाड़े में रखें। इस बाड़े का फर्श थोड़ा खुरदरा होना चाहिये लेकिन चुभनेवाला नहीं हो। फर्श पर नर्म घांसफूंस बिछाकर गाय को ऊपर रखें। बाड़ा हवादार, प्रकाशमान लेकिन ज्यादा पानी की अलग से समुचित प्रबंध करें। बाड़े में गाय पर नजर रखने हेतु अनुभवी व्यक्ति जो प्रसव तथा उसके उपरान्त गाय की देखभाल कैसी करें इसके बारे में जानकारी रखता है उसे तैनात करें। उसे वहां 24 घण्टे रहना चाहिये। क्योंकि प्रसव कभी भी हो सकता है तब गाय की मदद हेतु कोई चाहिये। बाड़े में गर्म पानी करने हेतु बर्तन, साफ कपड़े, जन्तूनाशक दवा, कपास, साफ ब्लेड, लाल दवा (पोटेशियम परमेंगनेट), बाल्टी, मग(लोटा) सभी जरूरी समान पहले से ही तैयार रखें।

प्रसव की तृतीय अवस्था

प्रसव पीड़ा चरम सीमा तक पहुंचती है तो तभी जननद्वार से पानी जैसे द्रव से भरी थैली बाहर आनी शुरू होती है और धीरे-धीरे बाहर आती है। वह फूट जाती है और उसके भीतर का द्रव बह जाता हैं। इसके बाद बच्चे के अगले पैर के खुर दिखाई देते हैं और घुटने से नीचे उसका मुँह रखा हुआ दिखाई देता है। यह सामान्य जनन की स्थिति होती है। कभी-कभी किसी कारणवश बछड़े की गर्दन टेढ़ी हो जाती हैं। या बच्चा तिरछा या उल्टा हो जाता है यह असामान्य स्थिति कहलाती है और इन अवस्थाओं में बच्चे का जननद्वार से बाहर निकलना कठिन हो जाता है। गाय बार-बार जोर लगाती है ताकि बच्चा बाहर निकल जाये पर वैसा नहीं हो पाता इसे कष्ट प्रसव (डिस्टोकिया) कहते हैं। ऐसी स्थिति आने पर अनुभवी व्यक्ति या पशुओं के डॉक्टर को बुलाकर गाय की मदद करवायें तथा प्रसव सम्पन करवायें। इस प्रक्रिया को धीमे-धीमे तथा संयम से करें क्योंकि जननांग नाजुक होते हैं तथा उन्हें चोट नहीं लगें। अन्यथा बाद में संक्रमण तथा अन्य नुकसान हो सकता है। गाय में 3 से 4 घण्टे में प्रसव सम्पन्न हो जाता हैं तथा ब्याना पडिया और औलटों में एकाध घण्टा ज्यादा लग सकता है।

प्रसव के बाद लगभग छः घण्टों में गाय जेर बाहर डाल देती है लेकिन ज्यादा उम्र, गर्भाशय की मांसपेशियां कमजोर होना, संक्रमण कमजोरी आदि कारणों से कभी-कभी जेर ना गिरे तो गर्भाशय पर सूजन आना, सड़ना, गाय को बुखार होना, भूख कम लगना आदि समस्याएं पैदा होती हैं। अतः अनुभवी डॉक्टर को बुलाकर जेर निकलवा लें। डॉक्टर उपलब्ध न हो तो गाय को 25 ग्राम मैँगसल्फ, 200 ग्राम सौंठचूर्ण को गुनगुने पानी में मिलाकर पिलायें। जरूरत पड़ने पर ऑक्सीजन संप्रेरक का इंजेक्शन भी दिया जा सकता है। जेर गिरने पर उसे दूर जमीन में दफन करें।

सामान्य देखभाल एवं पोषण प्रबंधन

गाय को ठंड है तो ठंड से बचाएं। नजदीक ताप का प्रबंध करें। उसके जननद्वार तथा आसपास का हिस्सा गुनगुने पानी में लाल दवा के कुछ कण या अन्य जंतुनाशक दवा डालकर उस द्रव से अच्छी तरह धोयें। इसके बाद उसे गुनगुने पानी में कुछ गुड़, थोड़ा नमक काला नमक डालकर पिलायें इसके कुछ देर बाद दो किलो मोटा दलिया/सूजी को साफ तसले में अच्छी तरह पकाकर उसमें 2 किलो गुड़ मिलाकर तथा थोड़ा सा नमक डालकर खिलायें। प्रसव क्रिया के दौरान गाय के शरीर में कमजोरी आ जाती हैं और उपरोक्त उपचार से उसे ऊर्जा मिलती है जिससे उसे चुस्ती फुर्ति मिलती हैं। उसे 50 ग्राम नमक तथा 50 ग्राम हड्डी का चूर्ण प्रतिदिन खिलायें। हरा चारा प्रचुर मात्रा में खिलायें। ज्यादा दूध उत्पादक गाय को विटामिन 'डी' दें। अगर गाय का स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो अनुभवी पशुओं के डॉक्टर द्वारा उसकी जांच करवा कर दवा का इंतजाम करें। ध्यान रहे, दुधारू गाय के दूध उत्पादन पर डेयरी की आर्थिक मदार होती है अतः उसकी समुचित देखभाल एवं प्रबंध करें।

प्रसव क्रिया की द्वितीय अवस्था

गाय को प्रसव पीड़ा शुरू होती हैं जो कम ज्यादा होती रहती है। जब वह बढ़ती है तो गाय बेचैन हो उठती है और बारबार बैठती है। जब पीड़ा बहुत बढ़ती है तो लेट जाती है। पीड़ा कम होने पर उठती है। उसके श्वसन की तथा नाड़ी की गति बढ़ जाती हैं। यह बहुत कठनाई भरे पल होते हैं जिनपर बारीक नजर रखनी पडती है।

छत्तीसगढ़ प्रांतीय अखंड ब्राह्मण की प्रदेश अध्यक्ष बनी भारती किरण शर्मा, संरक्षक विजय लक्ष्मी

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रांतीय अखंड ब्राह्मण समाज छत्तीसगढ़ संगठन के द्वारा प्रदेश कार्यालय डंगनिया में प्रदेशस्तर पदाधिकारियों का निर्वाचन/ मनोनयन हेतु कोर कमेटी की बैठक आयोजित की गयी। जिसमें वर्ष भर के आय व्यय व प्रदेश पदाधिकारी के निर्वाचन/मनोनयन मुख्य एजेंडा के रुप में रखे गये। जिसमें सभी कोर कमेटी के सदस्य की उपस्थिति रही। आय व्यय लेखा प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात निर्वाचन प्रक्रिया का पालन करते हुए पीठासीन अधिकारी नियुक्त किया गया। निर्वाचन के सभी नियमों से अवगत कराया गया। नाम निर्देशन पत्र आमंत्रित किए गए। सभी पदों हेतु एक-एक अभ्यर्थी के नामपर कोर सदस्यों की सर्वसम्मति बनी ।जिससे निर्विरोध निर्वाचन/मनोनयन पद संरचना आधार पर किया गया।

हिमालय की पहाड़ी पर ट्रैकिंग कराने वाली नामी कंपनी इंडिया हाइक से अनुबंध हुआ

देश का पहला ट्रैकिंग ट्रैक और ईको टूरिज्म डेस्टिनेशन एरिया बना

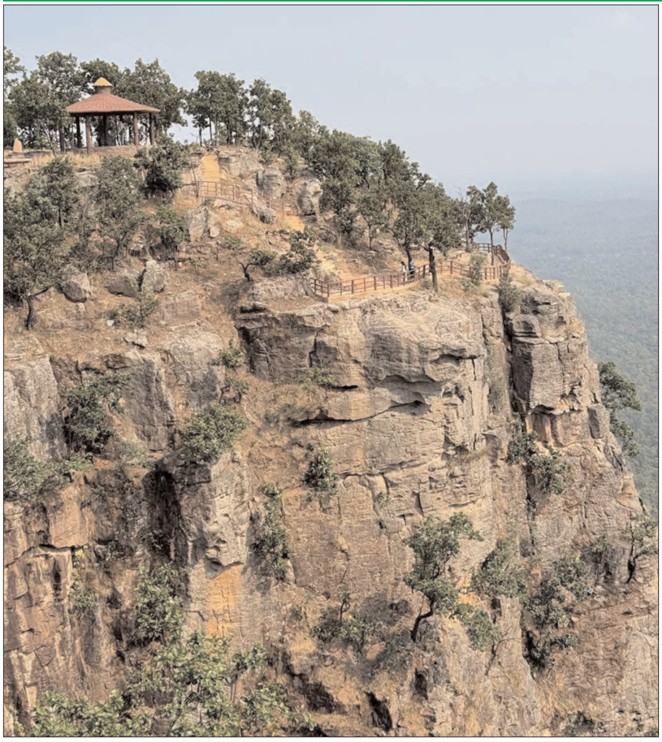

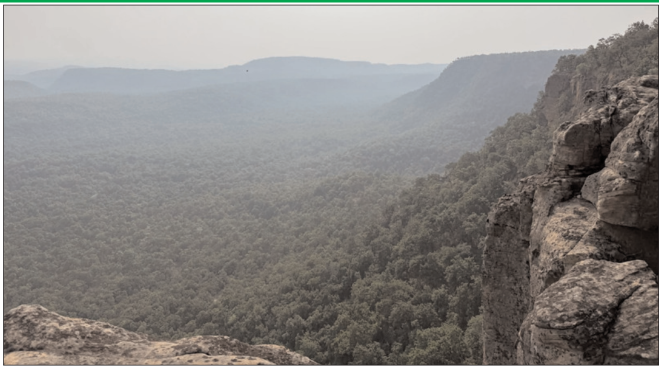

कोरिया बैकुंठपुर। गुरु घासीदास तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व को भारत का पहला ईको टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में डेवलप करने कदम बढ़ाया गया है। टाइगर रिजर्व में पहला व इकलौता ट्रैकिंग ट्रैक बन गया है। हिमालय की पहाड़ी पर ट्रैकिंग कराने वाली नामी कंपनी इंडिया हाइक से अनुबंध होने के बाद पिछले पांच साल से अक्टूबर से जनवरी तक ट्रैकिंग टीम पहुंचती है। जिसमें ४-५ इंटरनेशनल व विदेश ट्रैकर लुत्फ उठा चुके हैं। नेशनल ट्रैकिंग टीम चार दिन तक ट्रैकिंग करती है। ट्रैकिंग टीम रोजाना १० किलोमीटर के रास्ते से सफर तय करती है। ट्रैकिंग की खास बात यह है कि कुछ ट्रैकर फैमिली लेकर पहुंचे हैं। ट्रैकिंग का मुख्य उद्देश्य है कि आजकल आईटी-बैंकिंग सहित शहरों की भागदौड़ भरी जिंदगी में नेचर, वाइल्डलाइफ व ट्राइबल लाइफ स्टाइल से रुबरु कराना है। ट्रैकर अपनी फैमिली के साथ बच्चे लेकर पहुंचतें हैं और नेचर को करीब से देख व समझते हैं। जिससे बच्चों के मन मस्तिष्क में नेचर, इंवायरमेंट, वाइल्ड लाइफ के साथ रोमांचक ट्रैकिंग और रुचि पैदा होगी। जो बड़े होकर प्रकृति को बचाने, संरक्षित करने को लेकर बेहतर काम कर पाएंगे।

भित्तिचित्रः घनघोर जंगल में ४००० साल पुराने १८ प्वाइंट चिह्नित, पर्यटन स्थल बनाने की तैयारी

-बडगांवखुर्द से ४ किलोमीटर दूर भित्तिचित्र वाले स्थल का नाम रखा गया है लिखामाड़ा।

बैकुंठपुर। गुरु घासीदास तमोर पिंगला के भीतर घनघोर जंगल के बीच वर्षों पुरानी भित्तिचित्र मिले हैं। जिसको १८ प्वाइंट चिह्नित कर बुक प्रकाशन कराया है और हर जगह को पर्यटन के रूप में संवारने की तैयारी है। टाइगर रिजर्व जैव विविधता से भरपूर है और घनघोर जंगल के बीच ३-४ हजार पुराने भित्तिचित्र मिले हैं। हालांकि, घने जंगल और रास्ता नहीं होने के कारण भित्तिचित्र स्थल पर पहुंच पाना नामुमकिन है। भित्तिचित्र के १८ प्वाइंट चिह्नित कर फोटोग्राफी कराई है। साथ ही बुक प्रकाशन में हर जानकारी देने की कोशिश की गई है। घनघोर जंगल के बीच बडगांवखुर्द गांव बसा हुआ है। गांव के आसपास ३-४ किलोमीटर की परिधि में पहाड़ों पर बड़ी संख्या में भित्तिचित्र मिले हैं। ग्रामीण भित्तिचित्र वाले स्थल को लिखामाड़ा के नाम से जानते हैं। घनघोर जंगल के बीच बसे ग्रामीण कई पीढ़ी से निवासरत हैं। लेकिन भित्तिचित्र कितने साल पहले बने थे, इसकी बुजुर्गों को कोई जानकारी नहीं है। हालांकि, कुछ बुजुर्ग भित्तिचित्र को आदिम काल के बने होने की बात कहते हैं। पुरातत्व एक्सपर्ट के अनुसार भित्तिचित्र ३-४ हजार साल पुराने हैं। घनघोर जंगल के बीच पहाड़ी चट्टानों पर सदियों पहले भित्तिचित्र बनाए गए हैं। जंगल में चूने का काफी भण्डार है। ऐसा अनुमान है कि चूने और जंगली जानवरों के खून को मिलाकर भित्तिचित्र बनाए गए हैं। जो पुरातत्व की जांच में चित्रकारी की स्थिति स्पष्ट होगी।

टाइगर रिजर्व में आने वाले समय में कई बदलाव होंगे और सुविधाएं भी बढ़ेगी। हाल ही में बाघ के दो शावकों के जन्म की जानकारी मिली है। जिससे जगह-जगह ट्रैप कैमरे लगाए गए हैं। मैदानी अमला लगातार निगरानी में तैनात है। क्योंकि शावकों की संख्या बढ़ भी सकती है। वर्तमान में बालमगढ़ी पहाड़ पर बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं।

सौरभ सिंह ठाकुर, संचालक
गुरु घासीदास तमोर पिंगला
टाइगर रिजर्व कोरिया

बारिश से गिरी घर की दीवार, बाल-बाल बचा परिवार

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। रविवार को दिन भर हुई तेज बारिश के चलते मनेंद्रगढ़ नपा क्षेत्रांतर्गत वार्ड क्र. 15 में एक मकान की दीवार ढह गई। दीवार गिरते ही घर में अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। दीवार के धराशायी होने से किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन घर में रखा सामान बर्बाद हो गया।

रविवार को अलसुबह से जारी मूसलाधार बारिश से क्षेत्र के नदी-नाले जहां उफान पर आ गए वहीं जन-जीवन पूरी तरह ठहर गया। इस बीच जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ के वार्ड क्रमांक 15 में शेषमन सेन के घर की दीवार भरभरा कर गिर गई। राहत वाली बात यह रही कि घर के लोग दीवार की चपेट में आने से बाल-बाल बच गए, लेकिन दीवार गिरने से कमरे के भीतर रखा सारा सामान बर्बाद हो गया। बरसते पानी में परिवार के सदस्य मेहनत से बनाए गए गृहस्थी के सारे सामानों को सहेजते नजर आए। शेषमन ने सरकार से मदद की गुहार लगाई है।

चरणदास महंत की अगुवाई में पुनर्जीवित हो सकती है छत्तीसगढ़ कांग्रेसः एक वरिष्ठ कार्यकर्ता के विचार

कोरिया बैकुंठपुर। छत्तीसगढ़ की राजनीति में कांग्रेस पार्टी एक समय में अपराजेय ताकत मानी जाती थी। लेकिन हाल के वर्षों में पार्टी की स्थिति कुछ हद तक डगमगाई है। २०२३ के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की करारी हार ने यह स्पष्ट कर दिया कि अब पार्टी को संगठनात्मक मजबूती, जनविश्वास और नेतृत्व क्षमता की पुनर्परिभाषा की आवश्यकता है। ऐसे समय में कांग्रेस के पुनर्जीवन के लिए एक सशक्त, अनुभवी और जनप्रिय नेतृत्व की जरूरत महसूस की जा रही है। इस संदर्भ में छत्तीसगढ़

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत को पार्टी की बागडोर सौंपना एक निर्णायक और सकारात्मक कदम साबित हो सकता है।

डॉ. चरणदास महंत का राजनैतिक कद

डॉ. चरणदास महंत छत्तीसगढ़ के एक ऐसे नेता हैं जिन्होंने अपनी सादगी, मेहनत, और जनसेवा के जरिए प्रदेश की राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई है। वे केवल एक राजनेता ही नहीं, बल्कि एक जननेता हैं, जो आम जनता की पीड़ा को समझते हैं और धरातल पर उतरकर उनके लिए संघर्ष करते हैं। कई बार सांसद, विधायक और मंत्री रह चुके डॉ. महंत की सबसे बड़ी ताकत है उनकी स्वीकार्यता – वे प्रदेश के सभी वर्गों, जातियों और क्षेत्रों में समान रूप से लोकप्रिय हैं। डॉ. महंत ने बतौर लोकसभा सांसद केंद्र में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं, और छत्तीसगढ़ में विधानसभा अध्यक्ष जैसे गरिमामयी पद को भी उन्होंने सफलता से संभाला है। वर्तमान में वे विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में एक सक्रिय और मजबूत भूमिका निभा रहे हैं। विपक्ष में रहते हुए भी उन्होंने किसानों, आदिवासियों, कर्मचारियों और युवाओं के हक की आवाज को मजबूती से उठाया है।

जयंती पर याद किए गए डॉ. श्यामा प्रसाद

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर भाजपा जिला कार्यालय अटल कुंज एमसीबी में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि एवं दीप-धूप प्रज्वलित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्य रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष चंपा देवी पावले, नगर पालिका उपाध्यक्ष धर्मेंद्र पटवा, राहुल सिंह, रमेश यादव, अंकित शर्मा, कोमल पटेल, जलील शाह के साथ ही भाजपा के अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित

रहे। जयंती पर डॉ. मुखर्जी के व्यक्तित्व एवं उनके राष्ट्रवादी विचारों को याद करते हुए धर्मेंद्र पटवा ने कहा कि एक देश, एक विधान, एक निशान की भावना के लिए डॉ. श्यामा प्रसाद ने अपना बलिदान दिया। उनका जीवन आज भी युवाओं को प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन राष्ट्र के लिए समर्पित था। उनकी सोच, दूरदृष्टि और बलिदान आज भी हमारे मार्गदर्शक हैं। भाजपा कार्यकताओं ने संकल्प लिया कि वे उनके बताए हुए रास्ते पर चलकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखेंगे।

नेशनल हाईवे पर अब आधा लगेगा टोल टैक्स, सरकार ने 50प्रतिशत तक की कटौती, जानिए नया नियम

नई दिल्ली ,06 जुलाई। सरकार ने टोल टैक्स के नियमो में बदलाव किया है। जिसके तहत सरकार ने कुछ खास हाइवेज पर टोल टैक्स में 50 प्रतिशत से ज्यादा की कटौती कर दी है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने टोल टैक्स के नए नियमों को लेकर अधिसूचना जारी कर दी है, जिसके चलते अब लंबी दूरी तय करने वाले वाहन चालकों को कम टोल देने होगा। नए नियमों के तहत टोल टैक्स की गणना अब दो अलग-अलग तरीके से की जाएगी। ह्र्र्र्र्र्र्र्र्रद्ध के आदेश के मुताबिक, नए नियम के अनुसार, अगर हाईवेज में पुल, सुरंग, फ्लाईओवर या एलिवेटेड रोड होंगे तो टोल की गणना दो तरीके से की जाएगी। पहला, संरचना की लंबाई को 10 गुना करके अन्य सड़क की लंबाई में जोड़ा जाएगा।

शुभमन गिल की शतकीय पारी की बदौलत जीत की दहलीज पर भारत

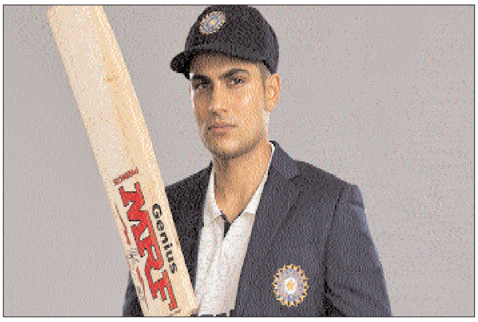

0-इंग्लैंड ने 608 रनों का पीछा करते हुए गंवाए 3 विकेट

बर्मिंघम,06 जुलाई। भारतीय क्रिकेट टीम ने बर्मिंघम के एजबेस्टन में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन इंग्लैंड क्रिकेट टीम पर शिकंजा कस लिया है. भारत से जीत के लिए मिले 608 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान टीम चौथे दिन के अंत तक 16 ओवर में 3 विकेट खोकर 72 रन बना चुकी है. अब पांचवें दिन जीत के लिए भारत को 7 विकेट की जरूरत होगी जबकि इंग्लैंड को 536 रन बनाने होंगे.

इससे पहले आज चौथे दिन की शुरूआत भारत ने दूसरी पारी में 64/1 से की थी. भारत ने कप्तान शुभमन गिल की 161 रनों की धमाकेदार पारी की बदौलत 427 रन बनाए. गिल ने 162 बॉल में 13 चौके और 2 छक्के के साथ 161 रनों की पारी खेली. भारत के लिए केएल राहुल ने 55, ऋषभ पंत ने 65 और रविंद्र जडेजा ने 69 रनों की पारी खेली.

भारत ने पहली पारी में 587 रन बनाए थे. इंग्लैंड की पहली पारी 407 रनों पर ढेर हो गई. इंग्लैंड के लिए पहली पारी में हैरी ब्रुक 158, जेमी स्मिथ ने 184 रनों की नाबाद पारी खेली. भारत ने पहली पारी के आधार पर 180 रनों की बढ़त हासिल की थी. भारत ने दूसरी पारी में 427 रन बनाए और इंग्लैंड को जीत के लिए 608 रनों का लक्ष्य दिया है.

इंग्लैंड दूसरी पारी में बेन डकेट और जैक क्रॉली ने पारी की शुरूआत की थी. क्रॉली 0 के स्कोर पर मोहम्मद सिराज का शिकार बने. इसके बाद डकेट 25 रनों के स्कोर पर आकाशदीप की गेंद पर बोल्ड हो गए. इसके बाद आकाशदीप ने जो रूट को भी 6 रनों के स्कोर पर पवेलियन भेज दिया. ओली पोप (24) और हैरी ब्रूक (15) रन बनाकर नाबाद क्रीज पर बने हुए हैं.

भारत के लिए पहली पारी में कप्तान शुभमन गिल के 269 रन सबसे अहम थे. इसके अलावा रविंद्र जडेजा के 87 और जायसवाल के भी 87 रन महत्वपूर्ण थे. इसके बाद भारत के दो तेज गेंदबाजों ने अपना जलवा दिखाया और पहली पारी में मेजबान टीम के पूरे दस विकेट निकाल लिए. मोहम्मद सिराज ने 6 और आकाश दीप ने 4 विकेट झटके. इस दूसरे टेस्ट के चौथे दिन शुभमन गिल ने एक और रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया. उन्होंने एजबेस्टन टेस्ट की दूसरी पारी में भी शानदार शतक बनाया. गिल किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा टेस्ट मैच में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में सुनील गावस्कर को पीछे छोड़ दिया. गिल ने आज अपने टेस्ट करियर का सातवां शतक लगाया. एजबेस्टन में पहली पारी में दोहरा शतक लगाने के बाद, दूसरी पारी में भी उनके बल्ले से शतक निकला। इसके साथ ही गिल ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए.

नीरज चोपड़ा ने जीता गोल्ड मेडल, बने क्लासिक 2025 के ओपनिंग सीजन के चैंपियन

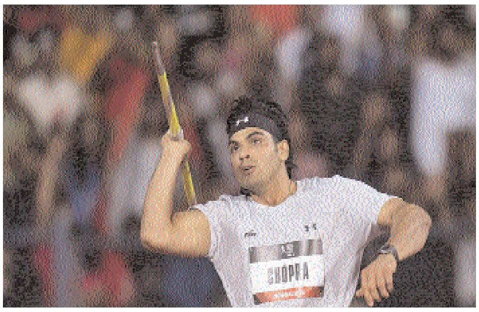

बेंगलुरु,06 जुलाई। भारत के गोल्डन बॉय और डबल ओलंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने कमाल कर दिया है. उन्होंने भारत में पहली बार आयोजित हुई भाला फेंक प्रतियोगिता को अपने नाम कर लिया है. नीरज ने गोल्ड मेडल पर अपना कब्जा कर दुनिया भर में एक बार फिर अपने नाम का डंका बजा दिया है. भारत में आयोजित हुए नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 टूनार्मेंट को नीरज चोपड़ा ने जीत लिया है.

नीरज ने 86.18 मीटर का थ्रो कर गोल्ड मेडल अपने नाम किया है. इस टूनार्मेंट में केन्या के जूलियस येगो दूसरे स्थान पर रहे. उन्होंने 84.51 मीटर के साथ सिल्वर मेडल अपने नाम किया. श्रीलंका के रुमेश पथिराज तीसरे स्थान पर रहे और 84.34 मीटर के थ्रो के साथ बॉन्ज मेडल अपने नाम किया.

मैदान में मौजूद 14,593 लोगों ने जोरदार नारे लगाकर नीरज चोपड़ा का स्वागत किया. नीरज ने टूनार्मेंट की शुरूआत फाउल के साथ और 82.99 मीटर के दूसरे प्रयास के साथ बढ़त बना ली. इसके बाद उन्होंने अपनी शानदार शुरूआत जारी रखी.

टोक्यो ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले और 2024 में पेरिस में रजत पदक जीतने वाले भारतीय मेगा स्टार ने फिर 86.18 मीटर के अपने तीसरे थ्रो के साथ रात का सबसे बड़ा थ्रो दर्ज किया. नीरज ने चौथे प्रयास में फाउल किया और पांचवें प्रयास में 84.07 मीटर का थ्रो किया. इससे पहले उन्होंने 82.22 मीटर के साथ इवेंट का समापन किया.

नीरज चोपड़ा ने जीत हासिल करने के बाद कहा, आज रात आने के लिए बेंगलुरु का शुक्रिया। आज हमारे लिए हवा का रुख विपरीत था, इसलिए अंक इतने बड़े नहीं थे। लेकिन यह मेरे लिए एक अलग अनुभव था, मुझे प्रतिस्पर्धा के अलावा कई अलग-अलग चीजें करनी थीं। हम और इवेंट जोड ? की कोशिश करेंगे। मैं आज रात बहुत खुश हूं, मेरा परिवार भी यहां है। थोड़ा नर्वस था, परिणाम से बहुत खुश नहीं था, लेकिन खुश था। बहुत-बहुत धन्यवाद. बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में शुरू हुई इस भाला फेंक प्रतियोगिता को जीतकर नीरज ने इतिहास रच दिया है. ये टूनार्मेंट नीरज चोपड़ा और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई थी, जिसको भारतीय एथलेटिक्स महासंघ द्वारा स्वीकृत मिली थी.

आमिर खान की साउथ सिनेमा में धमाकेदार एंट्री, फर्स्ट लुक से मची सनसनी, रजनीकांत की फिल्म कूली में उड़ाएंगे गर्दा

सितारे जमीन पर के बाद, आमिर खान रजनीकांत की मोस्ट अवेटेड फिल्म कूली में कैमियो करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. बॉलीवुड सुपरस्टार अपनी तमिल डेब्यू फिल्म में दाहा का किरदार निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. मेकर्स ने फिल्म से उनका पहला लुक रिलीज कर दिया है और इंटरनेट पर लोग इसे देखकर हैरान रह गए.

आमिर खान का ब्लैक बनियान पहने, स्टाइलिश स्वैग से सिगार पीते हुए, धांसू लुक इंटरनेट पर छाया हुआ है. यह किरदार उनके हाल के वर्षों में उनके द्वारा निभाई गई भूमिकाओं से बिल्कुल अलग लुक है. एक्स पर पोस्ट की गई एक मोनोक्रोम तस्वीर में उनका साइड प्रोफाइल लुक जिसमें वे चश्मा पहने हुए हैं, शेयर किया गया है. इसके साथ मेकर्स ने कैप्शन लिखा, कूली की दुनिया से आमिर खान को दाहा के रूप में पेश करते हुए कूली 14 अगस्त से दुनिया भर के आईमैक्स स्क्रीन पर छाने के लिए तैयार है.

कूली से सामने आए आमिर के इस लुक ने इंटरनेट पर सनसनी मचा दी है. दर्शकों को आमिर का यह लुक खूब पसंद आ रहा है. एक यूजर ने कमेंट किया, आमिर का यह मास अवतार वाकई कमाल का है. एक ने लिखा, क्या स्वैग है. एक ने कमेंट किया, क्या एटीट्यूड और स्वैग है, दाहा के लिए एकदम परफेक्ट. एक ने कमेंट किया, यह फिल्म एकदम ब्लॉकबस्टर होने वाली है.

हाल ही में आमिर ने रजनीकांत में अपने होने की पुष्टी की थी, उन्होंने बताया था कि वह इस फिल्म को करने के लिए इसलिए माने क्योंकि वे रजनीकांत के बहुत बड़े फैन हैं. कूली में उनके कैमियो के बारे में एक फैन के सवाल का जवाब देते हुए आमिर खान ने कहा, मुझे यह करने में बहुत मजा आया. मैं रजनी सर का बहुत बड़ा फैन हूं. मेरे मन में रजनी सर के लिए बहुत प्यार और सम्मान है. इसलिए, मैंने स्क्रिप्ट भी नहीं सुनी. जब लोकेश ने मुझे बताया कि यह रजनी सर की फिल्म है और वह चाहते हैं कि मैं इसमें कैमियो करूं, तो मैंने कहा, ठीक है, मैं इसे कर रहा हूं, जो भी हो, मैं इसे कर रहा हूं.

इस बीच आमिर खान लाल सिंह चड्ढा के तीन साल बाद सितारे जमीन पर के साथ फिल्मों में लौटे, इस फिल्म में उनके साथ जेनेलिया देशमुख और 10 ऐसे एक्टर्स हैं जिन्होंने पहली बार बड़ी स्क्रीन पर परफॉर्मेंस दी.

कूली एक तमिल भाषा की एक्शन थ्रिलर फिल्म है जिसे लोकेश कनगराज ने निर्देशित और सन पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है. रजनीकांत फिल्म में लीड रोल में हैं, उनके साथ सौबिन शाहिर, नागार्जुन, श्रुति हासन, सत्यराज और उपेंद्र अहम रोल में हैं. कूली को 2025 में दुनिया भर में वर्ल्डवाइल्ड और आईमैक्स में रिलीज किया जाएगा.

छोटी खबरें

वैभव सूर्यवंशी ने 143 रनों की ऐतिहासिक पारी खेल तोड़े कई रिकॉर्ड

0-बाबर आजम को पीछे छोड़ रचा नया कीर्तिमान

नई दिल्ली,06 जुलाई। भारत के 14 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने पहले आईपीएल 2025 में धमाल मचाया और अब वो इंग्लैंड में इंग्लिश गेंदबाजों के पसीने छुड़ा रहे हैं. वैभव ने इंग्लैंड अंडर -19 के खिलाफ भारत अंडर -19 की ओर से खेलते हुए विस्फोटक अंदाज में बल्लेबाजी कर शतक लगाया है. इस शतकीय पारी के साथ ही वैभव सूर्यवंशी ने कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं. उन्होंने 4 स्टार खिलाडि ?ों को भी पीछे छोड़ दिया है. दरअसल, भारत और इंग्लैंड की अंडर-19 टीमों के बीच शनिवार को वॉर्सेस्टर में पांच यूथ वनडे मैचों की सीरीज का चौथा मैच खेला गया. इस मैच में वैभव सूर्यवंशी ने 78 बॉल का सामना करते हुए 13 चौके और 10 छक्कों की मदद से 143 रनों की आतिशी पारी खेली. इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 183.33 का रहा. उन्होंने अपनी इस पारी के साथ ही रिकॉर्ड बुक में अपना नाम भी दर्ज करा दिया है. वैभव ने सिर्फ 52 गेंदों पर शतक लगाया. इसके साथ ही उन्होंने पाकिस्तान के कामरान गुलाम को पीछे छोड़ दिया है, जिनके नाम यूथ वनडे में 53 गेंदों पर शतक लगाने का रिकॉर्ड था. इसके साथ ही वैभव यूथ वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाले दुनिया के और भारत के नंबर 1 खिलाड़ी बन गए हैं. वैभव ने सरफराज खान को पीछे छोड़ दिया है, जो उनसे पहले भारत के लिए यूथ मैच में सबसे तेज शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी का रिकॉर्ड अपने नाम रखते थे. सरफराज ने 2013 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 15 साल 338 दिन की उम्र में शतक बनाया था, जबकि वैभव अभी 14 वर्ष 100 दिन हैं. वैभव ने बांग्लादेश के नजमुल हसन शांतो, पाकिस्तान के बाबर आजम और हसन राजा को भी इस मामले में पछाड़ दिया है. नजमुल हसन शांतो ने 14 साल 241 दिन, बाबर आजम ने 15 साल 48 दिन और हसन राजा ने 15 साल 267 दिन की उम्र में यूथ मैच में शतक लगाया था. वैभव सूर्यवंशी यूथ वनडे मैच की एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले नंबर 1 भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं. उन्होने एक पारी में 10 छक्के लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. उनसे पहले ये रिकॉर्ड भारतीय बल्लेबाज मनदीप सिंह के नाम था जिन्होंने यूथ वनडे मैच की एक पारी में सबसे ज्यादा 8 छक्के लगाए थे. इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए वैभव सूर्यवंशी की शतकीय पारी 50 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 363 रन बनाए. इंग्लैंड की टीम 43.3 ओवर में लक्ष्य का पीछा करते हुए 308 रनों पर ढेर हो गई और 55 रनों से मैच हार गई.

विक्रांत मैसी की फिल्म आंखों की गुस्ताखियां का गाना अलविदा जारी, विशाल मिश्रा ने लगाए सुर

काफी समय से विक्रांत मैसी फिल्म आंखों की गुस्ताखियां को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। उनकी इस फिल्म की राह दर्शक बड़ी बेसब्री से देख रहे हैं। इस फिल्म को लेकर दर्शक इसलिए भी उत्साहित हैं, क्योंकि ये संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर की पहली फिल्म है। इसके जरिए वह बॉलीवुड में कदम रख रही हैं। अब निमार्ताओं ने आंखों की गुस्ताखियां का नया गाना अलविदा जारी कर दिया है, जिसे विशाल मिश्रा ने अपनी आवाज दी है।

अलविदा गाने में विकांत और शनाया की खूबसूरत केमिस्ट्री दिख रही है। इस गाने के बोल भी विशाल मिश्रा ने ही लिखे हैं। आंखों की गुस्ताखियां भारत के मशहूर लेखक रस्किन बॉन्ड की लोकप्रिय लघु कहानी, द आइज हैव इट पर आधारित है। इस फिल्म के निर्देशन की कमान संतोष सिंह ने संभाली है, वहीं मानसी बागला और वरुण बागला फिल्म के निमार्ता हैं। आंखों की गुस्ताखियां को 11 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जएगा।

---------------------------- फिल्म/व्यापार----------------------------

भारतीय अर्थव्यवस्था की सुपरफास्ट रफ्तार, रिकॉर्डतोड़ निर्यात और 6.5प्रतिशत जीडीपी ग्रोथ के साथ दुनिया में सबसे आगे

नई दिल्ली ,06 जुलाई। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही है, और दुनिया में सबसे तेजी से प्रगति करने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी जगह बना चुकी है। वित्त वर्ष 2024-25 में 6.5त्न की शानदार जीडीपी बढ़ोतरी , रिकॉर्ड तोड़ निर्यात और नियंत्रण में आई मुद्रास्फीति ने भारत की आर्थिक कहानी को और भी मजबूत किया है।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा के अनुसार, इस वैश्विक परिवेश में, भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक प्रगति का एक प्रमुख चालक बनी हुई है। मजबूत घरेलू विकास कारकों, बेहतर मैक्रोइकोनॉमिक मूलतत्त्व और सूझबूझ भरी नीतियों के चलते विकास की गति में उछाल आ रहा है।

विकास की मजबूत रफ्तार

वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की वास्तविक जीडीपी 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जो दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सर्वाधिक है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को उम्मीद है कि विकास की यह गति 2025-26 में भी जारी रहेगी। यह प्रभावशाली प्रदर्शन मजबूत घरेलू मांग, बढ़ते निजी निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर में उच्च सार्वजनिक निवेश के कारण संभव हुआ है। पिछले एक दशक में भारत की अर्थव्यवस्था का आकार लगभग तीन गुना हो गया है, जो 2014-15 में 106.57 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2024-25 में 331.03 लाख करोड़ रुपये होने की उम्मीद है।

महंगाई पर बड़ी राहत

अर्थव्यवस्था के लिए एक और बड़ी सकारात्मक खबर मुद्रास्फीति के मोर्चे पर है। मई 2025 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति दर घटकर 2.82त्न पर आ गई, जो फरवरी 2019 के बाद का सबसे निचला स्तर है। इससे भी बड़ी राहत खाद्य वस्तुओं की कीमतों में देखने को मिली, जहां उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक (सीएफपीआई) मात्र 0.99त्न दर्ज किया गया , जो अक्टूबर 2021 के बाद की सबसे कम खाद्य मुद्रास्फीति है। विदेशी मोर्चे पर भी शानदार प्रदर्शन

भारत का बाहरी क्षेत्र अर्थव्यवस्था को एक मजबूत सहारा दे रहा है।

रिकॉर्ड निर्यातः 2024-25 में भारत का कुल निर्यात 824.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर के नए शिखर पर पहुंच गया। यह एक दशक पहले 2013-14 के 466.22 बिलियन अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 77त्न की वृद्धि दशार्ता है।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (स्नष्ठद्ब): भारत वैश्विक निवेशकों के लिए एक शीर्ष विकल्प बना हुआ है। वित्त वर्ष 2024-25 में एफडीआई प्रवाह 14 प्रतिशत बढ़कर 81.04 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। यह 2013-14 में मिले 36.05 बिलियन अमेरिकी डॉलर के दोगुने से भी अधिक है।

विदेशी मुद्रा भंडारः भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 20 जून, 2025 तक 697.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर के विशाल स्तर पर था। यह 11 महीने से अधिक के आयात के लिए पर्याप्त है, जो वैश्विक झटकों के खिलाफ एक सुरक्षा कवच प्रदान करता है।

बाजार में बढ़ता भरोसा

भारतीय पूंजी बाजार में निवेशकों का भरोसा उच्चतम स्तर पर है। देश में खुदरा निवेशकों की संख्या 2019 में 4.9 करोड़ से 2.7 गुना बढ़कर 2024 के अंत तक 13.2 करोड़ हो गई। इसके अलावा, वैश्विक आईपीओ लिस्टिंग में भारत की हिस्सेदारी 2024 में बढ़कर 30त्न हो गई, जो दुनिया में सबसे अधिक है।

संक्षेप में, भारत ने उच्च विकास दर और मूल्य स्थिरता के बीच एक सफल संतुलन बनाया है। मजबूत बुनियादी सिद्धांतों के साथ, भारत वैश्विक चुनौतियों का सामना करने और एक सुदृढ़ भविष्य के निर्माण के लिए अच्छी स्थिति में है।

आईआईटी मद्रास एलुमनी मीट में बोले पीयूष गोयल, देश 2027 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर

बेंगलुरु ,06 जुलाई। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में शनिवार को आयोजित आईआईटी मद्रास एलुमनी मीट 'संगमइ को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारतइ के सपने और पांच प्रणों को लेकर विस्तार से बात की।

पीयूष गोयल ने कहा कि देश अब एक निर्णायक दौर में है, जहां हम भविष्य के भारत की नींव रख रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि 2014 में जब मोदी सरकार सत्ता में आई थी, तब भारत को दुनिया की सबसे कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता था। लेकिन बीते 10 साल में देश ने बहुत सारे मिशनों पर काम किया, जिसमें 'स्वच्छ भारतइ, 'स्टार्टअप इंडियाइ जैसे कार्यक्रमों ने आम आदमी तक पहुंच बनाई और जमीनी बदलाव लाए। पीयूष गोयल ने कहा कि आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चुका है और अगर यही रफ्तार बनी रही, तो 2027 तक हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकते हैं।

उन्होंने कहा, आज जो भी नीतियां बनाई जा रही हैं, वे आने वाले भविष्य के भारत को ध्यान में रखते हुए बनाई जा रही हैं। तकनीक को लेकर उन्होंने कहा कि भारत अब नई तकनीकों से डरता नहीं है, बल्कि उन्हें अपनाकर आगे बढ ? का आत्मविश्वास रखता है। उन्होंने कहा कि यह आत्मविश्वास हमें दुनिया के बेहतरीन देशों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के योग्य बनाता है। कोविड महामारी के दौरान भारत ने 100 से ज्यादा देशों को वैक्सीन भेजी। उन्होंने कहा कि दुनिया ने इसके लिए भारत को धन्यवाद दिया, लेकिन अफसोस की बात है कि कुछ लोग, विशेषकर कुछ राज्यों के नेता, इसे ठीक से समझ नहीं पाए। उन्होंने हालिया बजट का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार ने एक लाख करोड़ रुपए इनोवेटिव इंडस्ट्री के लिए आवंटित किए हैं, ताकि 'युवा भारतइ को नए अवसर मिलें और अनुसंधान को बढ़ावा मिले।

वैश्विक स्तर पर भारत की बड़ी सफलता, विश्व बैंक ने दुनिया के सर्वाधिक समतामूलक समाज में किया शामिल

नई दिल्ली ,06 जुलाई। भारत न केवल विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, बल्कि आज यह सर्वाधिक समतामूलक समाजों में से एक भी है। विश्व बैंक के अनुसार, भारत का गिनी सूचकांक 25.5 है, जो इसे स्लोवाक गणराज्य, स्लोवेनिया और बेलारूस के बाद दुनिया का चौथा सबसे समतामूलक देश बनाता है।

यह भारत जैसे बड़े और विविधता वाले देश के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। यह दशार्ता है कि भारत की आर्थिक प्रगति का लाभ लोगों में समान रूप से पहुंच रहा है। इस सफलता के पीछे गरीबी को कम करने, वित्तीय पहुंच का विस्तार और कल्याण सहायता को सीधे उन लोगों तक पहुंचाने पर लगातार नीतिगत ध्यान केंद्रित करना है, जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। गिनी सूचकांक यह समझने का एक सरल तरीका है कि किसी देश में घरों या व्यक्तियों के बीच आय, संपत्ति या उपभोग के वितरण में कितनी समानता है। इसका मूल्य 0 से 100 तक होता है। 0 स्कोर का अर्थ पूर्ण समानता है, यानी आय आदि समान रूप से सभी लोगों के बीच वितरित हो रही है। 100 स्कोर का अर्थ है कि एक ही व्यक्ति के पास पूरी आय, संपत्ति या उपभोग है और दूसरों के पास कुछ भी नहीं है, इसलिए पूर्ण असमानता है। गिनी इंडेक्स जितना अधिक होगा, देश उतना ही असमान होगा। विश्व बैंक के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत का गिनी इंडेक्स 25.5 है। यह भारत को सापेक्ष रूप से दुनिया के सबसे समान देशों में से एक बनाता है। भारत का स्कोर चीन के 35.7 से बहुत कम है और अमेरिका से भी बहुत कम है, जो 41.8 पर है। यह हर जी7 और जी20 देश के भी प्रत्यक्षतः समान है, जिनमें से कई उन्नत अर्थव्यवस्थाएं मानी जाती हैं। भारत 'सामान्य से कमइ असमानता श्रेणी में आता है, जिसमें गिनी स्कोर 25 से 30 के बीच है और यह 'कम असमानताइ समूह में शामिल होने से थोड़ा ही दूर है, जिसमें स्लोवाक गणराज्य जैसे देश शामिल हैं, जिनका स्कोर 24.1 है, स्लोवेनिया 24.3 है और बेलारूस 24.4 है। इन तीनों के अलावा, भारत का स्कोर उन सभी 167 देशों से बेहतर है, जिनके लिए विश्व बैंक ने डेटा जारी किया है।

वैश्विक स्तर पर, सिर्फ 30 देश 'सामान्य से कमइ असमानता श्रेणी में आते हैं। इसमें अत्यधिक लोक कल्याण वाले अनेक यूरोपीय देश शामिल हैं। इनमें आइसलैंड, नॉर्वे, फिनलैंड और बेल्जियम शामिल हैं। इसमें पोलैंड जैसी बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं और संयुक्त अरब अमीरात जैसे धनी देश भी शामिल हैं। भारत का अधिक समतामूलक समाज की ओर रुख पिछले कुछ वर्षों में इसके गिनी सूचकांक में परिलक्षित होता है। 2011 में यह सूचकांक 28.8 पर मापा गया था और 2022 में 25.5 पर पहुंच गया। यह स्थिर बदलाव दशार्ता है कि भारत ने आर्थिक विकास को सामाजिक समानता के साथ जोड ? में लगातार प्रगति की है।

गिनी इंडेक्स पर भारत की मजबूत स्थिति कोई संयोग नहीं है। यह ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में गरीबी कम करने में देश की निरंतर सफलता से निकटता से जुड़ा हुआ है। विश्व बैंक द्वारा 'स्प्रिंग 2025 पावर्टी एंड इक्विटी ब्रीफइ ने इस उपलब्धि को हाल के वर्षों में सबसे महत्वपूर्ण में से एक के रूप में उजागर किया है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले दशक में 171 मिलियन भारतीयों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला गया है। प्रतिदिन 2.15 अमेरिकी डॉलर से कम पर जीवन यापन करने वाले लोगों की हिस्सेदारी, जो जून 2025 तक अत्यधिक गरीबी की वैश्विक सीमा थी, 2011-12 के 16.2 प्रतिशत से तेजी से गिरकर 2022-23 में केवल 2.3 प्रतिशत रह गई। विश्व बैंक की संशोधित अत्यधिक गरीबी सीमा 3.00 डॉलर प्रतिदिन के तहत, 2022-23 की गरीबी दर को 5.3 प्रतिशत पर समायोजित किया जाएगा।

भाजपा विधायकों और सांसदों का आज से मैनपाट में होगा प्रशिक्षण शुरू, 9 को सीएम साय होंगे शामिल

रायपुर। भाजपा के विधायक और सांसदों का प्रशिक्षण शिविर अंबिकापुर के मैनपाट में कल सुबह योगाभ्यास के साथ शुरू होने जा रहा है। इस प्रशिक्षण शिविर में पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बीएल संतोष और सह महामंत्री शिवप्रकाश, और अन्य नेता रविवार की देर शाम मैनपाट पहुंचे। शिविर में शामिल होने सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विजय बघेल के साथ 35 विधायक-सांसद रविवार की रात ट्रेन से अंबिकापुर के लिए रवाना हुए और ये सभी सोमवा की सुबह मैनपाट पहुंचेंगे। इस कड़ी में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार 9 जुलाई को मैनपाट में रहेगी और इस दौरान वे किसी भी समय शिविर में शामिल हो सकते है।

भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप नवा रायपुर का होगा सुनियोजित विकास - मुख्यमंत्री

00 मुख्यमंत्री ने आवास एवं पर्यावरण विभाग की ली समीक्षा बैठक

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय नवा रायपुर स्थित मंत्रालय महानदी भवन में आवास एवं पर्यावरण विभाग के विभागीय काम-काज की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने नवा रायपुर विकास प्राधिकरण के अतंर्गत संचालित कार्यो की जानकारी लेते हुए अधिकरियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में वित्त एवं आवास पर्यावरण मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी, मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत, सचिव आवास एवं पर्यावरण श्री अंकित आंनद, एन आर डी ए के सी.ई.ओ श्री चंदन कुमार, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के आयुक्त श्री अवनीश शरण, रायपुर विकास प्राधिकरण के सी.ई.ओ. श्री आकाश छिकारा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवा रायपुर का सुव्यवस्थित विकास सरकार की पहली प्राथमिकता है। नवा रायपुर क्षेत्र में भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सुनियोजित विकास किया जायेगा। नवा रायपुर देश की सबसे आधुनिक व खुबसूरत राजधानी है। देश के आई.आई.एम., ट्रिपल आई.टी., नेशनल लॉ विश्वविद्यालय जैसे शीर्ष शिक्षण संस्थान यहां स्थापित किए गए हैं। भविष्य में नवा रायपुर में बसाहट और बढ़ेगी इसलिए यह आवश्यक है कि आगमी जरूरतों के हिसाब से यहां नागरिक सुविधाओं का भी विस्तार किया जाए। मुख्यमंत्री ने नवा रायपुर क्षेत्र में रेल कनेक्टिविटी के विस्तार के संबंध में चर्चा कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। भारत सरकार द्वारा परमालकसा - खरसिया नई रेलवे लाईन का निर्माण बलौदाबाजार जिले से होकर किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने इस रेल लाईन को नवा रायपुर से जोड? की मंशा जाहिर करते हुए कहा कि इससे नवा रायपुर में रेल सुविधाओं का विस्तार होगा और आम नागरिको को इसका लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने भारत माला परियोजना के अंतर्गत विशाखापट्टनम को जोड? वाले एक्सप्रेस-वे का निर्माण विकास के साथ आयात और निर्यात को प्रोत्साहित करने हेतु नवा रायपुर अटल नगर में एक लॉजिस्टीक हब की निर्माण आवश्यकता पर बल दिया। अधिकाारियों ने बाताया कि छत्तीसगढ़ से गुजरने वाले एक्सप्रेस-वे का निर्माण लगभग 95 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। इसके बनने से रायपुर से विशाखापट्टनम की दूरी 100 कि.मी. कम हो जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश कि नई औद्योगिक नीति से बड़ी संख्या में निवेशक आकर्षित हो रहे है। इससे यहां के युवाओं को रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री ने नवा रायपुर क्षेत्र में ऑक्सीजोन निर्माण के अंतर्गत पीपल, बरगद, करंज, नीम, अशोक, अमलतास, गुलमोहर आदि पौधों के रोपण एवं ग्रोथ कि जानकारी ली। बैठक मे अधिकरियों ने बताया कि नवा रायपुर क्षेत्र में भविष्य में राज्य सरकार के विभिन्न आयोग-बोर्ड-निगम आदि के लिए आयोग बिडिंग कॉम्पलेक्स तैयार करने की योजना है। इसके अलावा काम-काजी महिलाओं के लिए वर्किंग वुमन हॉस्टल, 100 बिस्तर अस्पताल, नवा रायपुर में एक और नवीन थाना की स्थापना का प्रस्ताव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवा रायपुर क्षेत्र में नवीन भवनों के निर्माण के लिए आबंटित भू-खण्डों का समूचित उपयोग किया जाए। मुख्यमंत्री ने आवास एवं पर्यावरण विभाग के अंतर्गत शामिल - छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण बोर्ड, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल, नगर तथा ग्राम निवेश, छत्तीसगढ़ भू-सम्पदा नियामक प्राधिकरण (रेरा), रायपुर विकास प्राधिकरण के काम-काज की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

न्यूज गैलरी

लगातार हो रही बारिश ने बढ़ाई कांग्रेसियों की चिंता

रायपुर। रविवार सुबह से लगातार हो रही बारिश ने कांग्रेसियों की चिंता बढ़ा दी है कि कल भी कहीं यही हाल रहा तो कैसे जुटेगी भीड़ ? वैसे भी बारिश के चलते खेती किसानी का समय होने से ग्रामीण तबके से लोगों को सभा के लिए जुटा पाना मुश्किल लग रहा है। सभा स्थल भी गीला हो गया है,जिससे तैयारियां भी प्रभावित हो रही है। कांग्रेस संगठन प्रभारी सचिन पायलट रायपुर पहुंच गए हैं। पायलट, पीसीसी चीफ दीपक बैज वरिष्ठ कांग्रेसियों के साथ सभा स्थल का निरीक्षण करने जाने वाले हैं। वैसे कांग्रेसी तैयारी पूरी ताकत से कर रहे हैं,ऐसा पार्टी सूत्र बता रहे हैं। पायलट ने सबको टारगेट दे दिया है,इसलिए कामकाजी कांग्रेसियों की पहचान भी हो जायेगी। गंभीरता का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि पूर्व मंत्रियों को भी भीड़ लाने का जिम्मा सौंपा गया है। वैसे टारगेट पच्चीस हजार रखा गया है। बता दें कल दोपहर 12 बजे साइंस मैदान में खरगे की किसान जवान और संविधान जन सभा है। गौर करने वाली बात ये भी है कि बगैर गांधी परिवार के किसी सदस्य की गैर मौजूदगी में ये सभा हो रही है और संभवतः छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार जाने के बाद पहली बड़ी सभा होगी,इसलिए यह प्रतिष्ठा का सवाल भी बन गया है।

पायलट के तेवर से कांग्रेसियों को नहीं मिल रहा बहाना

रायपुर। कल कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे की रायपुर में सभा हैं,बादल व बारिश के बीच सभा को लेकर कई तरह की बातें आ रही है लेकिन कांग्रेस के प्रदेश संगठन प्रभारी सचिन पायलट के तेवर देखकर छत्तीसगढ़ कांग्रेस के नेताओं की बोलती बंद हो गई है। न छतरी न बरसाती सभा स्थल से लेकर कांग्रेस मुख्यालय तक जिस प्रकार बैठक करते हुए एक-एक नेता से फीड बैक ले रहे हैं बताइए कितने आदमी आ रहे हैं कल आपके ? जो बाहर हैं उनसे मोबाइल पर बात कर यही सवाल दोहरा रहे हैं। खासकर युवक कांग्रेस व एनएसयूआई के प्रदेश पदाधिकारियों को बारिश के मौसम में पसीना छूट रहा है। पायलट ने सभी से कह दिया है कि कोई बहाना नहीं चलेगा। कांग्रेस नेता तो अब बतियाने लगे हैं तभी भाई राजस्थान में गहलोत जैसे धाकड़ नेता को पानी पिला दिया था,पहली बार कोई ऐसा तेज तर्रार नेता संगठन प्रभारी के रूप में मिला है। अब सभा कैसी हो पायेगी,बाद के परिणाम को लेकर बोलती बंद हैं।

डॉ. मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, निःस्वार्थ सेवा और अखंड भारत के प्रति अटूट संकल्प का है प्रतीक - सीएम

00 डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उन्हें नमन किया

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महान शिक्षाविद्, प्रखर राष्ट्रवादी नेता और भारतीय जनमानस में राष्ट्रीय चेतना का संचार करने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। मुख्यमंत्री ने आज अपने निवास कार्यालय में स्व. डॉ. मुखर्जी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उनका पुण्य स्मरण किया और उनके अतुलनीय योगदान पर अपने विचार व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, निःस्वार्थ सेवा और अखंड भारत के प्रति अटूट संकल्प का प्रतीक है। वे दूरदर्शी राजनीतिज्ञ के साथ ही समाज के सजग चिंतक और शिक्षा, राष्ट्रीय एकता तथा सामाजिक न्याय के प्रबल पक्षधर भी थे। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व आज भी देशवासियों को राष्ट्रसेवा और समर्पण की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने भारत की एकता और अखंडता के लिए ऐतिहासिक संघर्ष किया और उनका बलिदान आज भी भारतीय संप्रभुता का अमिट अध्याय है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का सपना एक सशक्त, आत्मनिर्भर और गौरवशाली भारत का था। उन्होंने भारत में वैचारिक स्पष्टता और सिद्धांतों की राजनीति की नींव रखी। उन्होंने अपने संकल्प से भारतीय राष्ट्रवाद और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को सशक्त आधार प्रदान किया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार आज भी समय की कसौटी पर खरे उतरते हैं और उनके आदर्शों का अनुसरण करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उनके सपनों को साकार करने के लिए हमें सामूहिक रूप से कार्य करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी उनके विचारों से प्रेरणा लेकर समृद्ध, स्वाभिमानी और सशक्त भारत के निर्माण के लिए निरंतर प्रयासरत रहें।

हीराकुंड बांध के 12 गेट खोले गए

जगदलपुर। लगातार हो रही बारिश के चलते रविवार की सुबह हीराकुंड बांध के स्लुइस गेट नंबर 7 को खोलकर पानी छोड? की प्रक्रिया शुरू की गई, जिसके बाद अतिरिक्त पानी निकालने के लिए कुल 12 गेट खोल दिए गए। बांध के नियंत्रण कक्ष के अनुसार सुबह 9 बजे जल स्तर 609.54 फीट दर्ज किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि रविवार को जलाशय के बढ़ते जल स्तर को नियंत्रित करने के लिए इस मौसम का पहला बाढ़ का पानी छोड़ा गया है। जिस समय पानी छोड़ा गया उस समय जलाशय में 1,30,028 क्यूसेक पानी आ रहा था, जबकि 38,164 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा था। इस कुल डिस्चार्ज में से 34,313 क्यूसेक पानी से बिजली उत्पादन हेतु पावर चैनल के माध्यम से डायवर्ट किया गया। 3,223 क्यूसेक पानी सिंचाई के लिए तथा 234 क्यूसेक पानी औद्योगिक इकाइयों को आपूर्ति के लिए दिया गया। अधिकारियों के अनुसार सिंचाई हेतु पानी बरगढ़ मुख्य नहर (2,755 क्यूसेक), सासन मुख्य नहर (400 क्यूसेक) और संबलपुर डिस्ट्रीब्यूटरी (68 क्यूसेक) में भेजा गया।

अखंड ब्राह्मण समाज सेवा समिति द्वारा 13 को रक्तदान व निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

00 रक्तदाता को मिलेगा हेलमेट एवं प्रमाण पत्र

रायपुर। अखंड ब्राह्मण समाज सेवा समिति की बैठक प्रदेश कार्यालय ओम सोसाइटी सुंदर नगर में आयोजित किया गया। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष योगेश तिवारी ने बताया कि संगठन द्वारा 13 जुलाई को रिंग रोड - 1 वालफोर्ट सिटी के पास विनायका सिटी क्लब में निःशुल्क चिकित्सा शिविर एवं रक्त दान शिविर का आयोजन सुबह 11 से शाम को 5 तक आयोजित किया गया। तिवारी ने बताया कि शिविर में डॉक्टर प्रशांत झा एमडी, डॉक्टर एसके शर्मा बीएमएस, डॉक्टर किरण शर्मा फिजियोथैरेपिस्ट, डॉक्टर राहुल चोपड़ा दंत चिकित्सक, डॉक्टर अजय तिवारी होमियोपैथी विशेषज्ञ के साथ ही सार्थक ब्लड बैंक एवं गणेश आई हॉस्पिटल की टीम अपनी निःशुल्क सेवा प्रदान करेंगे। इसके साथ ही निःशुल्क ब्लड शुगर, बीपी एवं एचबी जांच किया जाएगा। प्रत्येक रक्त दाता को हेलमेट एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। उपरोक्त बैठक में डॉक्टर एस के शर्मा, ब्रजेश चौबे, एडवोकेट श्रीमती उमा तिवारी, शशांक खरे, श्रीमती सुनीता तिवारी, श्रीमती सविता वीरेंद्र शर्मा, अवधेश धर दीवान, जितेंद्र पांडेय, श्रीमती साधना शुक्ला, संजय शुक्ला आदि उपस्थित थे।

एनआईए कर रही प्रेसर आईईडी विस्फोट में बलिदानी कोंटा एएसपी मामले में संदिग्धों से पूछताछ

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सलियों के द्वारा लगाये गये प्रेसर आईईडी विस्फोट में कोंटा के एएसपी आकाश राव गिरिपुंजे बलिदान हो गए थे। इस मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने एनआईए की टीम ने कोंटा इलाके के कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। जांच अधिकारियों को शक है कि इन्होने 10 जून की हमले में नक्सलियों की मदद की थी । वहीं मौका-ए-वारदात से करीब 1 किमी के दायरे में मोबाइल लोकेशन व किए गए कॉल की जानकारी भी खंगाली जा रही है। एनआईए मामले में गहनता से जांच कर रही है। सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि पूछताछ के लिए एनआईए ने कुछ लोगों को बुलाया है, अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

गौरतलब है कि 10 जून को सुकमा जिले के कोंटा में नक्सलियों द्वारा लगाये गए प्रेशर आईईडी की चपेट में आने से एएसपी आकाश राव गिरपुंजे बलीदान हो गए । साथ ही इस धमाके में सब-डिवीजनल पुलिस अधिकारी भानुप्रताप चंद्राकर भी इसकी चपेट में आ गए थे। वहीं कोंटा थाना प्रभारी सोनल ग्वाला घायल हुए थे। नक्सलियों ने योजना बनाकर फंदीगुड़ा के पास एक क्रेशर प्लांट में लोडर मशीन को आग के हवाले कर दिया था, साथ ही वहां आईईडी लगा दिया था। सुबह मामले की जांच करने पहुंची पुलिस के जवानों की टीम इसकी चपेट में आ गयी थी इस हमले में एएसपी गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिन्हें तुरंत कोंटा अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

प्रदेश में अब तक 255.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज, बलरामपुर में सर्वाधिक व बेमेतरा जिले में हुआ सबसे कम

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 255.4 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक बलरामपुर जिले में सर्वाधिक 427.4 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 84.5 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार सरगुजा में 228.4 मि.मी., सूरजपुर में 272.4 मि.मी., जशपुर में 393.9 मि.मी., कोरिया में 336.4 मि.मी. और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 242.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। रायपुर जिले में 418.9 मि.मी., बलौदाबाजार में 202.0 मि.मी., गरियाबंद में 211.5 मि.मी., महासमुंद में 199.5 मि.मी. और धमतरी में 193.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। बिलासपुर में 188.4 मि.मी., मुंगेली में 222.8 मि.मी., रायगढ़ में 417.1 मि.मी., सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 297.4 मि.मी., जांजगीर-चांपा में 323.0 मि.मी., सक्ती में 298.8 मि.मी. कोरबा में 325.3 मि.मी. और गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही 238.6 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड हुई है। दुर्ग जिले में 121.2 मि.मी., कबीरधाम में 143.9 मि.मी., राजनांदगांव में 109.2 मि.मी., मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 295.3 मि.मी., खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 132.8 मि.मी., बालोद में 171.5 मि.मी. और बस्तर जिले में 394.8 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड हुई है। कोंडागांव में 229.3 मि.मी., कांकेर में 266.4 मि.मी., नारायणपुर में 267.2 मि.मी., दंतेवाड़ा में 368.2 मि.मी. और सुकमा में 179.1 मि.मी. और बीजपुर जिले में 398.1 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है।

श्रमिक जनक राम साहू के जीवन में उम्मीद की किरण बनी मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना

रायपुर। जिले के अभनपुर विकासखंड स्थित ग्राम मंदलोर में रहने वाले 61 वर्षीय श्री जनक राम साहू आज अपने जीवन में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं। इसका कारण बना – मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना, जिसके तहत उन्हें ?20,000 की आर्थिक सहायता मिली। एक साधारण श्रमिक जीवन जीने वाले श्री साहू ने इस राशि का उपयोग अत्यंत समझदारी और आवश्यकता के अनुसार किया। उन्होंने बताया कि इस सहायता से उन्होंने खेती-किसानी के जरूरी काम पूरे किए, स्वास्थ्य उपचार में राहत पाई, और घर के छोटे-छोटे आवश्यक कार्य भी पूरे कर सके। जनक राम कहते हैं कि ₹सरकार की यह योजना हम जैसे श्रमिकों के लिए किसी वरदान से कम नहीं। जब मुश्किल समय में मदद का हाथ बढ़े, तो इंसान में फिर से कुछ करने का हौसला आता है।₹ उनकी यही सोच आज सैकड़ों अन्य श्रमिकों को प्रेरणा दे रही है। उन्होंने यह भी अपील की कि जो भी श्रमिक पात्र हों, वे इस योजना का लाभ जरूर लें। इस योजना को सफल बनाने में कलेक्टर कार्यालय रायपुर के कॉल सेंटर ने भी अहम भूमिका निभाई।

■ स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा टुटेजा मीडिया पब्लिकेशन, नमनाकला, अम्बिकापुर, सरगुजा (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित, 0 प्रधान संपादक-महेन्द्र सिंह टुटेजा,Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ RNI No. 50247/89 ■ Postal Regn No./ छ.ग./रायगढ़/009/2016 से 2018 ■ Email- ambikavanisurguja@gmail.com

C M Y K

सरगुजा संभाग

अम्बिकावाणी

■ सरगुजा ■ कोरिया ■ सूरजपुर ■ बलरामपुर ■ जशपुर

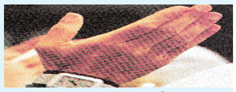

धन कमाना बुरा नहीं है धन का दुरूपयोग करना बुरा है।

युवा नेता अनोज यादव बनाए गए जनपद पंचायत रामचंद्रपुर के विधायक प्रतिनिधि- 10

अम्बिकापुर सोमवार, 07 जुलाई 2025

■ डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी को उनके जयंती पर किया गया नमन- 12

10 घंटे की बारिश में सरगुजा तरबतर, कॉलोनी-निचली बस्तियां लबालब

सड़कों के साथ घरों में घुटने भर पानी, नदी-नाले उफान पर, गागर में गिरा ट्रक

अंबिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले भर में शनिवार रात हुई रिकार्ड बारिश से शहर के पॉश कॉलोनी से लेकर निचली बस्तियों में पानी भर गया है। अंबिकापुर के पॉश कॉलोनी कुंडला-वसुंधरा सिटी में घुटने भर से अधिक पानी सड़कों सहित घरों में जमा हो गया। इससे कार और अन्य वाहनों में पानी घुस गया। निचली बस्तियों में घरों में घुटने भर पानी घरों के अंदर घुस गया।

अंबिकापुर में रात ८.३० बजे से शुरू हुई झमाझम बारिश सुबह ७ बजे तक चली। इस दौरान अंबिकापुर में १७२.८ मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई है। अंबिकापुर सहित पूरे जिले में बादल जमकर बरसे। १०.३० घंटों में रिकार्ड बारिश से पूरे जिले में नदी-नाले उफान पर हैं। बांकी नदी में सालों बाद बाढ़ की स्थिति बनी है। मौसम विभाग ने अगले १० दिनों तक सरगुजा में भारी बारिश का पूवार्नुमान दिया है। रिकार्ड बारिश के बाद अंबिकापुर के पॉश कॉलोनी कुंडला-वसुंधरा सिटी में घुटने भर से अधिक पानी भर गया। पानी लोगों के घरों की निचली मंजिल में जमा हो गया। इससे ग्राउंड फ्लोर पर रखे सामान डूबने लगे। लोगों को पहली मंजिल पर जाना पड़ा। कॉलोनी की सड़कों पर दो से लेकर तीन फीट तक पानी जमा हो गया। इस कारण कारें और पार्किंग में खड़ी गाड़ियां भी पानी में आधी डूबी रहीं। सुबह स्थिति का ज्यादा लेने के लिए कुंडला सिटी में महापौर पहुंची। जेसीबी लगाकर तत्काल स्थिति को नियंत्रण में किया गया। दूसरी तरफ शहर की निचली बस्तियों में घरों में पानी घुस गया। घरों के अंदर घुटने भर पानी घुसने से रात को ही लोगों को अपना सामान हटाना पड़ा। घरों में पानी घुसने से नीचे रखे सामान गीले हो गए।

घुटरापारा में भी सड़क से लेकर घरों में पानी लबालब भर गया। लोगों ने पूरी रात जागकर बिताई। मौसम विज्ञानी एएम भट्ट ने बताया कि, पश्चिम बंगाल के गांगेय क्षेत्र और आसपास में लो प्रेशर का नया सिस्टम बन रहा है। इसके प्रभाव से उत्तर छत्तीसगढ़ में लगातार बारिश हो सकती है। उधर मौसम विभाग ने रविवार को पूरे सरगुजा संभाग में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

सांसद, महापौर सड़क पर उतरे

बारिश के बाद भारत माता चौक सहित अन्य स्थानों पर रिंगरोड में भी पानी जमा हो गया। नेशनल हाईवे ४३ में पानी जमा होने से जाम की स्थिति बन गई। सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज खुद सड़क पर वाहनों का रास्ता क्लियर कराते नजर आए। शहर के कई मोहल्लों और पॉश कॉलोनियों में पानी भरने की सूचना मिलने पर महापौर मंजूषा भगत भी कालोनियों में पहुंची एवं स्थिति का जायजा लिया। कुंडला सिटी में जेसीबी से मिट्टी हटाकर पानी निकाला जा रहा है।

पानी के तेज बहाव में कटी सड़क

भारी बारिश से बेलहर बांध का पानी से शिवपुर के पास रोड के ऊपर पानी बह रहा है। सड़क पानी के तेज बहाव में कट गया है। जिसके कारण शिवपुर वासियों के करजी चौक से सम्पर्क टूट गया है। ग्रामवासियों से इस बात की सूचना मिलने पर कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता और अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौके पर पहुँचे। राकेश गुप्ता ने पीडब्ल्यूडी और सिचाई विभाग के अधिकारियों से फोन पर बात कर रोड निर्माण के लिए त्वरित पहल की मांग की। इस दौरान पारस गुप्ता, प्रमेन्द्र सरजाल, संजीव कश्यप, राज कश्यप समेत अन्य ग्रामवासी मौजूद रहे।

जुलाई में 24 घण्टे में होने वाली सर्वाधिक वर्षा की दृष्टिकोण से दूसरा रिकार्ड

१९६९ से २०२४ के बीच में अम्बिकापुर में जुलाई के महीने में २४ घण्टों की अवधि में १५० मिमी से अधिक की वर्षा होने के चार रिकॉर्ड्स बने थे। २७ जुलाई २०१३ को १८१.८ मिमी, २३ जुलाई १९९१ को १७४.० मिमी और इसके अगले ही दिन २४ जुलाई १९९१ को १५६.७ मिमी व १२ जुलाई २००१ को १६३.३ मिमी वर्षा दर्ज की गई थी। इस वर्ष ६ जुलाई २०२५ को दर्ज १७८.८ मिमी की वर्षा के साथ जुलाई में २४ घण्टों में १५० मिमी से अधिक की वर्षा का पांचवां रिकार्ड बना। यह जुलाई में २४ घण्टे में होने वाली सर्वाधिक वर्षा की दृष्टिकोण से दूसरा रिकार्ड है।

मिनी ट्रक पुलिया की रेलिंग तोड़ते हुए गागर नदी में जा गिरा

अंबिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। अंबिकापुर-रामानुजगंज नेशनल हाइवे क्रमांक ३४३ पर रविवार की सुबह एक मिनी ट्रक पुलिया की रेलिंग तोड़ते हुए गागर नदी में जा गिरा। हादसे में चालक व उसमें सवार अन्य लोग बाल-बाल बच गए। सूचना मिलते ही राजपुर पुलिस मौके पर पहुंची और सवार लोगों का हाल-चाल जाना। नदी में मिनी ट्रक गिर जाने से उसमें लोड लाखों रुपए के किराना सामान का नुकसान हो गया। वाहन को निकालने की कवायद जारी है।

आयशर मिनी ट्रक क्रमांक सीजी १५ सीके-४०९९ अंबिकापुर की ओर से किराना सामान लोड कर बलरामपुर जिले के कुसमी जा रहा था। इस दौरान तेज बारिश हो रही थी। सुबह करीब ७ बजे बस अंबिकापुर-रामानुजगंज नेशनल हाइवे पर राजपुर से पहले गागर नदी पुलिया को पार करते समय अचानक पलट गया। बताया जा रहा है कि भारी बारिश व सडक पर बने गड्ढों के कारण मिनी ट्रक अनियंत्रित हो गया और पुलिया की रेलिंग तोड़ते हुए उफनती नदी में गिर गया। इससे लाखों रुपए का किराना सामान नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। भारी बारिश की वजह से अंबिकापुर-रामानुजगंज एनएच की हालत खस्ताहाल हो गई है। इस मार्ग पर जगह-जगह इतने गड्ढे हो गए हैं कि सडक खोजना पड़ रहा है। गड्ढों में बारिश का पानी भरा होने की वजह से गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है, ऐसे में कई बार छोटे चारपहिया व दोपहिया वाहन चालक हादसे का शिकार हो जाते हैं। खराब सडक की वजह से कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं।

शशांक मंदिलवार चार्टर्ड अकाउंटेंट परीक्षा में सफल

अंबिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

द चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के द्वारा मई २०२५ में आयोजित परीक्षा में शहर के युवा शशांक मंदिलवार ने सफलता अर्जित की है। चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने के लिए आयोजित इस प्रतिष्ठापूर्ण परीक्षा में सफलता अर्जित करने से पूरा परिवार एवं जिला गौरवान्वित हुआ है। शशांक, श्रीराम मंदिर रोड निवासी बिपिन बिहारी मंदिलवार के पौत्र एवं डॉ. सुनील मंदिलवार के सुपुत्र और संजीव,सचिन, सौरभ के भतीजे है।

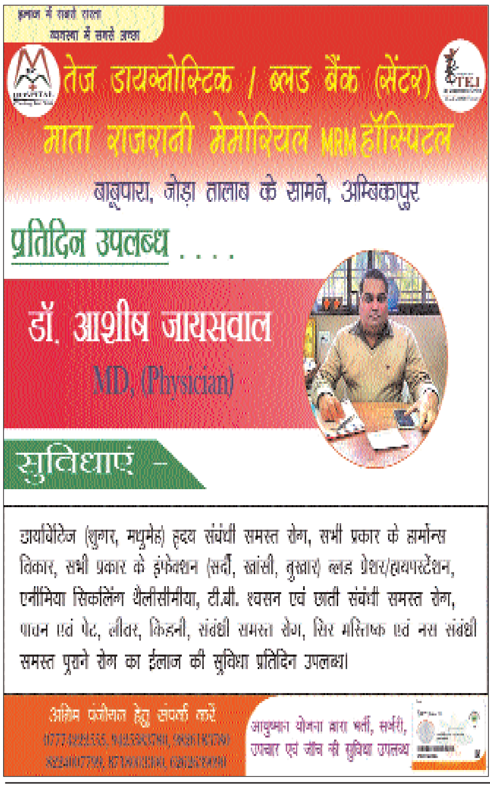

आवारा कुत्तों का आतंक... घर के बाहर खेल रही 7 वर्षीय बच्ची को बुरी तरीके से किया लहूलुहान

रामानुजगंज (अम्बिकावाणी समाचार)। नगर के वार्ड क्रमांक ६ रिंग रोड निवासी करण राम की बेटी रागिनी कुमारी उम्र ७ वर्ष अपने घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान आवारा कुत्ते के द्वारा गाल में काट लिया गया, जिससे रागिनी बुरी तरीके से लहूलुहान हो गई। तत्काल १०० बिस्तर अस्पताल ले जाया गया जहां कई टाके गाल में लगे इसके बाद इलाज के लिए जिला अस्पताल बलरामपुर रेफर कर दिया गया जहां इंजेक्शन लगा। रागिनी अभी सिर्फ लिक्विड ले पा रही है।

नगर में आवारा कुत्तों का आतंक दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रहा है आए दिन कुत्ता काटने से लोग घायल हो रहे हैं कुत्तों की संख्या में तेजी से इजाफा होना पूरे नगरवासियों के लिए खतरनाक धीरे-धीरे साबित हो रहा है। शुक्रवार को रागनी अपने घर के सामने स्कूल में पढ़ने के बाद घर के बाहर खेल रही थी इस दौरान शाम ५ बजे के करीब अचानक से एक आवारा कुत्ता आया एवं मासूम के गाल में बुरी तरीका से काट दिया जिससे काफी वह लहू लुहान हो गई कुत्ता के द्वारा इतना विभत्स रूप से काटा था कि देखने वाले सभी विचलित हो जा रहे थे। किसी प्रकार खून से लथपथ रागनी को १०० बिस्तर अस्पताल ले जाया गया जहां प्राथमिक इलाज कर बलरामपुर जिला चिकित्सालय रेफर किया गया।

'अम्बिकावाणी' ने पूर्व में किया था अगाह

'अम्बिकावाणी' के द्वारा आवारा कुत्तों से हो रहे खतरे एवं होने वाले खतरे को लेकर आगाह किया था। खासकर छोटे बच्चों को अकेले सुनसान स्थान पर घूमने एवं छोटे बच्चों को अभिभावक के नजरों में ही खेलने की विशेष आवश्यकता है जिस प्रकार से नगर में कुत्तों की संख्या बढ़ रही है एवं वे आक्रामक हो रहे हैं यह पूरे नगर के लिए चिंता का विषय है।

मासूम के काटने के बाद अभी भी आवारा घूम रहा है कुत्ता

रागिनी अपने घर के बाहर बिल्कुल सुरक्षित रूप से खेल रही थी रागिनी का घर रोड से अंदर में है अगल-बगल घर है जिससे उसका खेलना वहां पूर्णत सुरक्षित था। परंतु उसके बाद भी घुसकर कुत्ता रागिनी के गाल में काट दिया उस दौरान बारिश हो रही थी काटने के बाद कुत्ता अभी भी घूम रहा है।

जिले में अब तक 219.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। भू-अभिलेख शाखा के अधिकारियों ने आज यहां बताया कि जिले के सभी तहसीलों में २४ घण्टे के दौरान ३७.९ मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। इस दौरान सर्वाधिक ८२.४ मि.मी. वर्षा तहसील अम्बिकापुर में दर्ज की गई है। इसे मिलाकर पूरे जिले में १ जून से अब तक २१९.२ मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि ०१ जून २०२५ से ०६ जुलाई २०२५ तक अम्बिकापुर में २७७.०, दरिमा में १६६.६, लुण्ड्रा में २७७.०, सीतापुर में २४३.२, लखनपुर में २३६.१, उदयपुर में १८६.०, बतौली में २०४.२ एवं मैनपाट में २३७.०मिमी वर्षा दर्ज की गई है

शादी का झांसा देकर ले गया मुंबई, पुलिस ने नाबालिक को किया बरामद, आरोपी गिरफ्तार

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। दुष्कर्म के आरोपी को रघुनाथपुर चौकी पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि प्रार्थी २८ मई को चौकी रघुनाथपुर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि घटना दिनांक २७ मार्च कों प्रार्थी की नाबालिग लड़की कों कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसला कर भगा कर ले गया है, मामले मे प्रार्थी की रिपोर्ट पर चौकी रघुनाथपुर थाना लुन्ड्रा मे धारा १३७(२) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा अपहत बालिका एवं मामले के आरोपी का पता तलाश किया जा रहा था, तकनिकी सहायता के माध्यम से मामले मे अग्रिम जानकारी प्राप्त कर पुलिस टीम कों अपहता के बरामदगी एवं आरोपी के गिरफ़्तारी हेतु जिला ठाणे मुंबई महाराष्ट्र रवाना किया गया था। पुलिस टीम के सतत प्रयास से मामले की पीड़िता कों आरोपी मोहन लकड़ा आत्मज सुशील लकड़ा उम्र १९ वर्ष निवासी सिलसिला डांडपारा चौकी रघुनाथपुर थाना लुन्ड्रा के कब्जे से, जिला ठाणे मुंबई महाराष्ट्र से बरामद किया गया है, जो महिला पुलिस अधिकारी द्वारा पीड़िता का कथन लेख किया गया। पीड़िता अपने कथन मे बताई कि आरोपी मोहन लकड़ा पीड़िता कों शादी करने का झांसा देकर बहला फुसला कर भगा ले जाकर जबरन दुष्कर्म की घटना कारित किया है, प्रकरण सदर मे धारा ६५ (१), ६९ बी.एन.एस. एवं पॉक्सो एक्ट की धारा ४.६ जोड़कर मामले के आरोपी कों गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

सम्पूर्ण कार्यवाही मे चौकी प्रभारी रघुनाथपुर उप निरीक्षक दिलीप दुबे, प्रधान आरक्षक दीनानाथ भारती, महिला आरक्षक प्रेमा मरावी, आरक्षक बहादुर एक्का सक्रिय रहे।

C M Y K

सरगुजा सिने आर्ट एसोसिएशन द्वारा पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे की स्मृति पर काव्य गोष्ठी एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

पद्मश्री डॉ. सुरेन्द्र दुबे की कविताएं समाज को दिशा देने वाली होती थीं - मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध हास्य कवि पद्मश्री से सम्मानित डॉ. सुरेन्द्र दुबे को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु आज अंबिकापुर के गांधी स्टेडियम स्थित भारतेंदु भवन में एक भव्य श्रद्धांजलि सभा का आयोजन सरगुजा सिने आर्ट एसोसिएशन द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े नें शामिल होकर डॉ. दुबे को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने अपने श्रद्धांजलि संबोधन में कहा कि डॉ. सुरेन्द्र दुबे न केवल हास्य-व्यंग्य के क्षेत्र में अद्वितीय थे, बल्कि उनकी कविताओं में सामाजिक चिंतन और गहराई भी होती थी। वे शब्दों के माध्यम से समाज को आइना दिखाते थे और अपनी वाणी से लोगों को प्रेरित करते थे। उनका जाना साहित्यिक जगत की अपूरणीय क्षति है।

डॉ. सुरेन्द्र दुबे न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश के हास्य कविता मंचों पर अपनी विशिष्ट पहचान रखते थे। उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्मश्री सम्मान से भी नवाजा गया था। उनके योगदान को याद करते हुए मंत्री राजवाड़े ने कहा कि राज्य सरकार साहित्य, संस्कृति और भाषा के संवर्धन के लिए निरंतर प्रयासरत है और ऐसे महापुरुषों की

स्मृति को अक्षुण्ण रखने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी। कार्यक्रम में अनेकों गणमान्य जनप्रतिनिधियों और साहित्य प्रेमियों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर अंबिकापुर नगर निगम के सभापति श्री हरमिंदर सिंह (टिन्नी), राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरगुजा जिला प्रचारक श्री जितेंद्र शर्मा, बलरामपुर जिला प्रचारक श्री आत्म शरण उपाध्याय, एसोसिएशन के संरक्षक श्री डी.के. सोनी, अध्यक्ष श्री उमाशंकर गुप्ता, अधिवक्ता श्री जयेश वर्मा, सिने आर्ट एसोसिएशन की महिला अध्यक्ष श्रीमती रानू साहू, श्री स्वप्निल जायसवाल, सचिव राहुल पाण्डे, आनन्द गुप्ता, दिनेश केहरी, जितेंद्र बिन्दु, समीर बेहरा, आस्था पाण्डे, प्रीति विश्वास, अनिल द्विवेदी सहित अनेक गणमान्य अतिथियों ने भी डॉ. दुबे को श्रद्धासुमन अर्पित किए !कार्यक्रम का कुशल संचालन श्री जयेश वर्मा द्वारा किया गया ! डॉ. दुबे की अमिट कला और विधा के अनुरूप कार्यक्रम के दूसरे चरण में काव्य गोष्ठी आयोजित हुई जिसमें सरगुजा के जाने माने कवियों सर्व श्री देवेन्द्र नाथ दुबे, सपन सिन्हा, संतोष दास सरल, डॉ. योगेंद्र सिंह गहरवार, विनोद हर्ष, डॉ. राजेश पाण्डेय, विनोद तिवारी, प्रकाश कश्यप, अजयपाल सिंह, श्रीमती अनिता मंदिलवार, पूनम दुबे, आशा पाण्डे एवं अंजू पांडे द्वारा काव्यपाठ किया गया, जिसने उपस्थित जनसमुदाय को भावविभोर कर दिया। श्रद्धांजलि सभा में शहर के कई स्कूलों, साहित्यिक संस्थानों और सांस्कृतिक संगठनों से जुड़े लोगों ने भी भाग लिया और अपने-अपने ढंग से श्रद्धांजलि अर्पित की। सचिव राहुल पांडे द्वारा बताया गया कि सरगुजा सिने आर्ट एसोसिएशन सरगुजा संभाग की पहली पंजीकृत संस्था है, जो पूर्ण रूप से कला, साहित्य एवं कलाकारों के संरक्षण व संवर्धन के लिए समर्पित है जिसका मुख्य उद्देश्य विलुप्त होती लोककलाओं को संरक्षित करना, कलाकारों को मंच देना और उनके लिए आजीविका के अवसर उपलब्ध कराना है तथा भविष्य में सरकार के साथ मिलकर कला और कलाकारों के हित में कार्य करना है इस अवसर पर अम्बिकापुर के कई व्यक्तियों द्वारा संस्था की सदस्यता ग्रहण की गई ।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों को खुश करने पीएम श्री स्वामी आत्मानंद स्कूल में आयोजित हुआ शाला प्रवेश कार्यक्रम

राजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
बलरामपुर जिले के विकासखंड राजपुर में स्थित पीएम श्री स्वामी आत्मानंद स्कूल में पुस्तकें नही मिलने से स्कूल प्रबंधन और खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा शाला प्रवेश कार्यम उधार के पुस्तक से स्थानीय विधायक उद्धेश्वरी पैकरा के मुख्य अतिथि में मनाया गया।

स्कूलों के नए सत्र की सुरुवात हुए लगभग एक महीने का समय बीत चुका है लेकिन पीएम श्री स्वामी आत्मानंद स्कूल में अभी तक बच्चों को पुस्तकें नही मिल पाई है जिससे बच्चों को पढ़ाई करने में परेशानी उत्तपन हो रही है। कांग्रेस सरकार में मास्टर प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू किया गया स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल गरीबों के वरदान साबित हो रही थी लेकिन जब से छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार सत्ता में आई है तब इसकी स्तर में कमी आ गई है। सत्ता में आते ही

भाजपा सरकार ने इस स्कूल का नाम में फेरबदल बदल कर पीएम श्री स्वामी आत्मानंद स्कूल कर दिया गया लेकिन इसके संचालन में अपना ध्यानाकर्षण बिल्कुल ही हटा दिया है,मौजूदा सरकार शिक्षा के स्तर घटाने का काम कर रही है। इसके विपरीत भाजपा सरकार स्कूलों को कम कर शराब के नए नए दूकान खोलने में व्यस्त है।

स्थानीय जनप्रतिनिधि सिर्फ और सिर्फ भाषण बाजी में ध्यान दे रहे हैं उसी तर्ज में शाला प्रवेश कार्यक्रम में पहुंची विधायक उद्धेश्वरी पैकरा ने कहा कि छात्र-छात्राएं पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद में भी ध्यान दे। शिक्षा अनमोल रतन है आज के युग में शिक्षित होना अत्यंत जरूरी है क्योंकि छात्र छात्राएं ही देश के भविष्य हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष धर्म सिंह ने कहा कि पढ़ाई अत्यंत जरूरी है आधी अधूरी पढ़ाई घातक होती है। पालक छात्र-छात्राएं को स्कूल भेजे। नगर पंचायत उपाध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि बच्चे देश के भविष्य है, सभी पढ़ाई में ज्यादा से ज्यादा ध्यान दे, मोबाइल फोन से दूरी बनाएं रखे। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष विनय भगत, जनपद उपाध्यक्ष आकाश अग्रवाल ने भी उद्बोधन किया,लेकिन इन बड़ी बड़ी बातों से अगर शिक्षा का स्तर सुधारा जाता तो देश में अनेकों अनेक विद्वान वक्ता पड़े हैं जो अपने वक्तव्य से शिक्षा का स्तर सुधार लेते पर ऐसा नही हो सकता,शिक्षा स्तर सुधारने के उपयुक्त संसाधन और निगरानी की आवश्यकता है जो भाजपा सरकार में नही दिख रही है।

पत्रकारों में दिखी नाराजगी
विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने पत्रकारों को आमंत्रण कार्ड नही भेजा लेकिन फिरभी शाला प्रवेश उत्सव में कुछ पत्रकार साथी कार्यक्रम को कवरेज करने पहुंचे मगर पत्रकारों के बैठने के लिए कुर्सी तक व्यवस्था नही थी। विधायक और स्थानीय नेताओं ने पत्रकारों को अनदेखी किया। पत्रकारों ने विधायक सहित स्थानीय नेताओं पर नाराजगी जताते हुए उक्त कार्यक्रम का वहिष्कार कर दिया।

युवा नेता अनोज यादव बनाए गए जनपद पंचायत रामचंद्रपुर के विधायक प्रतिनिधि

रामानुजगंज (अम्बिकावाणी समाचार)।
संगठन के प्रति समर्पण एवं धैर्य के कारण युवा नेता को जनपद पंचायत रामचंद्रपुर के विधायक प्रतिनिधि की बड़ी जवाबदारी मिली। युवा नेता अनोज यादव को ९४ ग्राम पंचायत के जनपद, रामचंद्रपुर जनपद पंचायत विधायक प्रतिनिधि बनाया जाना युवा नेताओ को आगे करने की कवायद मानी जा रही है। ग्रामीण परिदृश्य के युवा को बड़ी जवाबदारी मिलने से क्षेत्र के युवा नेताओं में हर्ष व्याप्त है सभी ने राम विचार नेताम का आभार माना।

रामचंद्रपुर विकासखंड के ग्राम परहियाडीह के अनोज यादव ने अपनी राजनीति की शुरूआत २०१० से भाजपा के एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में करते हुए बूथ स्तर में विभिन्न जिम्मेवारी को संभाला एवं उत्कृष्ट कार्य किया जिस कारण ६ वर्ष के बाद भाजपा युवा मोर्चा के मंडल महामंत्री के रूप में दायित्व मिला भाजपा युवा मोर्चा के मंडल महामंत्री के रूप में संगठन के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का प्रतिफल आगे मिला एवं युवा मोर्चा का मंडल अध्यक्ष बनाया गया वहीं गांव के उप सरपंच भी बने। वर्तमान में भाजपा मंडल महावीरगंज के महामंत्री का दायित्व संभाल रहे।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार के दौरान अनोज यादव के द्वारा समय-समय पर संगठन के द्वारा दिए गए दिशा निर्देश के अनुसार दमदारी के साथ कार्य किया। अनोज को रामचंद्रपुर जनपद के लिए राम विचार नेताम के द्वारा अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया। अपनी नियुक्ति के बाद उन्होंने राम विचार नेताम का आभार मानते हुए कहा कि मेरे जैसे साधारण कार्यकर्ता को बड़ी जवाबदारी श्री नेताम के द्वारा दी गई है। जीस आशा एवं विश्वास के साथ उन्होंने जिम्मेदारी दी है उस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ पूरा करूंगा। मेरा सौभाग्य है कि जनपद पंचायत के ९४ ग्राम पंचायत के विकास का में साक्षी बनुगा। जिले के सबसे बड़े जनपद पंचायत में विधायक प्रतिनिधि की रूप में कार्य करना मेरे लिए सौभाग्य है।

सेवा किटी ने प्राथमिक शाला शंकर घाट के बच्चों को वितरित किया छाता,ताकि बरसात में बच्चे स्कूल आ सके

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
सेवा किटी समूह ने शासकीय प्राथमिक शाला शंकरघाट के बच्चों को बरसात में छाता दिया, ताकि वो प्रतिदिन शाला आ सकें। शाला प्रवेश उत्सव भी हुआ। बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत, गणवेश , पुस्तकें , और मिठाई भी दी गई।शाला प्रवेश उत्सव की अतिथि, संकुल प्रभारी श्रीमती रश्मि टोप्पो, संकुल समन्वयक वर्षा पटेल, सरपंच हेमंत माझी जी थे।

अतिथियों ने अपने सम्बोधन में सदस्यों का शाला में आकर बच्चों को सामग्री देने और समय देने के लिए उनके द्वारा निरन्तर किये जा रहे सेवा कार्यों की सराहना की

।सेवा किटी की संस्थापिका सुश्री वन्दना दत्ता , मधु चौदहा, दीपमाला सिंह, लिलि बसु, नमिता चावला, बानी मुखर्जी, हिना परवीन, श्रद्धा खेर पाण्डेय, स्मिता तिवारी, उपस्थित थी , वरिष्ठ सदस्य श्रीमती तारा अग्रवाल, श्रीमती शारदा ओमी अग्रवल का सहयोग सराहनीय रहा। इस अवसर पर बच्चों ने शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया ।अभिभावक एवं शाला परिवार के सदस्य प्रधानपाठिका शालिनी सिंह, सहायक शिक्षिका आरती सोनी, का योगदान सराहनीय रहा ।

बेतरतीब मास्टर प्लान होने की वजह से शहर का बड़ा हिस्सा हो गया जलमग्न

अम्बिकापुर विकास योजना 2021 को निरस्त कर यथाशीघ्र नवीन मास्टर प्लान तैयार कर लागू करने की मांग

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
विकास योजना (मास्टर प्लान) यथाशीघ्र बनाये जाने के संबंध में भाजपा पार्षद आलोक दुबे ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मंत्री अरुण साव को ज्ञापन सौपा है।

ज्ञापन के जरिए कहा है कि अम्बिकापुर विकास योजना २०२१ दिनांक ०६ मई २००६ को तैयार कर लागू किया गया है। उक्त विकास योजना बहुत ज्यादा विसंगती होने के कारण वर्ष २०११ से ही मास्टर प्लान में बदलाव हेतु समय-समय पर नगरवासियों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा मांग की गई है। उक्त मास्टर प्लान में बहुत ही ज्यादा विसंगति है। जैसे नगर के फुन्दुरडिहारी स्थित तुरापानी क्षेत्र में ६३ हेक्टर मेला क्षेत्र भू-उपयोग कर दिया गया है, बिशुनपुर क्षेत्र में मंडी प्रस्तावित किया गया है है जबकि वहां सघन बसाहट है। नगर के मध्य स्थल नमनाकला में सिविक सेंटर निजी भूमि पर भू-उपयोग रखा गया है, जबकि उक्त क्षेत्र पर सैकड़ो आवासीय भवन पूर्व से निर्मित है। नगर में बिना किसी योजना के एम.आर. रोड प्रस्तावित किया गया है. जिसका कोई अस्तित्व नही है। उक्त मार्ग तैयार किये जाने में सैकड़ो भवन प्रभावित होंगे। मास्टर प्लान में उचित बॉयपास रोड का प्रावधान नही है जबकि राष्ट्रीय राजमार्ग द्वारा लगभग तीन ओर बॉयपास रोड प्रस्तावित किया गया है। उक्त मास्टर प्लान में भू-उपयोग, मार्ग, उचित फर्शी क्षेत्रानुपात का प्रावधान नही है तथा नगर के एक बड़े हिस्से ग्राम चोरकाकच्छार एवं फुन्दुडिहारी का कुछ हिस्सा निवेश क्षेत्र में सम्मिलित नही है, जबकि उक्त क्षेत्र नगर पालिक निगम अम्बिकापुर क्षेत्र में शामिल है। बेतरतीब मास्टर प्लान होने की वजह से अम्बिकापुर में जल निकासी का प्रावधान नही किये जाने के कारण विगत २ दिन के अतिवृष्टि के कारण

लगभग शहर का बड़ा हिस्सा जलमग्न हो गया है। मुझे ज्ञात जानकारी अनुसार अम्बिकापुर विकास योजना २०४२ का अमृत योजना के तहत जी.पी.एस. बेस मास्टर प्लान तैयार करने का सर्वे एवं अन्य कार्ययोजना तैयार किया जा चुका है। जिसपर ज्यादा काम किया जाना बाकी नही है। ऐसी स्थिति में नगर की व्यवस्थित विकास हेतु उक्त विकास योजना को यथाशीघ्र तैयार कर लागू किया जाना आवश्यक है। भाजपा पार्षद ने मांग करते हुए कहा कि अम्बिकापुर विकास योजना २०२१ को निरस्त करते हुये यथाशीघ्र नवीन मास्टर प्लान तैयार कर लागू करने का कष्ट करें।

लक्ष्य शिक्षण संस्थान ने आयोजित की मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह

प्रयास में 68 में से 58 विद्यार्थियों ने बनाई जगह

राजपुर (शंकरगढ़) (अम्बिकावाणी समाचार)।
लक्ष्य शिक्षण संस्थान द्वारा प्रयास स्कूल प्रवेश में चयनित विद्यार्थियों के सम्मान में शासकीय बालक उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय शंकरगढ़ में मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बलरामपुर जिले के जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. डी. एन. मिश्रा सहित अन्य सेवानिवृत्त अधिकारी व शिक्षकगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बलरामपुर जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. डी. एन. मिश्रा ने कहा कि आज बड़ा ही सौभाग्य का दिन है कि मैं इस स्कूल प्रांगण में बच्चों के बीच उपस्थित हुआ हूँ क्योंकि इसी स्कूल में मैं अंग्रेजी के व्याख्याता के रूप में मेरी नियुक्ति मिली थी। उन्होंने कहा कि प्रयास आवासीय विद्यालय के लिए जितने भी विद्यार्थी इस परीक्षा में चयनित हुए हैं जिले का मुखिया होने के नाते सभी का धन्यवाद करता हूं और आप भविष्य में अपने जीवन के लिए जो भी ऊंचा लक्ष्य निर्धारित करें वह पुरा हो। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों से कहा कि आपको अपने लक्ष्य के चार नियम अपनाने होंगे तभी आप सफलता पा सकते हैं। पहला इरादा, दूसरा लक्ष्य, आपने इरादा कर लक्ष्य बनाया कि इंजीनियर बनना है या डॉक्टर या साइंटिस्ट बनना है। एक बार लक्ष्य का निर्धारण हो गया तो आप उस दिशा के लिए जो भी बन पड़े वो करें।

आपका लक्ष्य कमजोर नहीं होना चाहिए। उसके बाद उस लक्ष्य के प्रति आपका तैयारी और अगला चरण प्रयास है, आपको तैयारी के साथ साथ सार्थक प्रयास करना पड़ेगा। आपको ऊंची लक्ष्य के लिए ऊँची छलांग लगानी होगी पूरी ताकत से प्रयास करना होगा। चौथा चरण सफलता है यदि आपको असफलता मिलती है तो यह मत समझिये की आपके प्रयास में कोई कमी रह गई होगी। आगे फिर से तैयार हो जाइये अपने लक्ष्य में लिए। तैयारी लक्ष्य प्रयास और सफलता या असफलता। अगर आप जीवन के जिस क्षेत्र में अपना भाग्य अजमा रहे हैं इन चारों चरणों को याद रखिएगा आपके काम आएगा।

सेवा निवृत्त बीईओ श्री चतुवेर्दी ने कहा कि जो जिम्मेदारी आपको मिली है वहाँ जाएँ और जिस उद्देश्य से आपके अभिभावकों ने आपको जिस शिक्षण संस्थान में भेजा है उसके चरम लक्ष्य को प्राप्त करें आपको एक बड़ी जिम्मेदारी मिली है। उन्होंने कहा कि इस मंच के माध्यम से इतनी महान शक्तियों के बीच में जिस भावना के साथ आपका चयन हुआ है उस लक्ष्य में आप अपने लक्ष्य को प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि प्रयास विद्यालय का उद्देश्य ही है अपने प्रदेश में डॉक्टर इंजीनियर और इसी तरह के ऊँचे जगहों पर आप चयनित हो जिसके लिए तैयारी कराई जाती है। कार्यक्रम के दौरान प्रयास आवासीय विद्यालय में चयनित मेधावी विद्यार्थियों को जिला शिक्षा अधिकारी डी. एन. मिश्रा ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते हुए उन्हें बधाई दी। शंकरगढ़ के बचवार स्थित लक्ष्य शिक्षण संस्थान के संचालक सुदर्शन यादव ने कहा कि उनके संस्थान से इस वर्ष ६८ विद्यार्थियों ने अपना नामांकन कराया था जिसमें से ५८ विद्यार्थी सफल हुए हैं। प्रदेश में शौर्य सोनी ने ओबीसी केटेगरी में पहला स्थान जनरल केटेगरी में अंशिका कश्यप गौश्या अल्प संख्यक केटेगरी में पहला स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि देश सेवा के लिए नो भी बच्चे हमारी शिक्षण संस्थान में आ रहे हैं उन्हें हम निःशुल्क सुविधा मुहैया करा रहे हैं चाहे वह फिजिकल हो या लिखित परीक्षा हो। उन्होंने बताया कि अब तक १२०० से ज्यादा बच्चे नवोदय विद्यालय प्रयास एकलव्य सैनिक जैसे स्कूलों में चयनित हुए हैं।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि डॉ. डी. एन. मिश्रा विशिष्ट अतिथि एस. पी. चतुवेर्दी, सहायक खंड शिक्षा अधिकारी विजय कंवर, डी. डी. भगत, पूर्व प्रधान पाठक जगन्नाथ भारद्वाज, पूर्व प्रधान पाठक स्टीफन बाखला, पूर्व मंडल संयोजक गिरधारी सहित प्रयास आवासीय विद्यालय में चयनित छात्र छात्राएं एवं उनके अभिभावकों सहित अन्य ग्रामीणजन उपस्थित थे।

ईरागांव हाईस्कूल में 4 लाख से अधिक की हुई चोरी

कांकेर। जिले के दुगूकोंदल विकासखंड के दमकसा चौकी अंतर्गत ग्राम ईरागांव हाई स्कूल में अज्ञात चोरों ने चार दर्पण, छह टेबल, तीन दीवार घड़ि?ां, प्राचार्य की कुर्सी, चार प्रोजेक्टर सिस्टम, एक कंप्यूटर सिस्टम, एक लैपटॉप, दो माइक बॉक्स, स्मार्ट टीवी, स्टूल, पर्दे, कोरा कागज, लेखन सामग्री, चाय की केतली सहित अन्य सामग्री की चोरी कर अपने साथ ले गये, जिनका अनुमानित बाजार मूल्य 4 लाख रुपये से अधिक है। शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जीवन उईका, सरपंच बरहेली प्रिया दुष्यंत वाडिवा, प्राचार्य बिजेश्वर, शिक्षक रोशन पटेल, व्यास नारायण, महेश कुमार, रामचरण, चैनु राम सहित अन्य ने दमकसा चौकी प्रभारी को आवेदन सौंपकर चोरों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की।

मिनी ट्रक पुलिया की रेलिंग तोड़ते हुए गागर नदी में जा गिरा पेज 09

कोल्हापुरी चप्पलें दुनिया में मशहूर, पर इन्हें बनाने वाले कारीगर किस हाल में हैं?

नई दिल्ली। कोल्हापुरी चप्पलें आजकल चर्चा में हैं क्योंकि इटालियन फैशन हाउस 'प्राडा' ने अपने एक फैशन शो में कोल्हापुरी जैसी चप्पलें इस्तेमाल की हैं. कुछ लोगों ने इसे कोल्हापुरी का सम्मान माना, लेकिन कई लोगों ने इस पर आपत्ति जताई कि शो में कोल्हापुर या भारत का कोई जिक्र नहीं था.कोल्हापुरी चप्पलें महाराष्ट्र के लिए सिर्फ पहनने की चीज या सांस्कृतिक प्रतीक नहीं हैं, बल्कि इनका यहां की मिट्टी और समाज से गहरा ताल्लुक है. इन चप्पलों का इतिहास कई सदियों पुराना है और ये शाहू महाराज के शासनकाल में खास तौर पर मशहूर हुईं.आज कोल्हापुरी चप्पलों के व्यवसाय में अलग-अलग जातियों और समुदायों के लोग जुड़े हुए हैं, लेकिन असली कोल्हापुरी चप्पलें बनाने वाले ज्यादातर लोग चमड़े का काम करने वाले दलित समुदाय से आते हैं.यहां के कारीगरों ने इस बात पर नाराजगी जताई है कि 'प्राडा' के शो में इन चप्पलों का इस्तेमाल तो हुआ, लेकिन कोल्हापुर का जिक्र तक नहीं किया गया.

कोल्हापुर के सुभाष नगर की निवासी प्रभा सातपुते जोर देकर कहती हैं, ₹ये चप्पलें चमड़े के कारीगरों की कड़ी मेहनत से बनती हैं. ये यहीं कोल्हापुर में तैयार की जाती हैं, इसलिए इनका नाम कोल्हापुर के नाम पर ही रखा जाना चाहिए.सुबह रसोई का काम खत्म करने के बाद प्रभा सातपुते अपने घर के सामने चमड़े के एक बड़े टुकड़े को मनचाहे आकार में काट रही थीं. वह कई सालों से यह काम कर रही हैं.प्रभा कहती हैं, ₹अपनी मेहनत का फल उसी को दो जो उसका हकदार है. बिना वजह दूसरों की मेहनत का फायदा मत उठाओ.₹ उनकी बातों से चप्पलों के प्रति उनका विशेष प्रेम साफ झलकता है.केवल प्रभा ही नहीं, प्राडा की खबर सुनने के बाद कोल्हापुर के कई लोगों ने भी इसी तरह नाराजगी जताई है.

यहां किसी भी व्यक्ति से बात करिए, चाहे वो घर में हों, चाय की दुकान पर या वड़ा पाव के ठेले पर, उनकी बातों में उनकी नाराजगी साफ नजर आती है. और यह स्वाभाविक भी दिखता है, क्योंकि कोल्हापुर का इन चप्पलों से एक लंबा और गहरा रिश्ता रहा है.कोल्हापुर में इन्हें चप्पल की बजाय 'कोल्हापुरी पायताण' के नाम से जाना जाता है. चमड़े से बनी और कई बार प्राकृतिक रंगों में रंगी ये चप्पलें महाराष्ट्र की गर्म और कठोर जलवायु में भी मजबूती से टिकती हैं और लंबे समय तक चलती हैं.इन चप्पलों में लकड़ी के तलवे होते हैं, जिन पर पंजे और पंजों को जोड़ने वाली पट्टियां लगी होती हैं. कुछ सैंडल चमड़े की लट, पट्टियों, मोतियों और लटकनों से भी सजाए जाते हैं.साधारण, मनपसंद और जटिल डिजाइन, यही कोल्हापुरी चप्पलों की खास पहचान हैं.इस बात का कोई ठोस प्रमाण नहीं मिलता कि ये चप्पलें कोल्हापुर में कब और कहां से आईं. हालांकि, १३वीं शताब्दी के आसपास कोल्हापुरी जूते और चप्पलों से जुड़े कुछ संदर्भ जरूर मिलते हैं.चालुक्य वंश के शासनकाल से ही कर्नाटक-महाराष्ट्र की सीमा से लगे इलाकों में इन चप्पलों का इस्तेमाल होने लगा था. उस समय ये चप्पलें अलग-अलग गांवों के नाम से पहचानी जाती थीं, जैसे कापशी, अथनी, क्योंकि इन्हीं गांवों के कारीगर इन्हें बनाते थे.लेकिन इतिहासकार इंद्रजीत सावंत बताते हैं कि शाहू महाराज के शासनकाल में इन चप्पलों को 'कोल्हापुरी चप्पल' के रूप में खास पहचान मिली. उनका कहना है कि शाहू महाराज खुद ये चप्पलें पहनते थे, ताकि इन्हें सम्मानजनक दर्जा मिल सके.उन्होंने बताया कि महाराजा ने कोल्हापुर शहर के जवाहरनगर और सुभाषनगर में इस व्यवसाय को बढ़ावा देने की व्यवस्था की. चमड़े के कारीगरों को जमीनें दी गई और चमड़ा खरीदने की भी उनके लिए विशेष व्यवस्था की गई.इसके बाद इन चप्पलों का नाम कोल्हापुर से जुड़ गया और यह शहर की पहचान बन गई. हाल ही में इस चप्पल को 'जीआई' का दर्जा भी मिला है.कोल्हापुर के गांवों में चमड़े के कारीगरों ने परंपरा निभाते हुए हाथ से चप्पलें बनाने के इस खास तरीके को अब तक संभाल कर रखा है.इसकी शुरूआत भैंस की खाल से होती है, जिसे बबूल की छाल और चूने जैसी प्राकृतिक चीजों की मदद से तैयार किया जाता है.इसके बाद चमड़े को मनचाहे आकार में काटा जाता है. फिर सभी हिस्सों को हाथों से सूती या नायलॉन के धागों से बुना और सिला जाता है.सिलाई के बाद इन चप्पलों पर पारंपरिक कढ़ाई की जाती है और उनमें बारीक छेद किए जाते हैं. अंत में इन्हें प्राकृतिक तेल से चमकाया जाता है और लचीला बनाया जाता है.हाल के समय में इनमें से कुछ काम मशीनों से भी होने लगे हैं, लेकिन इन चप्पलों को बनाने का ज्यादातर काम आज भी हाथ से ही होता है.महाराष्ट्र में ये चप्पलें पारंपरिक पोशाक के साथ पहनी जाती हैं. इसके अलावा बड़ी संख्या में लोग रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए भी इन चप्पलों को पसंद करते हैं.२३ जून २०२५ को इटली के फैशन हाउस प्राडा ने इटली में आयोजित मशहूर 'मिलान फैशन वीक' में अपना 'मेन्स स्प्रिंग समर २०२६ कलेक्शन' पेश किया.

मंडल के सभी रेलवे अंडरपास में जलभराव को लेकर विशेष निगरानी, किए गए हैं आवश्यक प्रबंध

बिलासपुर। बिलासपुर मंडल प्रशासन द्वारा वर्तमान वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए मंडल के अंतर्गत आने वाले सभी रेलवे अंडरपास में जलभराव की समस्या से निपटने हेतु विशेष निगरानी एवं आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। मंडल रेल प्रबंधक श्री राजमल खोईवाल के निदेशानुसार संबंधित विभागों द्वारा लगातार निरीक्षण कर स्थिति पर नजर रखी जा रही है। इस क्रम में मंडल के 18 चिन्हित रेलवे अंडरपास में निगरानी हेतु कर्मचारी तैनात किये गए हैं जिनके द्वारा 24 घंटे नियमित रूप से पानी के लेवल की निगरानी की जा रही है । जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त करने के साथ ही पंपिंग सेट, जेटिंग मशीन तथा अन्य उपकरणों की व्यवस्था की गई है ताकि किसी भी स्थिति में तुरंत जल निकासी की जा सके। बिलासपुर स्टेशन यार्ड के दोनों छोर के अंडर ब्रिज में पानी के लेबल के अनुसार कार्य करने वाली आटोमेटिक विद्युत पम्प की सुविधा उपलब्ध है। यद्यपि अंडरब्रिज निर्माण करते समय ग्रेविटी फ्लो आफ वाटर को ध्यान में रखा जाता है जिससे पानी अंडर ब्रिज में नहीं ठहरता, फिर भी तेज बारिश के समय जल भराव होने पर पंप की सहायता से उसे निकाला जाता है जिससे राहगीरों को आवागमन में व्यवधान न हो एवं सुगम आवागमन संभव हो सके। अंडर ब्रिजों की दीवारों पर जल स्तर के पैरामीटर दर्शाए गए हैं, और वहां संबंधित रेल पर्यवेक्षकों मोबाइल नंबर भी अंकित किया गया है ताकि राहगीरों द्वारा आवश्यकता होने पर तुरंत संपर्क किया जा सके। रेल प्रशासन द्वारा आमजन से अपील की जाती है कि भारी वर्षा के दौरान अंडरपास का प्रयोग करने से पूर्व पूरी सतर्कता बरतें तथा जलभराव अथवा किसी भी समस्या या असुविधा की स्थिति में बोर्ड में प्रदर्शित नंबरों पर संपर्क करें।

तेज डायग्नोस्टिक/ब्लड बैंक (सेंटर)
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल
बाबूपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.)

डॉ. मनीष चौरसिया
M.S. (General Surgery) M.Ch. (Neuro Surgery)
मस्तिष्क एवं नस रोग विशेषज्ञ

डॉ. गौरी शंकर सिंह
MBBS (AFMC) MD (Psychiatry) BHU

डॉ. बी.बी. कुमार
MBBS, MD (Medicine) FIPM, Fellowship in Rheumatology

डॉ. आकाश गर्ग
MBBS, DNB (MEDICINE)
पेट एवं आंत रोग विशेषज्ञ
• गैस, उल्टी की समस्या
• भूख न लगना, पेट दर्द
• पीलिया, पित्त की समस्या, क्रोनिक पेनक्रियाटाइटिस

डॉ. विनय कुमार
MBBS, MD (General Medicine) DM (Nephrology)
किडनी रोग विशेषज्ञ

तेज डायग्नोस्टिक सेन्टर
1.5 TESLA MRI

डॉक्टर्स हाउस @ सरगुजा
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल - II
रानी तालाब के सामने, जिला हॉस्पिटल रोड़ अम्बिकापुर

डॉ. आशु जैन
MS, MCH, FHE, Neuro Surgery

डॉ. निशांत कुमार साहू

06 जुलाई 2025 माह के प्रथम रविवार
अग्रिम पंजीयन हेतु सम्पर्क करें
07774222555, 9425583780, 9826183780, 8224007799, 8718003300, 6262639090
आयुष्मान योजना द्वारा भर्ती, सर्जरी, उपचार एवं जांच की सुविधा उपलब्ध

कृषक सुखसाय रबी और खरीफ फसल लेकर हो रहे लाभान्वित

जशपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों को हर संभव सहायता देने और उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में जशपुर जिले में कृषि विभाग की ओर से किसानों को योजनाओं का लाभ दिलाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है।

जशपुर जिले के कुनकुरी विकासखंड के ग्राम गिनाबहार निवासी कृषक श्री सुखसाय को कृषि विभाग की योजनाओं से विशेष रूप से लाभ मिला है। उनके पास कुल 2 हेक्टेयर कृषि भूमि है, जिसमें सिंचाई की व्यवस्था सीमित होने के कारण वे पूर्ण रूप से खेती नहीं कर पा रहे थे। पहले एक कुएं के माध्यम से सिंचाई की कोशिश करते थे, लेकिन पंप की अनुपलब्धता के कारण दिक्कतें आती थीं। इस वर्ष कृषि विभाग ने उन्हें शाकम्भरी योजना के तहत विद्युत पंप उपलब्ध कराया, जिससे वे गेहूं की फसल ले पा रहे हैं। इसके अलावा उनके खेत में नलकूप खनन कराकर सौर सुजला योजना के तहत सोलर पंप की सुविधा भी प्रदान की गई है, जिसके माध्यम से स्प्रिंकलर प्रणाली से सिंचाई की जा रही है। अब श्री सुखसाय रबी और खरीफ दोनों ही मौसम में कृषि कार्य कर रहे हैं।

पहले जहां खेती सीमित थी, अब बेहतर सिंचाई सुविधा मिलने से उनकी भूमि पूरी तरह उपयोग में आ रही है और उत्पादन में भी वृद्धि हुई है। श्री सुखसाय ने राज्य सरकार और कृषि विभाग का आभार जताते हुए कहा कि इन योजनाओं से उनकी आजीविका को मजबूती मिली है और खेती फिर से लाभ का साधन बन गई है।

तेंदूपत्ता बोनस घोटाले को लेकर भाकपा के मनीष कुंजाम ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

जगदलपुर। सुकमा वनमंडल में तेंदूपत्ता बोनस का लगभग 8 करोड़ रुपए की राशि में से अधिकांश राशि गबन कर ली गई । इस करोड़ों के तेंदूपत्ता बोनस घोटाले में ईओडब्ल्यू की जांच को लेकर कोंटा के पूर्व विधायक और भाकपा नेता मनीष कुंजाम ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखा है। मनीष कुंजाम ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में बताया कि इस घोटाले को उजागर करने वालों पर ही ईओडब्ल्यू की टीम ने छापामारी की, लेकिन कई बड़े लोगों पर कार्रवाई तक नहीं की गई है। इस पत्र में कुंजाम ने सबसे बड़ा आरोप वन मंत्री को लेकर लगाया। उन्होंने कहा कि वन मंत्री होने के साथ सुकमा जिले के प्रभारी मंत्री हैं, ऐसे में यह कैसे संभव है कि उनकी जानकारी या सहमति के बिना करोड़ों रुपयों का गबन हो गया हो? इस मामले में मुझे जानकारी मिली है कि इस घोटाले में बड़े लोग शामिल हैं। इसी वजह से डीएफओ ने इस घोटाले को अंजाम दिया है।

मनीष कुंजाम ने सीएम को लिखे पत्र में कहा है कि सुकमा वनमंडल में 2021-22 के तेंदूपत्ता बोनस की करीब 8 करोड़ रुपए की राशि 2024 में आई और इस राशि में से अधिकांश राशि गबन कर ली गई है। इस मामले की सबसे पहली शिकायत 8 जनवरी 2025 को उन्होंने (मनीष कुंजाम) स्वयं की थी। इसके पहले और न ही बाद में किसी ने शिकायत की है। इसके बाद भी ईओडब्लयू की टीम ने 10 अप्रैल को मेरे घर में दबिश दी। यह आश्चर्य करने वाली बात है, कि इस घोटाले को उजागर करने वाले पर जांच एजेंसी की टीम छापेमारी कर रही है। लेकिन इस छापेमारी के बाद एक सवाल यह भी उठा है कि छापामार कार्रवाई कहीं किसी बड़े गुनाहगार को बचाने के लिए तो नहीं हो रही है?

◆◆◆---अपना बाजार---◆◆◆

विज्ञापन के लिए जगह रिक्त है

माता राजरानी मेमोरियल ¼MRM½ हॉस्पीटल
RSBY/MSBY (स्मार्ट कार्ड) द्वारा भर्ती एवं इलाज की सुविधा उपलब्ध
स्थान - बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर,
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

बच्चों के N.I.C.U. सुविधा
नवजात बच्चों को गहन चिकित्सा कक्ष की सुविधा।
24 घंटे विशेषज्ञों की देख-रेख में वेंटीलेटर, सी-पेप एवं अन्य अत्याधुनिक उपकरणों से युक्त नियोनेटल केयर यूनिट
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

एम.एस. जनरल सर्जन
हॉर्निया, हाईड्रोसिल, एपेण्डीक्स, पाईल्स, पथरी एवं सभी प्रकार की जनरल सर्जरी एवं हर प्रकार के आपरेशन की सुविधा प्रतिदिन
fo'k"k & RSBY & MSBY (स्मार्ट कार्ड) की सुविधा उपलब्ध
-: प्रतिदिन उपलब्धः-
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

"M.S., E.N.T."
नाक, कान, गला
दूरबीन से प्रतिदिन नाक, कान, गला की जांच की जाती है
रोगों के वरिष्ठ अनुभवी चिकित्सक (अत्याधुनिक उपकरणों की सुविधा) के साथ
प्रतिदिन उपलब्ध
समय-दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक
कान एवम् बहरेपन की सम्पूर्ण जांच की जर्मनी की अत्याधुनिक मशीन द्वारा।
कान की मशीन उत्कृष्ट क्वालिटी एवं दो साल की वारण्टी के साथ अत्यन्त रियायती मूल्यों पर उपलब्ध।
आडियोमेट्री की जांच एवम् सेवाए नियमित उपलब्ध
विशेष- नाक, कान, गले से संबंधित सभी प्रकार के आपरेशन (सर्जरी) की सुविधा स्मार्ट कार्ड द्वारा उपलब्ध।
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

प्रतिदिन फिजिशियन परामर्श
डायबिटिज (शुगर/मधुमेह), हृदय संबंधी समस्त रोग, सभी प्रकार के हार्मोन्स विकार (थाइराईड), समस्त प्रकार के इंफेक्शन (सर्दी, खांसी, बुखार, ब्लड प्रेशर (हायपरटेंशन)), एनीमिया, सिकलिंग, थैलीसीमीया, टी.बी., श्वसन एवं छाती संबंधी समस्त रोग, पाचन एवं पेट, लीवर, किडनी (गुर्दा), सिर, मस्तिष्क एवं नस संबंधी समस्त रोग एवं सभी प्रकार के पुराने रोगों के उपचार हेतु उपलब्ध रहेंगे...
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

सभी बीमारियों के
विशेषज्ञ चिकित्सक नियमित उपलब्ध
डॉक्टर्स हाउस
रानी तालाब के सामने, गेहूं बाड़ी के आगे
शासकीय अस्पताल रोड़, अम्बिकापुर
मो.-94255-83780, 62626-39090, 62626-39191
फोन 07774222555

पतंजली सेवा केन्द्र
पतंजली के सभी प्रोडक्ट पर 2 से 10 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध
निः शुल्क डॉक्टर (वैद्य) परामर्श सेवा प्रतिदिन उपलब्ध
सुबह 10.00 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर, तेज मेडिकल के सामने
सम्पर्क नम्बर- 9425583780, 9522629990
आपसे विनम्र निवेदन है कि जरूरतमंद मरीजों तक इसकी जानकारी देने की कृपा करें।
आपके सहयोग एवं सलाह के लिए हृदय से धन्यवाद।

आधुनिक मशीनों एवम् विश्वसनीय जांच 24 घंटे उपलब्ध
एम.आर.आई | ब्लड बैंक सुविधा (24 घंटे)
सीटी स्कैन | ई.ई.जी, ई.सी.जी.
सोनोग्राफी | टीकाकरण की सुविधा
टी.एन.टी. | प्रतिदिन
आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित कम्प्यूटरीकृत पैथोलॉजी लैब
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

SRS HOSPITAL
न्यूनतम दर, उच्चतम सेवा
हमारी उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं
• जनरल मेडिसिन, सर्जरी रोग, हड्डी रोग, स्त्री रोग, नेत्र रोग, एवं बाल हृदय रोग
• सभी प्रकार के सर्जरी की सुविधा आयुष्मान कार्ड द्वारा उपलब्ध है
• 24X7 आपातकालीन सुविधा
• क्रिटिकल केयर एवं ट्रामा केयर
• एडवांस आई. सी. यू. यूनिट
• निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा
• 24X7 फार्मेसी एवं डायग्नोस्टिक सेवाएं उपलब्ध
आयुष्मान भारत कार्ड द्वारा इलाज की सुविधा उपलब्ध
More Information call us +91 96176 05000, +91 70499 85558
जिला अस्पताल रोड, मणिपुर स्कूल के पास अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ. ग.)

आपके नगर अम्बिकापुर में अब प्रतिदिन विशेषज्ञ उपलब्ध
मानसिक एवं नशामुक्ति विशेषज्ञ
समय-दोपहर 2 बजे से 6 बजे तक
रोग : डिप्रेशन, उदासी, चिंता, घबराहट, सरदर्द, माइग्रेन, मिर्गी, झटका, बेहोशी, कम एकाग्रता, नींद की कमी, असामान्य व्यवहार, पागलपन, शराब व अन्य नशे की लत, गर्दन दर्द, कमर दर्द, नस मांसपेशियों में दर्द, बच्चों में चंचलता, मंदबुद्धि आदि से संबंधित बीमारियों के परामर्श एवं उपचार
पता : माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल/ तेज डायग्नोस्टिक
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास, अम्बिकापुर मो.नं. 07774-222999, 8224007799, 98261

केरल में निपाह वायरस का प्रकोप, निगरानी में 425 लोग

तिरुवनंतपुरम ,06 जुलाई (ए)। केरल में निपाह वायरस के नए मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने 425 लोगों को निगरानी में रखा है। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने बताया कि सबसे ज्यादा 228 लोग मलप्पुरम जिले में, 110 पलक्कड़ में और 87 कोझिकोड में निगरानी में हैं। एक व्यक्ति का टेस्ट नेगेटिव आया है। स्वास्थ्य विभाग स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है और प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी व रोकथाम के उपाय तेज कर दिए गए हैं। मलप्पुरम में वायरस के सोर्स का पता लगाने और इसके प्रसार को रोकने के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। मक्करापारंबा, कुरुवा, कूट्टिलंगडी और मंकदा पंचायतों के 20 वार्डों में 65 टीमों ने 1,655 घरों का दौरा किया। डॉ. एन.एन. पमेला की अगुआई में यह सर्वे हुआ, जिसमें सी.के. सुरेश कुमार, एम. शाहुल हमीद और महामारी विशेषज्ञ डॉ. किरण राज भी शामिल थे।
रिपोर्ट जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. रेनुका को सौंपी गई।

कोल्हापुरी चप्पलें दुनिया में मशहूर, पर इन्हें बनाने वाले कारीगर किस हाल में हैं?...पेज 11

भारी बारिश से नदी नाले उफान पर,रेड नदी के किनारे बसे गांवो में अलर्ट

०० पासल पावर प्लांट के सभी गेट खोलने के निर्देश ०० घुनघुट्टा बांध के भी पांच गेट खोले गए

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले भर में पिछले २४ घण्टे से हो रही लगातार बारिश से नदी नाले अपने रौद्र रूप में आ गए है ।जिससे नदी किनारे बसे गांवों को अलर्ट मोड़ पर रखा गया है ।इस बीच सरगुजा के घुनघुट्टा बांध से पानी छोड़े जाने के कारण रेड नदी का जलस्तर भी बढ़ गया है ।कुदरगढ़ धाम में भी पानी का रौद्र रूप दिखा तो वही प्रेमनगर के झींक नदी में एक वृद्ध के बह जाने की खबर है ।जिले में पिछले २४ घण्टे से लगातार बारिश हो रही है ।लगातार बारिश से नदी नाले उफान पर है। ओड़गी, बिहारपुर,प्रेमनगर आदि क्षेत्रों की नदियां उफान पर है तो कहीं कहीं पुल के ऊपर पानी चलने से यातायात प्रभावित हो रहा है ।बारिश से जनजीवन पर भी असर पड़ रहा है ।सरगुजा जिले के घुनघुट्टा बांध से करीब पांच गेट खोल दिये गए है जिससे रेड नदी का जलस्तर भी और बढ़ गया है ।रेड नदी का जलस्तर बढ़ने से प्रशासन ने भैयाथान ब्लॉक के कुछ ऐसे गांव है जो नदी के किनारे है उन्हें अलर्ट मोड़ पर रखा है ।जिला प्रशासन ने एहतियात के तौर पर पासल स्थित हाइड्रो पावर प्लांट का निरीक्षण के बाद सभी १३ गेट खोलने के निर्देश दिए है ।इधर नदी किनारे स्थित बालिका हॉस्टल को भी अलर्ट कर दिया गया है। दुसरीं ओर आज कुदरगढ़ धाम में भी बारिश का जलवा देख लोग भयाक्रांत थे,धाम की सीढ़ियां पानी से लबालब थी और पहाड़ से पूरे वेग के साथ पानी नीचे आ रहा था ।जिससे सुरक्षा के मद्देनजर कुदरगढ़ धाम के मेन गेट को बंद कर श्रद्धालुओं की अवाजाही पर रोक लगा दी गई थी ।हालत सामान्य होने पर बाद में गेट खोल दिया गया था ।इधर प्रेमनगर क्षेत्र के मोहनपुर आमाझरिया के उफनती झींक नदी को पार करने की कोशिश में ६० वर्षीय वृद्ध मोहन सोरी तेज बहाव में बह गया। उनके साथी, श्यामपुर के बांसपारा निवासी एक अन्य वृद्ध ने झाड़ी का सहारा लेकर अपनी जान बचा ली, लेकिन मोहन सोरी का अभी तक कोई पता नहीं चल सका है। पुलिस और डीडीआरएफ की टीम शनिवार को घटनास्थल पर पहुंची और २०० मीटर के दायरे में व्यापक तलाशी अभियान चलाया, लेकिन घटना के ४८ घण्टे बाद भी कोई

०० तहसील व आयुष चिकित्सालय बने तालाब

नगर में भी भारी बारिश का असर देखने को मिल रहा है ।हालत यह है कि तहसील परिसर व आयुष चिकित्सालय परिसर में घुटनो तक पानी भर गया है ।जिससे दोनों परिसर तालाब के रूप में तब्दील हो गए है ।आज रविवार छुट्टी होने के कारण लोगो का आनाजाना नही था ।इसलिये दिक्कत कम थी ।इन परिसरों से पानी निकासी की समुचित व्यवस्था न होने से साल दर साल की यह समस्या है।

०० बिहारपुर के गांव बने टापू

भारी बारिश से बिहारपुर क्षेत्र के कई गांव टापू में तब्दील हो गए है ।बिहारपुर से कोरिया जिला को जोड़ने वाली बरगा नदी उफान पर है। उक्त बरगा नदी को तीन बार पार कर ग्रामीण कोरिया जिला के गांव जाना पड़ता है। सूरजपुर जिले के ग्राम रसौकी का भी संपर्क कोरिया जिले से फिलहाल टूटा हुआ है। इसी प्रकार मध्यप्रदेश को जोड़ने वाली खीरु नदी भी अपने सवाब पर है जिससे कोल्हुआ आदि गांव का मध्यप्रदेश से सीधा संपर्क अभी टूटा हुआ है। जो ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है ।भारी बारिश से बिहारपुर क्षेत्र का ग्राम खोहिर, बैजनापाठ, लुल, भुंडा, उमझर पंचायत का आश्रित ग्राम जुडवनिया, रामगढ़ का आश्रित ग्राम कच्छवारी और तेलईपाठ आदि गांव टापू में तब्दील हो गया है। दो दिन पूर्व बैजनपाठ का २० वर्षीय शिवदयाल पिता कमलेश सिंह अपने मामा के यहां मध्यप्रदेश के सिंगरौली क्षेत्र के करौटी घूमने गया था। इस दौरान युवक अन्य लोगो के साथ रक्सगण्डा के नीचे मछली मारने चला गया और युवक नदी में डूब गया। जिससे उसकी मौत हो गई। युवक का शव मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा रेस्क्यू कर दो दिन बाद खोज निकाला गया। जिसको रविवार को बैजनपाठ में परिजनों के सुपुर्द किया गया है।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती, प्रधानमंत्री मोदी ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली ,06 जुलाई (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जन्म-जयंती पर श्रद्धांजलि दी है। 6 जुलाई 1901 को जन्मे श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक प्रमुख राष्ट्रवादी नेता और आजादी के बाद भारत की राजनीति के एक प्रमुख व्यक्तित्व के रूप में जाने जाते हैं। भारत की एकता और अखंडता की दिशा में श्यामा प्रसाद मुखर्जी का विजन करोड़ों लोगों को प्रेरित करता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्सइ पर लिखा, राष्ट्र के अमर सपूत श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जन्म-जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि। देश की आन-बान और शान की रक्षा के लिए उन्होंने अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उनके आदर्श और सिद्धांत विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में बहुमूल्य हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म-जयंती पर उन्हें नमन किया। जेपी नड्डा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्सइ पर एक पोस्ट में लिखा, अपने प्रखर राष्ट्रवादी विचारों और कामों से मां भारती को गौरवान्वित करने वाले महान विचारक, करोड़ों कार्यकताओं के प्रेरणापुंज, विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक संगठन भारतीय जनता पार्टी के आधार स्तंभ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म-जयंती पर उन्हें भावपूर्ण नमन करता हूं।

जेपी नड्डा ने आगे लिखा, जम्मू-कश्मीर से दो विधान, दो निशान और दो प्रधान समाप्त करने के लिए श्रद्धेय श्यामा प्रसाद मुखर्जी अपने जीवन के अंतिम क्षणों तक संघर्षरत रहे। कश्मीर से धारा-370 हटाकर उनके स्वप्न को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने साकार किया है। मां भारती की एकता, अखंडता और सम्मान के लिए दिया गया आपका अमर बलिदान अनंतकाल तक देशवासियों को राष्ट्रसेवा और समर्पण की प्रेरणा देता रहेगा।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, श्यामा प्रसाद मुखर्जी जम्मू-कश्मीर को भारत का पूर्ण और अभिन्न अंग बनाना चाहते थे। संसद में अपने भाषण में उन्होंने धारा-370 को खत्म करने की भी जोरदार वकालत की थी। उन्होंने कश्मीर को लेकर एक नारा दिया था, नहीं चलेगा एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान। अनुच्छेद 370 के कारण जम्मू-कश्मीर राज्य पर भारतीय संविधान की अधिकतर धाराएं लागू नहीं होती थीं। एक प्रावधान था कि किसी भी भारतीय नागरिक को जम्मू-कश्मीर में प्रवेश करने के लिए विशेष परमिट लेना पड़ता था। श्यामा प्रसाद मुखर्जी इसके सख्त खिलाफ थे।

अगस्त 1952 में जम्मू कश्मीर की विशाल रैली में उन्होंने अपना संकल्प व्यक्त किया था कि या तो मैं आपको भारतीय संविधान प्राप्त कराऊंगा या फिर इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए अपना जीवन बलिदान कर दूंगा।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी अपने संकल्प को पूरा करने के लिए 1953 में बिना परमिट लिए जम्मू-कश्मीर की यात्रा पर निकल पड़े थे। वहां पहुंचते ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। 23 जून 1953 को जेल में रहस्यमय परिस्थितियों में उनका निधन हो गया था।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी को उनके जयंती पर किया गया नमन

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर जिला भाजपा कार्यालय अटलकुंज मे पूर्व पापुनि अध्यक्ष एवं पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष भीमसेन अग्रवाल एवं जिला अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी के मुख्य आतिथ्य,जिला महामंत्री राजेश महलवाला, जिला कोषाध्यक्ष थलेश्वर साहू के विशिष्ट आतिथ्य मे कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की जीवन पर अतिथियों के द्वारा प्रकाश डाला गया तथा उनके द्वारा देशहित मे किये गये त्याग एक देश एक विधान के समर्थन मे कैबिनेट मंत्री पद से इस्तीफा देकर जम्मू कश्मीर मे बिना परमिट के जाकर अपनी गिरफ्तारी देकर विरोध जताया गया तथा जेल मे रहस्यमयी तरीके से उनकी मौत हो गई। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी का पूरा जीवन देश के लिये समर्पित रहा। इस दौरान एक पेड़ माँ के नाम पर जिला भाजपा कार्यालय मे पौधा रोपण किया जाकर पर्यावरण संरक्षण का सन्देश दिया गया। कार्यक्रम का संचालन शहर महामंत्री राजू देवांगन के द्वारा किया गया स्वागत उदबोधन शहर मंडल अध्यक्ष अरविन्द मिश्रा के द्वारा दिया गया तथा समापन उदबोधन ग्रामीण मंडल अध्यक्ष विजय राजवाड़े के द्वारा दिया गया। कार्यक्रम मे शहर एवं ग्रामीण मंडल के समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्त्तागण उपस्थित रहें।

सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को पत्र, पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ से बंगला तुरंत खाली कराने को कहा

नई दिल्ली ,06 जुलाई (ए)। सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ को आवंटित सरकारी बंगला खाली कराने का अनुरोध किया है। पत्र में कहा गया है कि पूर्व सीजेआई की बंगले में रहने की अनुमति की समय सीमा समाप्त हो चुकी है। सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय को भेजे पत्र में कहा है कि लुटियंस दिल्ली के कृष्ण मेनन मार्ग स्थित बंगला नंबर पांच को तुरंत खाली कराया जाए। यह बंगला वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग सीजेआई का आधिकारिक आवास है। पत्र के अनुसार, जस्टिस चंद्रचूड़ को इस बंगले में रहने की विस्तारित अनुमति 21 मई, 2025 को समाप्त हो गई है। इसके अतिरिक्त, 2022 के नियमों के नियम 3बी के तहत दी गई छह महीने की अवधि भी 10 मई, 2025 को खत्म हो चुकी है।

यह ध्यान देने योग्य है कि जस्टिस चंद्रचूड़ नवंबर 2022 से नवंबर 2024 तक देश के 50वें मुख्य न्यायाधीश थे। उनके उत्तराधिकारी, जस्टिस संजीव खन्ना और वर्तमान सीजेआई जस्टिस भूषण आर गवई ने सीजेआई के आधिकारिक आवास में रहने के बजाय अपने पहले आवंटित बंगलों में ही रहना जारी रखा। इस मामले में प्रतिक्रिया के लिए संपर्क करने पर, जस्टिस चंद्रचूड़ ने इसके लिए अपनी व्यक्तिगत परिस्थितियों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट प्रशासन इस स्थिति से अवगत है।

कैप्टन विक्रम बत्रा : कारगिल का शेर, जिसने देश के लिए जान न्यौछावर कर दी

नई दिल्ली ,06 जुलाई (ए)। कैप्टन विक्रम बत्रा, एक ऐसा नाम है जो शौर्य, बलिदान और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। कारगिल युद्ध के दौरान दुर्गम चोटियों पर विजय पाने वाले इस जांबाज योद्धा ने न सिर्फ दुश्मनों को धूल चटाई, बल्कि अपने अदम्य साहस और नेतृत्व से देश के करोड़ों दिलों को छू लिया। हिमाचल की वादियों से उठकर तिरंगे की शान के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले 'शेरशाहइ ने साबित कर दिया कि वतन से बढ़कर कुछ नहीं। 7 जुलाई को उन्होंने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी और इतिहास में अमर हो गए।

कैप्टन विक्रम बत्रा का जन्म 9 सितंबर 1974 को हिमाचल प्रदेश के पालमपुर के पास स्थित घुग्गर गांव में एक पंजाबी-खत्री परिवार में हुआ था। उनके पिता जीएल बत्रा एक स्कूल प्रिंसिपल और माता जय कमल बत्रा एक शिक्षिका थीं।

बत्रा 1996 में मानेकशॉ बटालियन की जेसोर कंपनी में देहरादून में इंडियन मिलिट्री अकादमी में शामिल हुए। प्रशिक्षण के बाद उन्हें जम्मू-कश्मीर के सोपोर में 13 जम्मू-कश्मीर राइफल्स के लेफ्टिनेंट के रूप में भारतीय सेना में कमीशन दिया गया। बाद में वह कैप्टन के पद तक पहुंचे।

साल 1999 में जब कारगिल युद्ध छिड़ा, उस समय विक्रम बत्रा भारतीय सेना की 13 जम्मू-कश्मीर राइफल्स में तैनात थे। पॉइंट 5140 पर विजय के बाद 13 जम्मू-कश्मीर राइफल्स को अगला लक्ष्य पॉइंट 4875 को कब्जे में लेना था। 5140 पॉइंट पर जब कब्जा हुआ, कैप्टन बत्रा ने रेडियो पर एक मैसेज भेजा था, यह दिल मांगे मोर। इस मैसेज में आगे की पूरी रणनीति छिपी थी। यहां से अगले टारगेट पॉइंट 4875 के लिए ऑपरेशन शुरू हुआ।

कैप्टन विक्रम बत्रा और उनकी कंपनी को दुर्गम इलाके में दुश्मन की मजबूत चौकियों को साफ कर पॉइंट 4875 तक पहुंचने का काम सौंपा गया। विक्रम बत्रा ने अद्भुत साहस, रणनीति और नेतृत्व का परिचय देते हुए जिम्मेदारी को स्वीकार किया। कैप्टन विक्रम बत्रा ने आमने-सामने की मुठभेड़ में 5 दुश्मन सैनिकों को बेहद नजदीक से मार गिराया, जबकि वो खुद पहले से घायल थे। उन्होंने अगले दुश्मन ठिकाने की ओर बढ़ते हुए हैंड ग्रेनेड फेंके और वहां से भी दुश्मनों को खदेड़ दिया।

मुश्किल हालातों में भारतीय फौज ने पॉइंट 4875 पर झंडा फहरा दिया। हालांकि इस ऑपरेशन में विक्रम बत्रा शहीद हो गए।

इन सभी अभियानों में कैप्टन विक्रम बत्रा का अदम्य साहस, नेतृत्व और बलिदान अमिट छाप छोड़ गया। मरणोपरांत भारत सरकार ने कैप्टन विक्रम बत्रा को भारत के सर्वोच्च सैन्य सम्मान 'परमवीर चक्रइ से सम्मानित किया। उनकी याद में पॉइंट 4875 को भी बत्रा टॉप नाम दिया गया।

मुजफ्फरनगर में खुला 'प्रधानमंत्री चाय वाला रेस्टोरेंट, चर्चा में आया नाम और यहां की सफाई व्यवस्था

मुजफ्फरनगर ,06 जुलाई (ए)। उत्तर प्रदेश के जनपद मुजफ्फरनगर में इन दिनों होटल और ढाबों पर नामकरण को लेकर खूब चर्चा हो रही है। जहां एक ओर 'पंडित जी वैष्णो ढाबाइ जैसे नाम सुर्खियों में हैं, वहीं दूसरी ओर दिल्ली-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग-58 पर स्थित गांव बढ़ेंडी में एक अनोखा रेस्टोरेंट चर्चा का विषय बना हुआ है, जिसका नाम 'प्रधानमंत्री चाय वालाइ है।

इस रेस्टोरेंट के मालिक अभिषेक पंवार हैं, जो मूल रूप से राजस्थान के जयपुर से हैं। रेस्टोरेंट के मालिक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रेरित होकर अपने रेस्टोरेंट का नाम 'प्रधानमंत्री चाय वालाइ रखा है। 'प्रधानमंत्री चाय वालाइ देखने में अन्य रेस्टोरेंट और ढाबों जैसा ही है, लेकिन अनोखे नाम और यहां की सफाई व्यवस्था के कारण इसकी खूब चर्चा हो रही है।

अभिषेक पंवार सभी सरकारी नियमों और खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए इस रेस्टोरेंट को चला रहे हैं। रेस्टोरेंट में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, यहां तक कि रसोई में भी कैमरे हैं और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा गया है। इसके साथ ही 'आई लव मुजफ्फरनगरइ के नाम से सेल्फी प्वाइंट बनाया गया है, जो युवाओं को खासा आकर्षित कर रहा है। रेस्टोरेंट के मालिक ने कहा कि वह बचपन से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े रहे हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विचारधारा से प्रभावित हैं। इसी प्रेरणा से उन्होंने अपने रेस्टोरेंट का नाम 'प्रधानमंत्री चाय वालाइ रखा। उन्होंने कहा, बच्चों ने इस नाम का सुझाव दिया था। उसके बाद पिछले एक साल से इसी नाम से रेस्टोरेंट चला रहे हैं।

अभिषेक पंवार पहले चंडीगढ़ में कपड़ों का शोरूम चलाते थे, लेकिन व्यापार में घाटा होने के बाद उन्होंने रेस्टोरेंट व्यवसाय की ओर रुख किया। उन्होंने पहली बार अयोध्या में 'प्रधानमंत्री चाय वालाइ नाम से रेस्टोरेंट शुरू किया था, लेकिन राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण के चलते वह बंद हो गया। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और अब लगभग दो महीने पहले मुजफ्फरनगर में दोबारा इसी नाम से रेस्टोरेंट की शुरूआत की है।

अभिषेक पंवार का परिवार पिछले 30 साल से फूड चेन के व्यवसाय से जुड़ा रहा है। उनके दादाजी भी इसी पेशे में थे और इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए अभिषेक ने अपने पारिवारिक व्यवसाय में ही नई शुरूआत की है। आज वे अपने 'प्रधानमंत्री चाय वालाइ रेस्टोरेंट के साथ न सिर्फ संतुष्ट हैं, बल्कि गर्व से इसे एक मिशन के रूप में आगे बढ़ा रहे हैं।